अंग्रेज़ी से हिन्दी में अनुवादित। - www.onlinedoctranslator.com

अधिसूचना

भारतीय वायु सेना
Indian Air Force

उड़ान शाखा और ग्राउंड ड्यूटी (तकनीकी और गैर-तकनीकी) शाखाओं/एनसीसी विशेष प्रवेश के लिए वायु सेना सामान्य प्रवेश परीक्षा (एएफसीएटी- 02/2024)

जुलाई 2025 में शुरू होने वाले पाठ्यक्रमों के लिए

ऑनलाइन आवेदन जमा करने की तिथि: 30 मई 2024 (1100 बजे) से 28 जून 2024 (2330 बजे)

(भारतीय वायु सेना करियर वेबसाइट https://career Indianairforce.cdac.in या https://afcat.cdac.in)

1. भारतीय वायु सेना भारतीय नागरिकों (पुरुषों और महिलाओं) को समूह के रूप में इस विशिष्ट बल का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित करती है फ्लाइंग और ग्राउंड ड्यूटी (तकनीकी और गैर-तकनीकी) शाखाओं में 'ए' राजपत्रित अधिकारी। ऑनलाइन एएफसीएटी परीक्षा आयोजित की जाएगी**09 अगस्त 24, 10 अगस्त 24 और 11 अगस्त 24**.

2. उम्मीदवारों को परीक्षा के लिए अपनी पात्रता निम्नानुसार सुनिश्चित करनी है:-

(ए) परीक्षा के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए सभी पात्रता शर्तों को पूरा करते हैं। परीक्षा के सभी चरणों में उनका प्रवेश। लिखित परीक्षा और एसएसबी परीक्षा पूरी तरह से अनंतिम होगी, बशर्ते वे निर्धारित पात्रता शर्तों को पूरा करते हों। यदि लिखित परीक्षा या एएफएसबी परीक्षण से पहले या बाद में किसी भी समय सत्यापन में यह पाया जाता है कि वे पात्रता की किसी भी शर्त को पूरा नहीं करते हैं, तो आईएएफ द्वारा उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

(बी) **उम्मीदवार को केवल प्रवेश पत्र/कॉल अप लेटर जारी करने का अर्थ यह नहीं होगा कि उसकी उम्मीदवारी अंततः भारतीय वायु सेना द्वारा स्वीकार कर ली गई है।**

3. **प्रवेश, शाखा, पाठ्यक्रम संख्या और रिक्तियां** .

प्रवेश	शाखा	पाठ्यक्रम संख्या	रिक्त पद*	
			पुरुष (एसएससी)	महिला (एसएससी)
AFCAT प्रवेश	**फ्लाइंग**	218/25एफ/एसएससी/एम एवं डब्ल्यू	**18**	**11**
	मैदान कर्तव्य (तकनीकी)	217/25टी/एसएससी/ 107एईसी/एम एवं डब्ल्यू	**एई(एल) : 88** **एई(एम) : 36**	**एई(एल) : 23** **एई(एम) : 09**
	मैदान ड्यूटी (गैर-तकनीकी)	217/25जी/एसएससी/एम एंड डब्ल्यू	**हथियार प्रणालियाँ (डब्लूएस) शाखा: 14** **व्यवस्थापक: 43** **एलजीएस: 13** **लेखा : 10** **एडन: 07** **मिले : 08**	**हथियार प्रणालियाँ (डब्लूएस) शाखा : 03** **व्यवस्थापक : 11** **एलजीएस : 04** **लेखा : 02** **एड : 02** **मिले : 02**
एनसीसी विशेष प्रवेश	**फ्लाइंग**	218/25एफ/पीसी/एम और 218/25एफ/एसएससी/एम एवं डब्ल्यू	सीडीएसई रिक्तियों में से 10% सीटें पीसी और के लिए SSC के लिए AFCAT रिक्तियों में से 10% सीटें	

*** अस्वीकरण** . बताई गई रिक्तियां अस्थायी हैं और बिना किसी सूचना के परिवर्तन के अधीन हैं। वास्तविक भर्ती संगठनात्मक आवश्यकताओं, विभिन्न कैडर नियंत्रण तंत्र, प्रशिक्षण स्लॉट की उपलब्धता और जुलाई 2025 में होने वाली रिक्तियों की वास्तविक संख्या पर निर्भर करेगी। इस संबंध में किसी भी प्रतिनिधित्व पर विचार नहीं किया जाएगा।

4. **आयोग का प्रकार** .

(ए) **पुरुषों और महिलाओं के लिए शॉर्ट सर्विस कमीशन (एसएससी)।** .

(मैं) के लिए सगाई की अवधि**उड़ान शाखा**(पुरुष और महिला) एसएससी अधिकारी हैं कमीशनिंग की तिथि से चौदह वर्ष।

(ii) प्रारंभिक कार्यकाल**ग्राउंड ड्यूटी (तकनीकी और गैर-तकनीकी)**एसएससी अधिकारी कुछ समय के लिए होंगे **दस साल**. का एक विस्तार**चार साल**के अधीन प्रदान किया जा सकता है**सेवा आवश्यकताएँ, रिक्तियों की उपलब्धता, इच्छा, उपयुक्तता और योग्यता।**

(iii) स्थायी कमीशन (पीसी) का अनुदान (बाद की तारीख में) सेवा आवश्यकताओं, रिक्तियों की उपलब्धता, इच्छा, उपयुक्तता, योग्यता और विषय पर प्रचलित नीतियों के आधार पर माना जाएगा।

(iv) एसएससी अधिकारी पेंशन अनुदान के हकदार नहीं हैं।

5. **पात्रता शर्तें** .

(ए) **राष्ट्रीयता** . उम्मीदवार को भारतीय नागरिकता अधिनियम, 1955 के अनुसार भारत का नागरिक होना चाहिए।

(बी) **आयु**.

(मैं) **एएफसीएटी और एनसीसी स्पेशल एंट्री के माध्यम से फ्लाइंग ब्रांच** :**20 से 24 साल**एक बेटा**01 जुलाई 2025**यानी के बीच पैदा हुआ**02 जुलाई 2001 से 01 जुलाई 2005 तक**(दोनों तिथियां सम्मिलित) द्वारा जारी वैध और वर्तमान वाणिज्यिक पायलट लाइसेंस रखने वाले उम्मीदवारों के लिए ऊपरी आयु सीमा **डीजीसीए** (भारत) 26 वर्ष तक की छूट है अर्थात जन्म के बीच
02 जुलाई 1999 से 01 जुलाई 2005 तक(दोनों तिथियां सम्मिलित)

(ii) **ग्राउंड ड्यूटी (तकनीकी और गैर-तकनीकी) शाखा** :**20 से 26**वर्षों तक **01 जुलाई 2025**यानी के बीच पैदा हुआ**02 जुलाई 1999 से 01 जुलाई 2005 तक**(दोनों तिथियां सम्मिलित)

(iii) **वैवाहिक स्थिति** : प्रारंभ के समय अभ्यर्थियों को अविवाहित होना चाहिए
प्रशिक्षण के दौरान पाठ्यक्रम और विवाह की अनुमति नहीं है। एक उम्मीदवार जो इस दौरान शादी करता है प्रशिक्षण की अवधि समाप्त कर दी जाएगी और सरकार उस पर किए गए सभी खर्चों को वापस करने के लिए उत्तरदायी होगी।

(iv) आईएएफ द्वारा स्वीकृत जन्मतिथि वह है जो मैट्रिकुलेशन या सेकेंडरी स्कूल छोड़ने के प्रमाणपत्र में या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष मान्यता प्राप्त प्रमाणपत्र में दर्ज की गई हो या किसी विश्वविद्यालय द्वारा बनाए गए मैट्रिकुलेट के रजिस्टर से उद्धरण में दर्ज की गई हो। उद्धरण को विश्वविद्यालय के उचित प्राधिकारी या उच्चतर माध्यमिक या समकक्ष परीक्षा प्रमाण पत्र द्वारा प्रमाणित किया जाना चाहिए। आयु से संबंधित कोई अन्य दस्तावेज जैसे कुंडली, शपथ पत्र, नगर निगम से जन्म प्रमाण पत्र, सेवा रिकॉर्ड और इसी तरह स्वीकार नहीं किया जाएगा।

(v) यदि मैट्रिक/उच्च माध्यमिक परीक्षा प्रमाणपत्र में जन्मतिथि नहीं दिखती है, या केवल पूर्ण वर्षों या पूर्ण वर्षों और महीनों द्वारा आयु दिखाई जाती है। ऐसे मामलों में, उम्मीदवार के पास उस संस्थान के हेडमास्टर/ प्रिंसिपल से प्रमाण पत्र की स्व-सत्यापित/प्रमाणित प्रति होनी चाहिए, जहां से उसने मैट्रिक/उच्च माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की है, जिसमें उसकी जन्मतिथि या दर्ज की गई सटीक उम्र दर्शाई गई हो। संस्थान के प्रवेश रजिस्टर में.

(vi) उम्मीदवारों को ध्यान देना चाहिए कि आवेदन जमा करने की तिथि पर केवल मैट्रिक/उच्च माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्र या समकक्ष प्रमाण पत्र में दर्ज जन्म तिथि ही आईएएफ द्वारा स्वीकार की जाएगी और इसके परिवर्तन के लिए किसी भी बाद के अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा। मंजूर किया गया।

(vii) **उम्मीदवारों को अपनी जन्मतिथि दर्ज करते समय उचित सावधानी बरतनी चाहिए। यदि किसी भी बाद के चरण में सत्यापन के दौरान, उनकी जन्मतिथि में उनके मैट्रिक या समकक्ष परीक्षा प्रमाण पत्र में दर्ज जन्मतिथि से भिन्नता पाई जाती है, तो उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा। इस संबंध में किसी भी अभ्यावेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।**

(सी) **<u>शैक्षिक योग्यता</u>** .

(मै) **<u>उड़ान शाखा</u>** . अभ्यर्थियों को अनिवार्य रूप से उत्तीर्ण होना चाहिए**न्यूनतम**का 10+2 स्तर पर गणित और भौतिकी प्रत्येक में 50% अंक**और**

(एए) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 60% अंकों या समकक्ष के साथ किसी भी विषय में न्यूनतम तीन साल के डिग्री पाठ्यक्रम के साथ स्नातक।

या

(एबी) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 60% अंकों या समकक्ष के साथ बीई/बीटेक डिग्री (चार वर्षीय पाठ्यक्रम)।

या

(एसी) जिन उम्मीदवारों ने एसोसिएट की सेक्शन ए और बी परीक्षा पास कर ली है न्यूनतम 60% अंकों या समकक्ष के साथ किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) या एयरोनॉटिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया की सदस्यता।

(ii) **<u>ग्राउंड ड्यूटी (तकनीकी) शाखा</u>** .

(एए)**<u>एयरोनॉटिकल इंजीनियर (इलेक्ट्रॉनिक्स) {एई (एल)}</u>** . जिन उम्मीदवारों के पास ए 10+2 स्तर पर भौतिकी और गणित में प्रत्येक में न्यूनतम 50% अंक और मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से इंजीनियरिंग/प्रौद्योगिकी में न्यूनतम चार साल की डिग्री स्नातक/एकीकृत स्नातकोत्तर योग्यता।**या** निम्नलिखित विषयों में न्यूनतम 60% अंकों या समकक्ष के साथ वास्तविक अध्ययन द्वारा इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) या एयरोनॉटिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया की एसोसिएट मेंबरशिप की सेक्शन ए और बी परीक्षा या इंस्टीट्यूशन ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियर्स की ग्रेजुएट सदस्यता परीक्षा उत्तीर्ण की गई: -

(आआ) संचार इंजीनियरिंग। कंप्यूटर इंजीनियरिंग/प्रौद्योगिकी. कंप्यूटर
(आब) इंजीनियरिंग एवं अनुप्रयोग. कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग/
(एएसी) प्रौद्योगिकी। इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर इंजीनियरिंग.
(आद)
(एएई)
(आफ़) इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग.
(आग) विद्युत अभियन्त्रण।
(आह) इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग/प्रौद्योगिकी.
(आज) इलेक्ट्रॉनिक्स विज्ञान और इंजीनियरिंग.
(आक) इलेक्ट्रॉनिक्स.
(आल) इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग।
(आम) इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटर विज्ञान। (आन)
इलेक्ट्रॉनिक्स और/या दूरसंचार इंजीनियरिंग। इलेक्ट्रॉनिक्स और/या दूरसंचार
(आओ) इंजीनियरिंग (माइक्रोवेव)। इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटर इंजीनियरिंग.
(आप)
(aaq) इलेक्ट्रॉनिक्स संचार और इंस्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरिंग। इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण
(एआर) एवं नियंत्रण.
(आस) इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण एवं नियंत्रण इंजीनियरिंग।

(आट) इंस्ट्रुमेंटेशन एवं नियंत्रण इंजीनियरिंग. उपकरण
(आऊ) एवं नियंत्रण इंजीनियरिंग. सूचान प्रौद्योगिकी।
(आव)
(aaw) इलेक्ट्रिक पावर और मशीनरी इंजीनियरिंग। (एएक्स)
इन्फोटेक इंजीनियरिंग।
(अबी) साइबर सुरक्षा।

(अब) **एयरोनॉटिकल इंजीनियर (मैकेनिकल) {एई (एम)}** . जिन उम्मीदवारों के पास ए 10+2 स्तर पर भौतिकी और गणित प्रत्येक में न्यूनतम 50% अंक**और**ए **न्यूनतम**मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से इंजीनियरिंग/प्रौद्योगिकी में चार साल की डिग्री स्नातक/एकीकृत स्नातकोत्तर योग्यता **या**निम्नलिखित विषयों में न्यूनतम 60% अंकों या समकक्ष के साथ वास्तविक अध्ययन द्वारा इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) या एयरोनॉटिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया की एसोसिएट सदस्यता की अनुभाग ए और बी परीक्षा उत्तीर्ण की: -

(आआ) अंतरिक्ष इंजिनीयरिंग।
(आब) एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग। विमान रखरखाव
(एएसी) इंजीनियरिंग. मैकेनिकल इंजीनियरिंग।
(आद)
(एएई) मैकेनिकल इंजीनियरिंग और स्वचालन। मैकेनिकल इंजीनियरिंग
(आफ़) (उत्पादन)। मैकेनिकल इंजीनियरिंग (मरम्मत और रखरखाव)।
(आग) मेक्ट्रोनिक्स।
(आह)
(आज) औद्योगिक इंजीनियरिंग। उत्पादन व्यवहारिक।
(आक) उत्पादन और औद्योगिक इंजीनियरिंग.
(आल)

(iii) **ग्राउंड ड्यूटी (गैर-तकनीकी) शाखाएँ** .

(एए) **हथियार प्रणाली (डब्लूएस) शाखा** . उम्मीदवार चाहिए पास होना के साथ अनिवार्य रूप से उत्तीर्ण**न्यूनतम**10+2 स्तर पर गणित और भौतिकी प्रत्येक में 50% अंक**और**

(एएए) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 60% अंकों या समकक्ष के साथ किसी भी विषय में न्यूनतम तीन साल के डिग्री पाठ्यक्रम के साथ स्नातक।**या**

(एएबी) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 60% अंकों या समकक्ष के साथ बीई/ बीटेक डिग्री (चार वर्षीय पाठ्यक्रम)।

(अब) **प्रशासन एवं रसद** . 10+2 उत्तीर्ण और स्नातक डिग्री (न्यूनतम)
किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में तीन साल का डिग्री कोर्स) **न्यूनतम**60% अंक या समकक्ष या {किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) या एयरोनॉटिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया की एसोसिएट मेंबरशिप की सेक्शन ए और बी परीक्षा न्यूनतम 60% अंकों या समकक्ष के साथ उत्तीर्ण की हो।}

(एसी)**लेखा शाखा** . 10+2 उत्तीर्ण और किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से 60% अंकों या समकक्ष के साथ निम्नलिखित में से किसी भी स्ट्रीम में स्नातक किया: -

(आआ) बी.कॉम डिग्री (न्यूनतम तीन वर्ष का पाठ्यक्रम)।
(आब) बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (वित्त में विशेषज्ञता के साथ)/
बैचलर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (वित्त में विशेषज्ञता के साथ)/ बैचलर ऑफ बिजनेस स्टडीज (वित्त में विशेषज्ञता के साथ)
(एएसी) योग्य सीए/सीएमए/सीएस/सीएफए।

(एएडी) बी.एससी. वित्त में विशेषज्ञता के साथ।

(विज्ञापन)**<u>शिक्षा।</u>** किसी भी विषय में 50% अंकों के साथ 10+2 और स्नातकोत्तर उत्तीर्ण जिसमें किसी भी विषय में स्नातक में 60% अंकों के साथ पीजी (बिना निकास और पार्श्व प्रवेश की अनुमति के एकल डिग्री) की पेशकश करने वाले एकीकृत पाठ्यक्रम शामिल हैं।

(एई)**<u>अंतरिक्ष-विज्ञान</u>** . 10+2 और बी.एससी भौतिकी और गणित के साथ उत्तीर्ण न्यूनतम 60% अंकों के साथ या समकक्ष या इंजीनियरिंग/प्रौद्योगिकी अनुशासन में चार साल का स्नातक न्यूनतम 60% अंकों के साथ या निम्नलिखित धाराओं में समकक्ष: -

(आआ) संचार इंजीनियरिंग। कंप्यूटर इंजीनियरिंग/प्रौद्योगिकी. कंप्यूटर
(आब) इंजीनियरिंग और अनुप्रयोग. कंप्यूटर विज्ञान और
(एएसी) इंजीनियरिंग/प्रौद्योगिकी। इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर
(आद) इंजीनियरिंग.
(एएई)
(आफ़) इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग.
(आग) इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग/प्रौद्योगिकी।
(आह) इलेक्ट्रॉनिक्स विज्ञान और इंजीनियरिंग.
(आज) इलेक्ट्रॉनिक्स.
(आक) इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग। इलेक्ट्रॉनिक्स
(आल) और कंप्यूटर विज्ञान.
(आम) इलेक्ट्रॉनिक्स और/या दूरसंचार इंजीनियरिंग। (आन)
इलेक्ट्रॉनिक्स और/या दूरसंचार इंजीनियरिंग (माइक्रोवेव)। इलेक्ट्रॉनिक्स संचार
(आओ) और इंस्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरिंग। सूचान प्रौद्योगिकी।
(आप)
(aaq) मैकेनिकल इंजीनियरिंग।

<u>नोट 1</u> . केवल वे उम्मीदवार जिन्होंने 12 दिए हैंवांपरीक्षा के 10+2 पैटर्न में मानक इन पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन करने के पात्र हैं।

<u>नोट 2</u> .ग्राउंड ड्यूटी (गैर-तकनीकी) शाखाओं में कानून योग्य उम्मीदवारों के लिए एक सीट आरक्षित है और उम्मीदवार को आईएएफ के कानूनी कर्तव्यों (कमीशन के बाद) पर नियोजित किया जा सकता है।

<u>नोट 3</u> . यदि उम्मीदवारों को अंकों के बजाय ग्रेड/सीजीपीए प्रदान किया जाता है,**ग्रेड/सीजीपीए को अंकों के प्रतिशत में बदलना**यह उस विश्वविद्यालय द्वारा प्रमाणित प्रक्रिया पर आधारित होगा जहां से उन्होंने डिग्री प्राप्त की है। यदि विश्वविद्यालय के पास सीजीपीए को प्रतिशत रूपांतरण प्रमाणपत्र में परिवर्तित करने की कोई योजना नहीं है, तो सीजीपीए को 10 अंक के पैमाने में परिवर्तित किया जाएगा और समकक्ष प्रतिशत प्राप्त करने के लिए 10 से गुणा किया जाएगा।

<u>नोट 4</u> . वे उम्मीदवार जो अंतिम वर्ष/सेमेस्टर डिग्री पाठ्यक्रम में पढ़ रहे हैं और अभी तक अंतिम वर्ष की डिग्री परीक्षा उत्तीर्ण नहीं की है, वे भी आवेदन कर सकते हैं, बशर्ते कि उम्मीदवार के पास कोई वर्तमान बैकलॉग न हो और उसे उत्तीर्ण होना चाहिए।**न्यूनतम**अंतिम सेमेस्टर/वर्ष तक 60% अंक, जिसके परिणाम आवेदन जमा करने के समय तक घोषित किए गए हैं। उन्हें डिग्री परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तुत करना आवश्यक है **31 मई 25**और बुनियादी योग्यता विश्वविद्यालय परीक्षा के देर से आयोजन, परिणामों की घोषणा में देरी या किसी भी अन्य आधार पर इस तिथि को बढ़ाने के किसी भी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

<u>नोट 5</u> . वे उम्मीदवार जो पहले प्रयास में कम्प्यूटरीकृत पायलट चयन प्रणाली (सीपीएसएस) में असफल रहे हैं या वायु सेना अकादमी में उड़ान प्रशिक्षण से निलंबित फ्लाइट कैडेट आवेदन करने के पात्र नहीं होंगे।**उड़ान शाखा**.

<u>नोट 6.</u> यदि कोई उम्मीदवार एई (एल)/एई (एम) के लिए योग्य पाया जाता है, लेकिन उसने एई (एल)/एई (एम) के लिए अपनी पसंद का चयन नहीं किया है, तो उम्मीदवार को संगठनात्मक आधार पर बाद के चरण में एई शाखा के लिए विचार किया जा सकता है। मांग।

(डी) जिन अभ्यर्थियों को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में पहले के पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया गया था, भारतीय सैन्य अकादमी, वायु सेना अकादमी, भारतीय नौसेना अकादमी, अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी, चेन्नई और अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी गया, जिन्हें अनुशासनहीनता के आधार पर हटा दिया गया था, आवेदन करने के लिए अयोग्य हैं।

(ई) जिन उम्मीदवारों को रक्षा मंत्रालय द्वारा रक्षा सेवाओं में किसी भी प्रकार का कमीशन रखने से रोक दिया गया है, वे एएफसीएटी के लिए पात्र नहीं होंगे और यदि भर्ती हो जाते हैं, तो उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

(एफ) जिन उम्मीदवारों को आपराधिक आरोपों में दोषी ठहराया गया है और जो अभी भी फंसे हुए हैं किसी आपराधिक मामले में आवेदन करने के पात्र नहीं हैं।

6. **<u>शारीरिक एवं चिकित्सीय मानक</u>** . शारीरिक एवं चिकित्सीय मानकों के संबंध में दिशानिर्देश उम्मीदवारों के लिए जैसा प्रदान किया गया है**परिशिष्ट ए'**अधिसूचना के लिए.

7. **<u>आवेदन कैसे करें</u>** . IAF के लिए उम्मीदवारों को लिंक का उपयोग करके ऑनलाइन आवेदन करना आवश्यक है **<u>https://career Indianairforce.cdac.in</u>** , या**<u>https://afcat.cdac.in</u>** . ऑनलाइन पंजीकरण के लिए आधार कार्ड अनिवार्य है। ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने के लिए विस्तृत निर्देश नीचे संलग्न हैं:-

(ए) आवेदकों को ऑनलाइन आवेदन भरते समय अत्यधिक सावधानी बरतने की आवश्यकता है। यदि कोई भी जानकारी गलत पाई जाती है, तो चयन प्रक्रिया के किसी भी चरण में उम्मीदवारी रद्द की जा सकती है।**कृपया "भुगतान करें" विकल्प के साथ आगे बढ़ने से पहले सभी क्षेत्रों में दर्ज की गई जानकारी की सत्यता को सत्यापित करें। आवेदक "भुगतान करें" चरण के बाद दर्ज किए गए पिछले विवरण को संपादित नहीं कर पाएंगे।**

(बी) **यदि किसी आवेदक ने एक से अधिक आवेदन जमा किए हैं, तो केवल एक विशेष आधार संख्या के खिलाफ नवीनतम जमा किए गए आवेदन पत्र पर ही प्रवेश पत्र जारी करने के लिए विचार किया जाएगा। हालाँकि, अतिरिक्त आवेदन भरते समय जमा किया गया शुल्क वापस नहीं किया जाएगा।**

(सी) आवेदकों को ऑनलाइन आवेदन पत्र की प्रक्रिया पूरी करनी होगी जिसमें निम्नलिखित क्रम होंगे। सारणीबद्ध रूप में विवरण नीचे पैरा 7 (जे) में दिया गया है: -

(मैं) क्लिक**"उम्मीदवार लॉगिन"**होम पेज पर- AFCAT साइन-इन की ओर जाता है।

(ii) अगले पेज में आवेदकों को क्लिक करना होगा**"अभी तक पंजीकृत नहीं किया गया? यहां रजिस्टर करें"।**

(iii) साइन अप: लॉग-इन आईडी का निर्माण और आवेदक को उसकी पंजीकृत ईमेल आईडी पर एक पासवर्ड प्राप्त होगा।

(iv) सफल पंजीकरण के बाद, पंजीकृत ईमेल आईडी और सिस्टम जनरेटेड पासवर्ड के साथ साइन-इन करें।

(v) पासवर्ड रीसेट करें- लॉग-आउट करें (**उम्मीदवारों को परीक्षा प्रक्रिया के दौरान भविष्य में उपयोग के लिए अपनी लॉगिन आईडी और पासवर्ड याद रखना होगा**).

(vi) ताजा लॉग-इन।

(vii) प्रवेश का चयन:**"एएफसीएटी"; "उड़ान शाखा के लिए एनसीसी विशेष प्रवेश"।**

(viii) क्लिक करें**"निर्देश"।**निर्देश ध्यानपूर्वक पढ़ें.

(ix) निर्देशों को पढ़ने और समझने की स्वीकृति - अगले चरण पर जाने के लिए बॉक्स को चेक करें।

(x) क्लिक करें**"आवेदन पत्र भरें"**

(एए) **व्यक्तिगत विवरण** . विवरण भरें. क्लिक
"सहेजें और जारी रखें"
इस चरण में निम्नलिखित विवरणों के पुनः सत्यापन के लिए पुष्टिकरण बॉक्स दिखाई देगा: -

- नाम
- पिता का नाम
- मां का नाम
- जन्म की तारीख
- लिंग

टिप्पणी:- कृपया इन विवरणों की पुनः जाँच करें, सत्यता की पुष्टि करें और जारी रखें।
इस पुष्टिकरण के बाद, किसी भी परिस्थिति में जन्मतिथि और लिंग को किसी भी अगले चरण में बदलने की अनुमति नहीं दी जाएगी और किसी भी स्तर पर गलत जानकारी पाए जाने पर आपकी उम्मीदवारी खारिज कर दी जाएगी।

(अब) **योग्यता विवरण** . विवरण भरें.

क्लिक**"सहेजें और जारी रखें"**अगले चरण पर आगे बढ़ने के लिए

(एसी) **पाठ्यक्रम प्राथमिकता** . विवरण भरें.

क्लिक**"सहेजें और जारी रखें"**अगले चरण पर आगे बढ़ने के लिए

(विज्ञापन) **संचार विवरण** . विवरण भरें.

क्लिक**"सहेजें और जारी रखें"**अगले चरण पर आगे बढ़ने के लिए

(एई)**दस्तावेज़ अपलोड करें** . नवीनतम फोटो, हस्ताक्षर और अंगूठे का निशान अपलोड करें (प्रत्येक जेपीजी/जेपीईजी फ़ाइल का आकार 10 से 50 केबी के बीच हो)। प्रत्येक jpg/jpeg छवि फ़ाइल का नाम दस्तावेज़ के अनुरूप होना चाहिए अर्थात

- हस्ताक्षर फ़ाइल का नाम होना चाहिए**सिग्नेचर.जेपीजी या सिग्नेचर.जेपीईजी**
- फोटो फ़ाइल का नाम होना चाहिए**पासपोर्ट फोटोग्राफ.जेपीजी या पासपोर्ट फोटोग्राफ.जेपीईजी**
- अंगूठे का निशान फ़ाइल का नाम होना चाहिए**अंगूठे का निशान.jpg या अंगूठे का निशान.jpeg**

टिप्पणी:- अनुचित छवि वाला आवेदन अमान्य माना जाएगा
और चयन प्रक्रिया के किसी भी चरण में पाए जाने पर अन्य नकली प्रविष्टियों के साथ उम्मीदवारी खारिज कर दी जाएगी।

(ए एफ) **परीक्षा शहर चयन** . ड्रॉप-डाउन मेनू से चयन करें

(एजी) **घोषणा**

क्लिक**"सहेजें और जारी रखें"**अगले चरण पर आगे बढ़ने के लिए

(xi) क्लिक करें**"भुगतान करें"**- ऑनलाइन (केवल AFCAT के लिए लागू)

(xii) क्लिक करें**"भुगतान की स्थिति"**यह देखने के लिए कि भुगतान सफल है या नहीं। यदि पंजीकरण संख्या प्रदर्शित होती है, तो इसका मतलब है कि भुगतान सफल है।

(xiii)**केवल एएफसीएटी अभ्यर्थियों के लिए** : पर**24 जुलाई 24 (1100 बजे) से आगे**क्लिक **"एडमिट कार्ड डाउनलोड करे"**वेबसाइट से अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड करने के लिए **https://afcat.cdac.in** और आपको अपने पंजीकृत ईमेल आईडी पर एडमिट कार्ड भी प्राप्त होगा। यदि उम्मीदवार को अपने पंजीकृत ईमेल आईडी पर अपना प्रवेश पत्र नहीं मिलता है या वह उल्लिखित वेबसाइट से उसे डाउनलोड नहीं कर पाता है, तो उसे सी-डैक, पुणे में एएफसीएटी क्वेरी सेल से पूछताछ करनी होगी। (**फ़ोन नंबर: 020-25503105 या 020- 25503106**). ई-मेल प्रश्नों को संबोधित किया जा सकता है**afcatसेल@cdac.in**.

.

(डी) ऑनलाइन आवेदन भरते समय, आवेदक को यह सुनिश्चित करना होगा कि वह शैक्षिक योग्यता सहित सभी पात्रता शर्तों को पूरा करता है, जो समय-समय पर समीक्षा और अद्यतन किए गए संबंधित शैक्षिक बोर्ड/यूजीसी के दिशानिर्देशों/ मानदंडों के अनुरूप होना चाहिए। समय। आवेदकों को सलाह दी जाती है कि वे संबंधित दस्तावेज तैयार रखें, क्योंकि विवरण मैट्रिक और अन्य शैक्षणिक प्रमाणपत्रों के अनुसार भरा जाना है। आवेदक द्वारा भरी गई शैक्षणिक योग्यताएं इस अधिसूचना के पैरा 5 (सी) में दिए गए अनुसार प्रवेश स्तर की योग्यता (ईएलक्यू) के अनुरूप होनी चाहिए। यदि पात्रता की कोई भी शर्त पूरी नहीं की जाती है, तो चयन प्रक्रिया के दौरान किसी भी स्तर पर उम्मीदवारी खारिज कर दी जाएगी और इसकी जिम्मेदारी स्वयं उम्मीदवार की होगी। एकीकृत डिग्री कार्यक्रमों के संबंध में, निम्नलिखित प्रचलित यूजीसी दिशानिर्देश हैं: -

(मैं) **एकीकृत/दोहरी डिग्री** . यूजीसी द्वारा निर्धारित मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुसार, यदि एकीकृत/दोहरी डिग्री कार्यक्रम अंतरिम निकास या पार्श्व प्रवेश के विकल्प के साथ दो अलग-अलग डिग्री प्रदान करने का इरादा रखते हैं, एकीकृत/दोहरी डिग्री कार्यक्रम की अवधि दो डिग्री की निर्धारित अवधि के योग के बराबर अवधि से कम नहीं होनी चाहिए। जिन्हें कार्यक्रम में संयोजित किया जा रहा है। ऐसे सभी कार्यक्रमों में एकीकृत/दोहरी डिग्री (पहली डिग्री का नाम) - (अंतिम डिग्री का नाम) का नामकरण होना चाहिए; कार्यक्रम के तहत प्रदान की गई दोनों डिग्रियों को व्यक्तिगत और अलग-अलग संबंधित डिग्रियों के समकक्ष के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए न कि एक एकल एकीकृत डिग्री के रूप में)।

(ii) **एकीकृत एकल डिग्री** . यदि एकीकृत कार्यक्रम एक पेशकश करने का इरादा रखता है एकल डिग्री में बाहर निकलने और पार्श्व प्रवेश की अनुमति के बिना, कार्यक्रम की अवधि में दो डिग्री की निर्धारित अवधि के कुल योग के 25% से अधिक की छूट नहीं दी जा सकती है, जिन्हें एकल एकीकृत डिग्री बनाने के लिए जोड़ा जा रहा है।

(ई) ऑनलाइन आवेदन भरने से पहले, आवेदक के पास निम्नलिखित स्कैन की गई छवियां जेपीजी/जेपीईजी फाइलों के रूप में सहेजी जानी चाहिए (प्रत्येक फ़ाइल का आकार 10 और 50 केबी के बीच होना चाहिए)

(मैं) नवीनतम पासपोर्ट आकार का रंगीन फोटोग्राफ

(ii) हस्ताक्षर

(iii) अंगूठे का निशान (पुरुष आवेदकों के लिए बायां अंगूठा और महिला आवेदकों के लिए दायां अंगूठा) - स्याही स्टांप पैड पर और फिर सादे कोरे कागज पर दबाकर बनाया गया

(एफ) ऑनलाइन आवेदन पत्र भरते समय आवेदकों को क्लिक करना होगा**"सहेजें और जारी रखना"**प्रत्येक भाग की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए. यदि अनिवार्य फ़ील्ड (लाल तारांकन (*) द्वारा चिह्नित) नहीं भरे गए हैं, तो आवेदक आवेदन पत्र के अगले भाग पर आगे नहीं बढ़ सकते हैं।

(जी) "भुगतान करें" चरण के बाद, आवेदक "भुगतान स्थिति" के साथ-साथ "आवेदन का पूर्वावलोकन" भी देख सकेंगे। हालाँकि, ऑनलाइन में कोई और बदलाव या सुधार संभव नहीं है

आवेदन फार्म। इसके बाद, यदि किसी आवेदन में संशोधन करना है तो आवेदक के लिए एकमात्र विकल्प एक अलग ईमेल आईडी के साथ फिर से पंजीकरण करना और नए सिरे से ऑनलाइन आवेदन पत्र भरना है। किसी भी अतिरिक्त ऑनलाइन आवेदन पत्र सहित भुगतान किया गया शुल्क वापस नहीं किया जाएगा।

(एच) **एएफसीएटी प्रवेश के लिए परीक्षा शुल्क** . ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने के बाद,**एएफसीएटी प्रविष्टि के लिए परीक्षा शुल्क ₹550/- + जीएसटी (गैर-वापसीयोग्य) (एनसीसी विशेष प्रविष्टि के लिए लागू नहीं) का भुगतान ऑनलाइन किया जा सकता है।**के माध्यम से ***'भुगतान करें'*** ऑनलाइन आवेदन के मुख्य मेनू पर कदम रखें। परीक्षा शुल्क के भुगतान के लिए कोई नकद या चेक या डिमांड ड्राफ्ट (डीडी) स्वीकार नहीं किया जाएगा। परीक्षा शुल्क का भुगतान पेमेंट गेटवे के माध्यम से क्रेडिट/डेबिट कार्ड/नेट बैंकिंग का उपयोग करके किया जा सकता है। आवेदकों को सलाह दी जाती है कि वे भुगतान गेटवे पर दिए गए निर्देशों/चरणों का पालन करें, और अपने रिकॉर्ड के लिए लेनदेन विवरण प्रिंट/रखें। बैंक से भुगतान प्राप्त होने की पुष्टि के बाद, "भुगतान स्थिति" में "पंजीकरण संख्या" प्रदर्शित होगी जिसे उम्मीदवार भविष्य के पत्राचार के लिए नोट कर सकता है। इसके साथ ही, उम्मीदवार को एक पुष्टिकरण एसएमएस/ई-मेल प्राप्त होगा। इसके बाद एडमिट कार्ड (हॉल टिकट नंबर के साथ) आएगा जो उम्मीदवार को उसकी पंजीकृत ईमेल आईडी पर प्राप्त होगा और जिसे उसकी पंजीकृत ईमेल आईडी से डाउनलोड भी किया जा सकता है।

(जे) ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने पर विस्तृत निर्देश:

क्र.सं	**विवरण**	
1.**साइन अप प्रारूप**		
	पूरा नाम*	10वीं मैट्रिकुलेशन उत्तीर्ण प्रमाणपत्र के अनुसार- सभी वर्णमाला में अधिकतम 50 अक्षर (*यदि दसवीं कक्षा के बाद नाम आधिकारिक तौर पर बदल दिया गया है, तो पंजीकरण प्रक्रिया के दौरान उम्मीदवार को विवरण प्रस्तुत करना होगा।)
	ईमेल आईडी	ईमेल आईडी (साइन-इन के लिए उपयोग किया जाएगा)
	मोबाइल नंबर	10 अंक
	ईमेल और मोबाइल सत्यापित करें	जनरेट ओटीपी पर क्लिक करें
	ईमेल पर ओटीपी	सत्यापित ईमेल पर प्राप्त ओटीपी दर्ज करें
	मोबाइल पर ओ.टी.पी	सत्यापित मोबाइल पर प्राप्त ओटीपी दर्ज करें
	कॅप्चा	दिखाया गया अक्षरांकीय पाठ दर्ज करें
2. व्यक्तिगत जानकारी		
(ए)	प्रवेश का प्रकार	आवेदक को किसी एक विकल्प के माध्यम से IAF में प्रवेश का चयन करना होगा (i) एएफसीएटी (ii) एनसीसी विशेष प्रवेश
(बी)	उम्मीदवार का नाम (के अनुसार 10वां/ मैट्रिक पासिंग प्रमाणपत्र)	ये फ़ील्ड आवेदक द्वारा दर्ज किए गए साइनअप डेटा से स्वतः भर जाएंगे।
(सी)	क्या आपका नाम आधिकारिक तौर पर रखा गया है? बदला हुआ बाद कक्षा 10वां/मैट्रिकुलेशन?	हां या नहीं
(डी)	बाद में बदला नाम कक्षा 10वां/मैट्रिकुलेशन	10 के बाद बदला नामवां/मैट्रिकुलेशन
(इ)	उम्मीदवार के पिता'नाम (अनुसार) 10वां/मैट्रिकुलेशन उत्तीर्ण प्रमाणपत्र)	वर्णमाला में अधिकतम 50 अक्षर

(एफ)	उम्मीदवार माँ'एस नाम (जैसा प्रति 10वां/मैट्रिकुलेशन उत्तीर्ण प्रमाणपत्र)	वर्णमाला में अधिकतम 50 अक्षर
(जी)	मेल पता	यह साइन-अप डेटा के अनुसार पहले से भरा हुआ होगा
(एच)	माध्यमिक ईमेल पता	वह ईमेल आईडी जिसके अलावा आवेदक ने साइनअप किया है
(मैं)	राष्ट्रीयता	भारतीय
(जे)	मोबाइल नंबर	संख्या
(क)	उम्मीदवार दृश्यमान पहचान चिह्न	वर्णमाला में अधिकतम 50 अक्षर
(एल)	हैं आप अभ्यास के अनुसार चश्मा पहने हुए?	हां या नहीं
(एम)	सीपीएसएस/पीएबीटी स्थिति	आवेदक को उत्तीर्ण / अनुत्तीर्ण / उपस्थित नहीं होना चुनना होगा; यदि उत्तीर्ण हो तो (i) से (iv) तक विवरण भरें
(मैं)	सीपीएसएस/पीएबीटी बैच संख्या	अंकीय मान
(ii)	सीपीएसएस/पीएबीटी की तारीख पासिंग	डीडी-MM-YYYY
(iii)	सीपीएसएस/पीएबीटी चेस्ट नं.	अंकीय मान
(iv)	सीपीएसएस/पीएबीटी ने भाग लिया जिस पर वायु सेना चयन बोर्ड (AFSB)	सूची में से एक चुनें देहरादून, मैसूर, वाराणसी, गांधीनगर, गुवाहाटी
(एन)	क्या आपके पास वर्तमान वैध वाणिज्यिक है पायलट लाइसेंस जारी किए गए द्वारा डीजीसीए?	चुनना'हाँ'या'नहीं'
(ओ)	क्या आप भारतीय वायुसेना के एयरमैन की सेवा कर रहे हैं?	चुनना'हाँ'या'नहीं' यदि हां, तो (i) से (iv) तक विवरण भरें
(मैं)	IAF में रैंक चुनें	सूची में से एक चुनें
(ii)	सेवा संख्या	अक्षरांकीय
(iii)	वर्तमान पोस्टेड यूनिट	अक्षरांकीय
(iv)	कमांड चुनें	सूची में से एक चुनें
(पी)	लिंग चुनें	पुरुष या महिला **<u>टिप्पणी:</u>** उम्मीदवारों को लिंग का चयन करते समय उचित सावधानी बरतनी चाहिए। यदि आप गलत लिंग का चयन करते हैं तो आपकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और इस संबंध में किसी भी प्रतिनिधित्व पर विचार नहीं किया जाएगा।
(क्यू)	वैवाहिक स्थिति चुनें	विवाहित या अविवाहित
(आर)	जन्म की तारीख	डीडी-MM-YYYY
(एस)	अपनी जन्मतिथि की पुष्टि करें	डीडी-MM-YYYY
(टी)	बदला हुआ नाम अपलोड करें सबूत	परिवर्तित नाम का प्रमाण अपलोड करें (40 केबी से 50 केबी)

3. योग्यता विवरण		
(ए)	शिक्षा का स्तर	10+2+स्नातक सूची में से एक चुनें 10 + 2 + ग्रेजुएशन + पोस्ट ग्रेजुएशन 10 + 2 + इंटीग्रेटेड पोस्ट ग्रेजुएशन
(बी)	चुनना योग्यता स्तर	उपरोक्त चयन ग्रेजुएट विकल्प ए के आधार पर सूची में से एक चुनें स्नातक विकल्प बी स्नातक विकल्प सी स्नातक विकल्प डी
(सी)	चुनना योग्यता डिग्री	<u>पोस्ट ग्रेजुएशन</u> समूह के लिए'ए','बी','डी'से चुनें - एएमआईई/एएसआई/आईईटीई - इंजीनियरिंग परास्नातक - प्रौद्योगिकी के मास्टर विकल्प के लिए'सी'- सूची से चुनें. ग्रुप 'डी' के लिए - ग्रुप 'ए', 'बी' या 'सी' के अलावा कोई भी पोस्ट ग्रेजुएट। ध्यान दें: पात्रता मानदंड के अनुसार, यदि उम्मीदवार का उत्तीर्ण प्रतिशत पोस्ट ग्रेजुएशन में 50% से कम है, तो उम्मीदवार "शिक्षा स्तर" ड्रॉप डाउन से 10+2+स्नातक का चयन कर सकते हैं और स्नातक स्तर के प्रतिशत के आधार पर योग्य शाखा का चयन कर सकते हैं। <u>स्नातक</u> समूह के लिए'ए','बी'से चुनें - एएमआईई/एएसआई/आईईटीई - यन्त्रशास्त्र स्नातक - प्रौद्योगिकी में स्नातक विकल्प के लिए'सी'बी.कॉम आदि में प्रवेश करें। ग्रुप 'डी' के लिए - ग्रुप 'ए', 'बी' या 'सी' के अलावा कोई भी स्नातक
(डी)	पाठ्यक्रम अवधि (में) साल)	ग्रुप 'ए', 'बी' के लिए न्यूनतम 4 वर्ष और अधिकतम 5 वर्ष ग्रुप 'सी', 'डी' के लिए न्यूनतम 3 वर्ष और अधिकतम 5 वर्ष
(इ)	कॉलेज का नाम/ संस्था	वर्णमाला में अधिकतम 50 अक्षर
(एफ)	विश्वविद्यालय का नाम	वर्णमाला में अधिकतम 50 अक्षर
(जी)	दिनांक/अपेक्षित तारीख प्राप्त करने का the स्नातक	डीडी-MM-YYYY
(एच)	प्रवेश करना सकल/ सकल प्रतिशत	संख्यात्मक 2 अंक
(मैं)	क्या आपके पास वर्तमान बैकलॉग है?	चुनना'हाँ'या'नहीं'
(जे)	10+2 / उच्च माध्यमिक विद्यालय विवरण	

(मैं)	प्रवेश करना सकल/ सकल प्रतिशत के रूप में आपके 10+2/उच्च माध्यमिक विद्यालय के अनुसार अंक तालिका	संख्यात्मक 2 अंक
(ii)	प्रवेश करना भौतिक विज्ञान को PERCENTAGE के अनुसार आपका 10+2/ उच्च माध्यमिक विद्यालय अंक तालिका। यदि नहीं तो 0 (शून्य) दर्ज करें लागू.	संख्यात्मक 2 अंक
(iii)	प्रवेश करना अंक शास्त्र को PERCENTAGE के अनुसार आपका 10+2/ उच्च माध्यमिक विद्यालय अंक तालिका। यदि नहीं तो 0 (शून्य) दर्ज करें लागू.	संख्यात्मक 2 अंक
4. पाठ्यक्रम प्राथमिकता		
(ए)	पाठ्यक्रम	आवेदक को पाठ्यक्रमों की सूची में से चयन करना होगा - उड़ना - ग्राउंड ड्यूटी (तकनीकी) - ग्राउंड ड्यूटी (गैर-तकनीकी) लागू पाठ्यक्रम शैक्षणिक योग्यता और आयु के अनुसार उम्मीदवार के चयन और पात्रता पर आधारित होंगे। उम्मीदवारों को अनिवार्य रूप से अपनी पसंद के अनुसार सभी पाठ्यक्रमों का चयन करना होगा। पंजीकरण प्रक्रिया तब तक आगे नहीं बढ़ेगी जब तक कि उम्मीदवार द्वारा सभी पाठ्यक्रमों का चयन नहीं कर लिया जाता।
		टिप्पणी : आईएएफ के पास उम्मीदवारों द्वारा आवेदन किए गए विकल्पों/विकल्पों के बावजूद उनकी उपयुक्तता और रिक्तियों की उपलब्धता के अनुसार शाखाएं आवंटित करने का अधिकार सुरक्षित है। इस संबंध में किसी भी अभ्यावेदन पर विचार नहीं किया जाएगा
5. एनसीसी		
(ए)	एनसीसी एयर विंग"सी" प्रमाणपत्र	यदि आवेदक एनसीसी के माध्यम से शामिल हो रहा है
(मैं)	एनसीसी सर्टिफिकेट नंबर	अक्षरों और/या संख्याओं में
(ii)	एनसीसी प्रमाणपत्र पर अधिग्रहण किया गया	दिनांक (DD-MM-YYYY)
(iii)	ग्रेडिंग	ए या बी या सी
(iv)	एनसीसी यूनिट का नाम	निदेशालय का नाम और एनसीसी इकाई का चयन करें
(वी)	नामांकन वर्ष	संख्यात्मक 4 अंक (YYYY)
(vi)	नामांकन संख्या	संख्या
(vii)	डालना एनसीसी 'सी' प्रमाणपत्र	एनसीसी 'सी' प्रमाणपत्र अपलोड करें (फ़ाइल का आकार 40 केबी से 50 केबी के बीच)

6. एएफएसबी/एसएसबी उपस्थित अभ्यर्थी		आवेदक को हां या नहीं चुनना होगा यदि हां है तो (ए) से (सी) तक विवरण भरें
(ए)	दल संख्या।	अक्षरों और/या संख्याओं में
(बी)	प्रवेश करना जगह का उपस्थिति	अक्षर और/या संख्याएँ
(सी)	एएफएसबी में दिनों की संख्या	(DD-MM-YYYY) से (DD-MM-YYYY) तक
7. एएफसीएटी सूचना का स्रोत		
(ए)	स्रोत	सूचना समाचार पत्र, रोजगार समाचार आदि की सूची।
8. गेट		
(ए)	प्रकट होने का वर्ष	कैलेंडर से चयन करें
(बी)	गेट स्कोर	संख्यात्मक
9. संचार विवरण		
(ए)**स्थायी पता**		
(मैं)	पूरा पता दर्ज करें	वर्णमाला एवं संख्या अधिकतम 250 अक्षर
(ii)	चुनना राज्य/संघ प्रदेशों	प्रदर्शित राज्यों की सूची में से किसी एक को चुनें
(iii)	जिला/शहर चुनें	प्रदर्शित जिले/शहरों की सूची में से किसी एक को चुनें
(iv)	उप जिला चुनें	प्रदर्शित उप जिले की सूची में से किसी एक को चुनें
(वी)	पिन कोड	संख्यात्मक 6 अंक
(vi)	निकटतम रेलवे स्टेशन	अधिकतम 50 वर्णों की वर्णमाला
(vii)	लैंडलाइन नंबर	एसटीडी कोड और लैंडलाइन न्यूमेरिक 11 अंक
(viii)	आधार कार्ड संख्या	यूआईडीएआई द्वारा जारी आधार कार्ड में प्रदर्शित आवेदक का 12 अंकों का आधार नंबर।
(ix)	जांचें कि क्या यह स्थायी है पता पत्राचार के समान है पता।	यदि टिक किया जाता है, तो स्थायी पते का विवरण पत्राचार पते में भर जाता है।
(बी)**पत्राचार का पता**		
(मैं)	पूरा पता	वर्णमाला एवं संख्या में अधिकतम 250 अक्षर
(ii)	राज्य	प्रदर्शित सूची में से किसी एक को चुनें
(iii)	जिला/शहर	प्रदर्शित सूची में से किसी एक को चुनें
(iv)	उप जिला	प्रदर्शित सूची में से किसी एक को चुनें
(वी)	पिन कोड	संख्यात्मक 6 अंक
(vi)	निकटतम रेलवे स्टेशन	वर्णमाला में अधिकतम 50 अक्षर
10. दस्तावेज़ अपलोड करें		प्रत्येक फाइल का आकार 10 केबी से 50 केबी के बीच होना चाहिए
(ए)	फोटो	बिना प्रमाणित नवीनतम पासपोर्ट आकार का रंग अपलोड करें फोटोग्राफ (सिखों को छोड़कर, बिना हेडगियर के सामने का चित्र)
(बी)	हस्ताक्षर	स्वयं के हस्ताक्षर की स्कैन की गई छवि अपलोड करें जेपीईजी/जेपीजी प्रारूप
(सी)	अंगूठे का निशान	अंगूठे का स्कैन किया हुआ निशान JPEG/JPG फॉर्मेट में अपलोड करें
(डी)	लाइव इमेज कैप्चर	डिवाइस कैमरे के माध्यम से उम्मीदवार की लाइव छवि कैप्चर करना
(इ)	द्वारा घोषणा उम्मीदवार	जाँच करना
11. परीक्षा शहर चुनें		पैरा 8 (एफ) में उल्लिखित परीक्षा शहरों की सूची में से वरीयता के आधार पर 5 विकल्प
12. एएफएसबी केंद्र का चयन करें		केवल एनसीसी के लिए लागू

(क) **आवेदकों को दृढ़तापूर्वक सलाह दी जाती है कि वे अंतिम समय की भीड़ से बचने के लिए समय पर ऑनलाइन आवेदन करें, जिससे वेबसाइट/सर्वर धीमा हो जाए।**

(एल) **वायुसैनिकों की सेवा करना** . सेवारत वायुसैनिकों को अन्य आवेदकों की तरह आवेदन करना आवश्यक है। इसके अलावा, उन्हें सेवा चैनल के माध्यम से एएफओ 11/2015 में दिए गए सेवा प्रारूप के अनुसार आवेदन करना होगा।

(एम) **सरकारी कर्मचारियों के लिए एनओसी** . जो आवेदक पहले से ही सशस्त्र बलों, सरकारी स्वामित्व वाले औद्योगिक उपक्रमों या अन्य समान संगठनों में सेवारत सहित सरकारी सेवा में हैं, उन्हें भी इसके बाद ही आवेदन करना होगा। **अपने संबंधित विभागों से आवश्यक अनुमति प्राप्त करना और उन्हें एनओसी प्रस्तुत करना आवश्यक है** एएफएसबी परीक्षण के समय, ऐसा न करने पर, उन्हें बिना परीक्षण किए वापस भेज दिया जाएगा। उम्मीदवार चाहे कोई भी हो, एनओसी अनिवार्य है**स्थायी, अस्थायी या संविदा कर्मचारी होना**.

(एन) **नियोक्ता की अनुमति** . उम्मीदवारों को ध्यान देना चाहिए कि यदि उनके नियोक्ता से परीक्षा के लिए आवेदन करने वाले/शामिल होने वाले उम्मीदवारों की अनुमति रोकने के लिए संचार प्राप्त होता है, तो उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी। यदि नियोक्ता किसी भी कारण से एनओसी प्रदान करने से इनकार करता है, तो उस इनकार को लिखित रूप में लिया जाना चाहिए और एएफएसबी को प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

(ओ) आवेदकों को अपने आवेदन के साथ उम्र, शैक्षिक योग्यता आदि के संबंध में अपने दावों के समर्थन में कोई प्रमाण पत्र जमा करने की आवश्यकता नहीं है। हालांकि, परीक्षा केंद्रों पर कुछ अनिवार्य दस्तावेजों को मूल रूप में ले जाना आवश्यक है, जिसका विवरण है पैरा 8(ई) में वर्णित है।

(पी) **पंजीकरण एवं संचार के दौरान संपर्क/संदर्भ विवरण** . आवेदन पत्र भरते समय, आवेदकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि वे अपनी वैध और सक्रिय ई-मेल आईडी प्रदान करें क्योंकि आईएएफ चयन प्रक्रिया के दौरान विभिन्न चरणों में उनसे संपर्क करते समय संचार के इलेक्ट्रॉनिक मोड का उपयोग करेगा। ऑनलाइन आवेदन पत्र सफलतापूर्वक जमा करने पर, उम्मीदवार को उनके पंजीकृत ई-मेल आईडी पर एक पुष्टिकरण ई-मेल प्राप्त होगा। इस प्रकार, भारतीय वायुसेना को किए जाने वाले सभी संचार में अनिवार्य रूप से निम्नलिखित विवरण शामिल होने चाहिए, जिनके बिना किसी भी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

(मैं) शाखा, पाठ्यक्रम संख्या और परीक्षा का वर्ष।
(ii) लेनदेन संख्या (भुगतान पर प्रश्नों के लिए)।
(iii) पंजीकरण संख्या (जैसा कि भुगतान स्थिति और प्रवेश पत्र में दिया गया है)।
(iv) हॉल टिकट नंबर (जैसा कि एडमिट कार्ड में दिया गया है)।
(v) आवेदक का नाम (पूरे और बड़े अक्षरों में)।

(क्यू) **एनसीसी विशेष प्रवेश.** एनसीसी स्पेशल एंट्री के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को चाहिए अनिवार्य रूप से एनसीसी एयर विंग सीनियर डिवीजन 'सी' प्रमाणपत्र होना चाहिए। पीछे की ओर गणना करने पर, प्रमाण पत्र एएफसीएटी पंजीकरण तिथि से शुरू होने वाले दो वर्षों के भीतर प्राप्त किया जाना चाहिए। एनसीसी विशेष प्रवेश उम्मीदवारों के लिए लिखित परीक्षा से छूट दी गई है और उन्हें सीधे एएफएसबी केंद्रों में से एक पर एएफएसबी परीक्षण के लिए बुलाया जाएगा।

8. **AFCAT** .

(ए) **ऑनलाइन परीक्षा की योजना** . सभी आवेदक जिनके आवेदन नियत तिथि तक जमा किए जाएंगे, उन्हें किसी एक परीक्षा केंद्र पर एएफसीएटी के लिए बुलाया जाएगा**या तो 09 अगस्त 24 (शुक्रवार), 10 अगस्त 24 (शनिवार) और 11 अगस्त 24 (रविवार)।**

(मैं) **<u>परीक्षा कार्यक्रम</u>** . एएफसीएटी निम्नलिखित के अनुसार तीन दिनों में आयोजित की जाएगी अनुसूची:-

गतिविधि	**09 अगस्त 24, 10 अगस्त 24 और 11 अगस्त 24**	
	1अनुसूचित जनजाति**बदलाव**	**2राबदलाव**
अभ्यर्थियों का रिपोर्टिंग समय	0800 बजे	1300 घंटा
एडमिट कार्ड, आईडी प्रूफ, बायोमेट्रिक और फोटोग्राफ कैप्चरिंग और उम्मीदवारों के बैठने का सत्यापन	0800 बजे - 0945 बजे	1300 घंटे - 1445 घंटे
अभ्यर्थियों द्वारा निर्देश पढ़ना	0945 घंटे - 1000 घंटे	1445 घंटे - 1500 घंटे
एएफसीएटी का संचालन	1000 घंटा - 1200 घंटा	1500 घंटे - 1700 घंटे

<u>टिप्पणी</u> : अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।**किसी भी परिस्थिति में, प्री-एग्जाम सत्यापन प्रक्रिया शुरू होने के बाद यानी शिफ्ट-I के लिए 08:00 बजे और शिफ्ट-II के लिए 13:00 बजे।**

(ii) **<u>विषय और अवधि</u>** . एएफसीएटी परीक्षा के लिए आवंटित विषय, अनुमत समय और अधिकतम अंक इस प्रकार होंगे: -

परीक्षा	**विषय**	**अवधि**	**नहीं। का प्रशन**	अधिकतम **निशान**
AFCAT	सामान्य जागरूकता, अंग्रेजी में मौखिक योग्यता, संख्यात्मक योग्यता और तर्क और सैन्य योग्यता परीक्षण	02 घंटे	100	300

(iii) ऑनलाइन परीक्षा में वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न होंगे और यह केवल अंग्रेजी में होगी.

(iv) **<u>अंकन योजना</u>** इस प्रकार है:-

(एए) प्रत्येक सही उत्तर के लिए तीन अंक दिये जायेंगे।

(अब) प्रत्येक गलत उत्तर के लिए एक अंक काटा जाएगा।

(एसी) बिना प्रयास वाले प्रश्नों के लिए कोई अंक नहीं।

(वी) **<u>मार्क्स का सामान्यीकरण</u>** . अलग-अलग पालियों में उपस्थित होने वाले अभ्यर्थियों द्वारा प्राप्त अंकों को सांख्यिकीय पद्धति के माध्यम से वस्तुनिष्ठ तरीके से तर्कसंगत बनाने के लिए, परिणाम घोषित होने से पहले अभ्यर्थियों द्वारा प्राप्त अंकों को निम्नलिखित सूत्र के अनुसार सामान्यीकृत किया जाएगा:-

$$?? = \frac{\bar{??} -}{\bar{??} -} (\quad - \quad) +$$

कहाँ:

एमआईजे = जे के सामान्यीकृत अंकवांमैं में उम्मीदवारवांबदलाव।

एमटीजी = सभी पालियों पर विचार करते हुए शीर्ष 0.1% उम्मीदवारों के औसत अंक हैं (उम्मीदवारों की संख्या को राउंड-अप किया जाएगा)।

एमक्यूजी = में अभ्यर्थियों के माध्य और मानक विचलन अंकों का योग है सभी पालियों को ध्यान में रखते हुए परीक्षा।

एमती = i में शीर्ष 0.1% उम्मीदवारों के औसत अंक हैंवांशिफ्ट (उम्मीदवारों की संख्या को राउंड-अप किया जाएगा)।

एमआईक्यू = i के माध्य अंक और मानक विचलन का योग हैवांबदलाव।

एमआईजे = जे द्वारा प्राप्त वास्तविक अंक हैंवांमैं में उम्मीदवारवांबदलाव।

एमग्राम क्यू = अधिकतम माध्य वाली पाली में अभ्यर्थियों के माध्य अंकों का योग है सभी पालियों को ध्यान में रखते हुए परीक्षा में अभ्यर्थियों के अंकों का मानक विचलन।

(vi) अभ्यर्थियों को ऑनलाइन एएफसीएटी के लिए व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना आवश्यक है। किसी भी परिस्थिति में किसी लेखक या किसी अन्य उम्मीदवार को परीक्षा में बैठने/सहायता करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(vii) वायु सेना के पास परीक्षा के किसी या सभी विषयों में अर्हक अंक तय करने का विवेकाधिकार है।

(बी) **परीक्षा के मानक और पाठ्यक्रम:**

(मैं) **पाठ्यक्रम** .

(एए)अंग्रेजी . समझ, वाक्य, वाक्य में त्रुटि का पता लगाएं सही शब्द को पूरा करना/भरना, पर्यायवाची/विलोम, क्लोज टेस्ट या पैराग्राफ में अंतराल भरना, मुहावरे और वाक्यांश, सादृश्य, वाक्य पुनर्व्यवस्थित करना, एक वाक्य में प्रतिस्थापन/एक शब्द प्रतिस्थापन।

(अब)सामान्य जागरूकता . इतिहास, भूगोल, खेल, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठन, कला और संस्कृति, व्यक्तित्व, पर्यावरण और पारिस्थितिकी, भारतीय राजनीति, अर्थव्यवस्था, बुनियादी विज्ञान आधारित ज्ञान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, करंट अफेयर्स (राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय), रक्षा।

(एसी)संख्यात्मक क्षमता . दशमलव भिन्न, समय और कार्य, औसत/ प्रतिशत, लाभ और हानि, अनुपात और अनुपात, सरल और चक्रवृद्धि ब्याज, समय और दूरी और दौड़ (ट्रेन / नाव और धाराएं), क्षेत्र और परिधि, संभावना, संख्या प्रणाली और संख्या श्रृंखला, मिश्रण और आरोप नियम, घड़ियां।

(विज्ञापन)रीज़निंग और सैन्य योग्यता परीक्षण . तर्क मौखिक और गैर-मौखिक

(ii) **मानक** . संख्यात्मक योग्यता प्रश्नों का मानक मैट्रिक स्तर का होगा। अन्य विषयों में प्रश्नों का स्तर स्नातक स्तर (भारतीय विश्वविद्यालय) का होगा।

(सी) **अभ्यास परीक्षण**. एक ऑनलाइन प्रैक्टिस टेस्ट IAF वेबसाइट पर उपलब्ध है https://career Indianairforce.cdac.in याhttps://afcat.cdac.in **.**

(डी) **ई-प्रवेश पत्र और एएफसीएटी लिखित परीक्षा के लिए निर्देश** .

(i) योग्य उम्मीदवार**जिन्होंने सफलतापूर्वक अपना ऑनलाइन आवेदन जमा कर दिया है**ई-प्रवेश पत्र जारी किया जाएगा**दो**परीक्षा की तारीख से कुछ सप्ताह पहले. ई-एडमिट कार्ड पंजीकृत ईमेल आईडी पर भेजा जाएगा **डाउनलोड भी किया जा सकता है**वेबसाइट से**www.career Indianairforce.cdac.in** . कोई भी प्रवेश पत्र डाक द्वारा नहीं भेजा जाएगा। ई-प्रवेश पत्र डाउनलोड करने के लिए अभ्यर्थी के पास अपना होना चाहिए **उपयोगकर्ता नाम और पासवर्ड**. उम्मीदवार अपना ई-प्रवेश पत्र डाउनलोड करने के लिए पूरी तरह जिम्मेदार होगा।

(ii) यदि उम्मीदवार को अपना प्रवेश पत्र अपनी पंजीकृत ईमेल आईडी पर नहीं मिलता है या वह उल्लिखित वेबसाइट से उसे डाउनलोड नहीं कर पाता है या ई-प्रवेश पत्र में कोई त्रुटि / विसंगति / विसंगति है, तो वह / उसे तुरंत सी-डैक, पुणे में एएफसीएटी क्वेरी सेल से पूछताछ करनी चाहिए।**(फ़ोन नंबर 020-25503105 या 020-25503106)**. ई-मेल प्रश्नों को संबोधित किया जा सकता है**afcatसेल@cdac.in** . किसी भी अभ्यर्थी को तब तक परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी जब तक कि उसके पास ए**का प्रिंटआउट**परीक्षा के लिए ई-प्रवेश पत्र डाउनलोड किया।

(iii) जिन पाठ्यक्रमों में उम्मीदवारों को प्रवेश दिया जाएगा, वे उनकी आयु, शैक्षणिक योग्यता और उनके द्वारा दी गई पाठ्यक्रम प्राथमिकताओं के अनुसार होंगे। उम्मीदवारों को ध्यान देना चाहिए कि परीक्षा में उनका प्रवेश आवेदन पत्र में उनके द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर पूरी तरह से अनंतिम होगा। सत्यापन पर, यदि आईएएफ को पता चलता है कि उम्मीदवार द्वारा बताई गई जानकारी सही नहीं है या गलत है, तो उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

(iv) उम्मीदवारों को यह सुनिश्चित करना होगा कि ई-प्रवेश पत्र के सामने की ओर व्यक्तिगत जानकारी पंजीकरण प्रक्रिया के दौरान उनके द्वारा प्रदान किए गए विवरण के अनुसार है। उन्हें यह भी सलाह दी जाती है कि वे ई-प्रवेश पत्र के पीछे दिए गए निर्देशों को पहले ही पढ़ लें।

(v) दी गई जानकारी के आधार पर उम्मीदवार के आवेदन की स्वीकृति के संबंध में भारतीय वायुसेना का निर्णय अंतिम होगा।

(इ) **ऑनलाइन परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों को विशेष निर्देश** .

(मैं) **परीक्षा हॉल के अंदर लाई जाने वाली वस्तुएं .**निम्नलिखित वस्तुएँ होनी चाहिए परीक्षा केंद्र तक ले जाया गया:-

(एए) **का प्रिंट आउट ले**एएफसीएटी के लिए ई-प्रवेश पत्र**02/2024**.
(अब) उम्मीदवार**मूल आधार कार्ड**(**फोटोकॉपी स्वीकार्य नहीं है**). **2रा मूल रूप में फोटो पहचान पत्र**
(एसी) **जैसे पैन कार्ड/पासपोर्ट/ड्राइविंग लाइसेंस/मतदाता पहचान पत्र या जारी किया गया कोई अन्य वैध फोटो पहचान प्रमाण**

एक सरकारी एजेंसी, नाम, पिता का नाम, जन्म तिथि और एक स्पष्ट फोटो के विवरण के साथ (फोटोकॉपी स्वीकार्य नहीं है).
(एडी) आधार कार्ड में उम्मीदवार का नाम और 2रीवैध फोटो पहचान पत्र वही होना चाहिए जो उसके मैट्रिकुलेशन प्रमाणपत्र (दसवीं कक्षा) में उल्लिखित है।

(एई) दो पासपोर्ट आकार के रंगीन फोटो - अपलोड किए गए फोटो के समान ऑनलाइन आवेदन (चिपकाया जाना है, मुद्रित फोटो के बगल में एडमिट कार्ड पर और परीक्षा केंद्र में उपस्थिति पत्र पर स्टेपल नहीं किया गया है)।

(ए एफ) उपस्थिति पत्रक पर हस्ताक्षर करने के लिए बॉलपॉइंट पेन (नीला या काला)। काम।

(ii) **<u>परीक्षा हॉल के अंदर वस्तुओं की अनुमति नहीं है</u>** . उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से कोई भी सामान ले जाने की अनुमति नहीं है।

(एए) ब्लूटूथ डिवाइस, संचार / इलेक्ट्रॉनिक / डिजिटल / वायरलेस डिवाइस जैसे कैलकुलेटर, डॉक्यूपेन, कैलकुलेटर की सुविधाओं के साथ इलेक्ट्रॉनिक घड़ियाँ, सेलुलर फोन, मेमोरी कार्ड / स्टिक, पेजर, ऑर्गनाइज़र, पर्सनल डिजिटल असिस्टेंट (पीडीए), छुपा हुआ माइक्रोफोन या कैमरा, रेडियो, हेडसेट, वॉकमैन, रिकॉर्डर, अनुवादक आदि।

(एबी) पाठ्य या स्थिर सामग्री जैसे पेंसिल-बॉक्स/ज्यामेट्री बॉक्स, किताब, लॉग टेबल, क्लिप बोर्ड, स्लाइड रूल (नीले या काले पारदर्शी बॉलपॉइंट पेन को छोड़कर)।

(एसी) व्यक्तिगत वस्तुएं (कलाई/कलाईबंद, कंगन, हैंडबैग, आभूषण, बटुआ, पर्स, हेड गियर, स्कार्फ, चश्मा, जैकेट), खाने योग्य वस्तुएं (चिप्स, चॉकलेट, भोजन, पेय आदि)।

(iii) यदि किसी उम्मीदवार के पास इनमें से कोई भी चीज़ पाई जाती है**आइटम की अनुमति नहीं है**जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, इसे अनुचित साधनों का उपयोग करने का प्रयास माना जाएगा और उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी। वस्तु को जब्त कर लिया जाएगा और उचित समझी जाने वाली उचित कार्रवाई शुरू की जाएगी। उम्मीदवार को भविष्य में होने वाली AFCAT परीक्षाओं से भी वंचित कर दिया जाएगा।

(iv) अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा केंद्रों पर कोई भी मूल्यवान/महंगी वस्तु न लाएं, क्योंकि उसे सुरक्षित रखने का आश्वासन नहीं दिया जा सकता है। इस संबंध में किसी भी नुकसान के लिए भारतीय वायुसेना जिम्मेदार नहीं होगी।

(वी) **<u>कदाचार</u>** . यदि कोई भी उम्मीदवार परीक्षा के दौरान अनुचित साधनों का उपयोग करता है, तो उसे परीक्षा से हटा दिया जाएगा और उचित समझी जाने वाली उचित कार्रवाई शुरू की जाएगी।**उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उम्मीदवार को भविष्य की एएफसीएटी परीक्षाओं से भी वंचित कर दिया जाएगा**.

(vi) **<u>परीक्षा भवन में संचालन</u>** . अभ्यर्थियों से आचरण की अपेक्षा की जाती है परीक्षा के दौरान या ड्यूटी पर कर्मचारियों के साथ बातचीत करते समय खुद को सम्मानजनक तरीके से रखें। यदि कोई भी उम्मीदवार परीक्षा केंद्र पर (परीक्षा से पहले, परीक्षा के दौरान या बाद में) अनुशासनहीनता के कृत्य में शामिल होता है, तो उसे परीक्षा से हटा दिया जाएगा और उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

(vii) **<u>जांच हेतु निर्देश.</u>** प्रश्न पत्र उपलब्ध करा दिया जायेगा
अभ्यर्थी केवल ऑनलाइन परीक्षा के दौरान। प्रश्नपत्र की प्रतियां उपलब्ध कराने के अभ्यर्थियों के अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा। परीक्षा की तारीख से छह महीने के बाद एएफसीएटी से संबंधित किसी भी प्रश्न पर विचार नहीं किया जाएगा। परीक्षा पूरी होने तक उम्मीदवारों को परीक्षा हॉल छोड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(एफ) **<u>AFCAT 02/2024 के लिए परीक्षा शहर</u> :अगरतला, आगरा, अहमदाबाद, आइजोल, अजमेर, अलवर, अंबाला, अमृतसर, बरेली, बठिंडा, बेलगावी, बेंगलुरु, बेरहामपुर, भागलपुर, भिलाई/दुर्ग, भोपाल, भुवनेश्वर, भुज, बीकानेर, चंडीगढ़/मोहाली, छपरा, चेन्नई, छत्रपति संभाजी नगर, कोयंबटूर, कटक, देहरादून, दिल्ली और एनसीआर, धनबाद, डिब्रूगढ़, दीमापुर, दीव, दुर्गापुर, फरीदाबाद, गंगानगर, गंगटोक, गया, गाजियाबाद, गोरखपुर, गुंटूर, गुरुग्राम, गुवाहाटी, ग्वालियर, हलद्वानी, हिसार, हुबली, हैदराबाद, इंफाल, इंदौर, ईटानगर, जबलपुर, जयपुर, जलपाईगुड़ी, जम्मू, जमशेदपुर, झाँसी, जोधपुर, जोरहाट, कांगड़ा, कन्नूर, कानपुर, कोच्चि, कोल्हापुर, कोलकाता, कोटा, कुरूक्षेत्र, लेह, लखनऊ, लुधियाना, मदुरै, मंगलुरु, मेरठ, मुंबई, मुज़फ़्फ़रपुर, मैसूर, नागपुर, नासिक, नोएडा, पणजी, पटियाला, पटना, पोर्ट ब्लेयर, प्रयागराज, पुडुचेरी, पुणे, राजमुंदरी, राजकोट, रांची, रूड़की, राउरकेला, संबलपुर, शिलांग, शिमला, सिलचर, सोलापुर, श्रीनगर, ठाणे, तिरुवनंतपुरम, त्रिशूर, तिरुनेलवेली, तिरुपति, उदयपुर , वडोदरा, वाराणसी, वेल्लोर, विजयवाड़ा, विशाखापत्तनम, वारंगल**.

*** स्थानों की सूची अस्थायी है और उपलब्धता/आवश्यकता के आधार पर भिन्न हो सकती है।**

(जी) **<u>केन्द्रों का आवंटन</u>** . जहां तक संभव होगा, उम्मीदवारों को उनकी पसंद के अनुसार केंद्र आवंटित किए जाएंगे। **उम्मीदवारों को ध्यान देना चाहिए कि केंद्र/तिथि/स्लॉट में बदलाव के किसी भी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा** . इसलिए, उम्मीदवारों को फॉर्म भरने से पहले परीक्षा केंद्र के लिए अपनी पसंद की तारीख/स्लॉट तय करने से पहले उचित सावधानी बरतनी चाहिए। किसी भी स्थिति में, AFCAT परीक्षा केंद्र रद्द किए जा सकते हैं। इस परिदृश्य में, प्रभावित उम्मीदवारों को वैकल्पिक केंद्र प्रदान किए जाएंगे। इस संबंध में किसी भी प्रतिनिधित्व पर विचार नहीं किया जाएगा और भारतीय वायुसेना का निर्णय अंतिम होगा।

9. **<u>वायु सेना चयन बोर्ड (एएफएसबी)</u>** .

(ए) एएफसीएटी प्रवेश के लिए, आईएएफ उन उम्मीदवारों की एक सूची तैयार करेगा जो आईएएफ द्वारा अपने विवेक से निर्धारित ऑनलाइन एएफसीएटी में न्यूनतम योग्यता अंक प्राप्त करते हैं। ऑनलाइन एएफसीएटी में सफल घोषित होने वाले उम्मीदवारों को वायु सेना चयन बोर्डों में से एक में बुलाया जाएगा। जिन उम्मीदवारों ने एनसीसी स्पेशल एंट्री के लिए आवेदन किया है, उन्हें सीधे एएफएसबी केंद्रों में से एक पर एएफएसबी परीक्षण के लिए बुलाया जाएगा। एएफएसबी केंद्र देहरादून (1 एएफएसबी), मैसूरु (2 एएफएसबी), गांधीनगर (3 एएफएसबी), वाराणसी (4 एएफएसबी) और गुवाहाटी (5 एएफएसबी) में हैं।**जिन अभ्यर्थियों ने लिखित परीक्षा उत्तीर्ण की है, उन्हें एएफएसबी के लिए कॉल-अप लेटर तैयार करने के लिए वेबसाइट https://career Indianairforce.cdac.in या https://afcat.cdac.in पर स्वयं एएफएसबी तिथि और स्थान का चयन करना होगा। साक्षात्कार**.

(बी) **<u>शारीरिक फिटनेस</u>** . उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि जब आप एसएसबी के लिए रिपोर्ट करें तो एएफएसबी में विभिन्न परीक्षणों से गुजरने में सक्षम होने के लिए शारीरिक रूप से फिट रहें। आपको 10 मिनट, 10 पुश अप्स और 3 चिन अप्स में 01 मील (1.6 किलोमीटर) दौड़ने की क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रखना चाहिए।

(सी) **<u>टैटू</u>** . स्थायी टैटू पर नीति इस प्रकार है:-

(मैं) शरीर के किसी अन्य भाग पर स्थायी टैटू की अनुमति नहीं है**या तो दृश्यमान या गैर-दृश्यमान भाग, सिवाय**अग्रबाहुओं के अंदरूनी चेहरे पर यानी कोहनी के अंदर से दोनों हाथों की कलाई तक और दोनों हाथों की हथेली के पीछे/पीछे (पृष्ठीय) तरफ, जिसके लिए उम्मीदवार को स्व-घोषणा प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर करना होगा। छोटा अहानिकर

ऐसे टैटू जो अच्छी व्यवस्था और सैन्य अनुशासन के लिए हानिकारक नहीं हैं, उनकी अनुमति है, उदाहरण के लिए धार्मिक प्रतीक या निकट और प्रियजनों के नाम।

<u>जनजातीय समुदायों के उम्मीदवार</u>

(ii) मौजूदा रीति-रिवाजों और परंपराओं के अनुसार चेहरे या शरीर पर टैटू के निशान वाली जनजातियों को मामले-दर-मामले के आधार पर अनुमति दी जाएगी। अनुसूचित जनजातियों या जनजातीय समुदायों या जनजातियों और जनजातीय समुदायों के कुछ हिस्सों या समूहों की सूची एक में निर्दिष्ट है

अधिसूचना आदेश विशेष राज्य/केंद्र शासित प्रदेश के संबंध में भारत के संविधान के अनुच्छेद 342 के तहत राष्ट्रपति द्वारा जारी किए जाते हैं और समय-समय पर संशोधित किए जाते हैं। अनुच्छेद 342 के तहत अधिसूचित ऐसे अनुसूचित जनजातियों या जनजातीय समुदायों या जनजातियों और जनजातीय समुदायों के कुछ हिस्सों या समूहों से संबंधित उम्मीदवार, जो अपने अनुसूचित जनजातियों या जनजातीय समुदायों या जनजातियों और जनजातीय के कुछ हिस्सों या समूहों के मौजूदा रीति-रिवाजों और परंपराओं के माध्यम से जिन समुदायों के शरीर के किसी भी हिस्से पर पहले से ही स्थायी टैटू हैं, उन्हें चरण- I के शुरू होने से पहले, ऐसे उम्मीदवार द्वारा निम्नलिखित प्रमाण पत्र जमा करने की शर्त पर ही एसएसबी में चयन प्रक्रिया में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी। चयन प्रक्रिया:-

(एए) स्व-प्रमाणन प्रमाणपत्र के अनुसार**परिशिष्ट 'ई'**उम्मीदवार द्वारा हस्ताक्षरित किया जाना है।

(एबी) अनुसूचित जनजातियों या जनजातीय समुदायों या जनजातियों और जनजातीय समुदायों के कुछ हिस्सों या समूहों में शरीर पर स्थायी टैटू उत्कीर्ण करने के रीति-रिवाजों और परंपराओं के अस्तित्व को विधिवत प्रमाणित करने वाले निम्नलिखित अधिकारियों में से किसी एक से आधिकारिक मुहर वाला प्रमाण पत्र। प्रारूप के अनुसार एक आदिवासी समुदाय से संबंधित है**परिशिष्ट 'एफ'**:-

(एएए) जिला/तहसील के डीसी/डीएम या एसडीएम जिनके अधिकार क्षेत्र में ऐसे अनुसूचित जनजाति या आदिवासी समुदाय या जनजातियों और आदिवासी समुदायों के कुछ हिस्से या समूह रहते हैं। (संबंधित अधिकारी का नाम और पदनाम स्पष्ट रूप से उल्लिखित होना चाहिए)।

(एएबी) ऐसे अनुसूचित जनजातियों या जनजातीय समुदायों या जनजातियों और जनजातीय समुदायों के कुछ हिस्सों या समूहों के अध्यक्ष / सचिव या किसी अन्य वरिष्ठ सदस्य (संबंधित सदस्य का नाम, पदनाम (यदि कोई हो) और पता स्पष्ट रूप से उल्लेख किया जाएगा)।

<u>गैर-अनुमेय टैटू</u> .

(iii) शरीर पर किसी भी स्थान पर टैटू की अनुमति/अनुमति नहीं है), निम्नलिखित 'की श्रेणी में आएगा'**गैर-अनुमेय टैटू**':-

(एए) पिछले पैराग्राफ में अनुमति के अलावा शरीर के किसी अन्य हिस्से पर टैटू या तो दिखाई देता है या दिखाई नहीं देता।

(एबी) भद्दे या आपत्तिजनक सामग्री या अश्लील आकृतियों वाला टैटू।

(एसी) ऐसे टैटू जो अशोभनीय, लिंगवादी, अतिवादी या नस्लवादी हैं, उनकी व्याख्या इस प्रकार की गई है: -

(एएए) अशोभनीय टैटू वे हैं जो विनम्रता, शालीनता या शालीनता के लिए बेहद आक्रामक हैं।

(एएबी) सेक्सिस्ट टैटू वे हैं जो एक ऐसे दर्शन की वकालत करते हैं जो लिंग के आधार पर किसी व्यक्ति को अपमानित करता है।

(एएसी) चरमपंथी टैटू वे हैं जो चरमपंथी संगठनों में शामिल होने या उनके साथ संबद्धता का संकेत देते हैं।

(एएडी) नस्लवादी टैटू एक ऐसे दर्शन की वकालत करते हैं जो नस्ल, जातीयता या क्षेत्र और धर्म के आधार पर किसी व्यक्ति को अपमानित या नीचा दिखाता है।

(डी) **नशीले पदार्थ.** नशीले पदार्थों के उपयोग/रखने पर प्रतिबंध है। मेडिकल के दौरान और उसके बाद एक अधिकारी के रूप में प्रशिक्षण/सेवा कैरियर के दौरान शरीर में दवाओं की उपस्थिति के लिए उम्मीदवार का परीक्षण किया जा सकता है। यदि उम्मीदवार को प्रशिक्षण/सेवा कैरियर के दौरान किसी भी समय नशीले पदार्थों का उपयोग/कब्जा रखते हुए पाया जाता है, तो उम्मीदवार को भारतीय वायु सेना में शामिल होने से रोक दिया जाएगा या यदि वह पहले ही शामिल हो चुका है तो उसे सेवा से हटा दिया जाएगा।

(इ) **अल्कोहल डिपेंडेंस सिंड्रोम (एडीएस) वाले उम्मीदवार।** अल्कोहल डिपेंडेंस सिंड्रोम (एडीएस) वाले उम्मीदवारों को सेवा से बर्खास्त/अमान्य किया जा सकता है।

(एफ) **एएफएसबी परीक्षण** . एएफएसबी में परीक्षण में नीचे दिए गए अनुसार तीन चरण शामिल होंगे: -

(मै) **चरण- I** . पिक्चर परसेप्शन के साथ ऑफिसर इंटेलिजेंस रेटिंग टेस्ट और
पहले दिन डिस्कशन टेस्ट आयोजित किया जाएगा। स्टेज- I परीक्षण एक स्क्रीनिंग टेस्ट है और केवल जो अर्हता प्राप्त करेंगे उन्हें बाद के परीक्षण से गुजरना होगा। सभी स्टेज- I योग्य उम्मीदवारों को आवेदन की गई शाखाओं के लिए उनकी पात्रता सुनिश्चित करने के लिए दस्तावेज़ की जांच के अधीन किया जाएगा। जो उम्मीदवार या तो स्टेज- I में अर्हता प्राप्त नहीं करते हैं या आवश्यक पात्रता मानदंडों को पूरा नहीं करते हैं, उन्हें पहले दिन ही वापस भेज दिया जाएगा।

(ii) **चरण- II** . मनोवैज्ञानिक परीक्षण पहले दिन (शाम) और समूह में आयोजित किया जाएगा
अगले पांच दिनों तक दस्तावेजों की जांच के बाद टेस्ट और इंटरव्यू शुरू होंगे।

(iii) **फ्लाइंग शाखा के लिए** . कम्प्यूटरीकृत पायलट चयन प्रणाली (सीपीएसएस) केवल अनुशंसित उम्मीदवारों को ही प्रशासित की जाएगी। यह जीवन में एक बार होने वाली परीक्षा है। **जो उम्मीदवार पहले प्रयास में सीपीएसएस/पीएबीटी में असफल हो गए हैं या वायु सेना अकादमी में उड़ान प्रशिक्षण से निलंबित फ्लाइट कैडेट पात्र नहीं होंगे।**

(जी) **साक्षात्कार तिथियों में परिवर्तन** . एएफएसबी साक्षात्कार तिथि में बदलाव के अनुरोध से बचना चाहिए। साक्षात्कार स्थगित करने के अनुरोध पर वास्तविक परिस्थितियों में विचार किया जा सकता है और वह भी तब जब यह प्रशासनिक रूप से सुविधाजनक हो**वायु मुख्यालय**एकमात्र निर्णायक प्राधिकारी होगा। ऐसे अनुरोध एएफएसबी केंद्र को भेजे जाने चाहिए जहां से एएफएसबी साक्षात्कार के लिए कॉल प्राप्त हुई है**केवल ई-मेल**.

(ज) अभ्यर्थी एएफएसबी के समक्ष उपस्थित होंगे और अपने जोखिम पर परीक्षण से गुजरेंगे और किसी भी चोट की स्थिति में सरकार से किसी भी मुआवजे या अन्य राहत का दावा करने के हकदार नहीं होंगे जो उन्हें इस दौरान या परिणामस्वरूप हो सकती है। चयन बोर्ड में उन्हें दी गई कोई भी परीक्षा, चाहे किसी व्यक्ति की लापरवाही के कारण हो या अन्यथा। उम्मीदवारों को आवेदन के साथ संलग्न प्रपत्र पर इस आशय के क्षतिपूर्ति बांड पर हस्ताक्षर करना होगा।

(जे) **यात्रा भत्ता (टीए)** . एसी-III टियर/एसी के सबसे छोटे मार्ग से आने-जाने का किराया
पहली बार एएफएसबी में उपस्थित होने वाले उम्मीदवारों को चेयर कार या वास्तविक सामान्य बस किराया प्रतिपूर्ति की जाएगी। पते में परिवर्तन, यदि कोई हो, आगमन से काफी पहले बोर्ड को सूचित किया जाना चाहिए। आप

बोर्ड को रेलवे टिकट/बस टिकट (हार्ड कॉपी) प्रस्तुत करना होगा, अन्यथा कोई टीए भुगतान नहीं किया जाएगा। यात्रा के अन्य सभी तरीकों के लिए, टीए सरकार द्वारा अधिकृत नियमों के अनुसार स्वीकार्य होगा।

यदि आप पहले ही किसी चयन बोर्ड में उसी प्रकार की प्रविष्टि के लिए उपस्थित हो चुके हैं तो कोई टीए स्वीकार्य नहीं है.उम्मीदवारों को ऑनलाइन भुगतान के लिए रद्द चेक ले जाना होगा।

(क) **<u>एएफएसबी के लिए दस्तावेज़</u>** . उम्मीदवारों को निम्नलिखित प्रासंगिक दस्तावेज लाने होंगे, जिनकी एएफएसबी परीक्षण के दौरान जांच की जाएगी: -

(मैं) एएफसीएटी प्रवेश पत्र।

(ii) सीबीएसई/आईसीएसई/राज्य बोर्ड द्वारा जारी मूल मैट्रिक/माध्यमिक विद्यालय प्रमाणपत्र और मार्कशीट। जन्मतिथि के सत्यापन के लिए कोई अन्य प्रमाणपत्र स्वीकार नहीं किया जाएगा।

(iii) 10+2 की मूल अंक तालिका और प्रमाण पत्र (संबंधित बोर्ड द्वारा जारी)।

(iv) विश्वविद्यालय द्वारा जारी मूल/अनंतिम स्नातक डिग्री/स्नातकोत्तर डिग्री प्रमाण पत्र और प्रत्येक वर्ष/सेमेस्टर की मार्क शीट - केवल पाठ्यक्रम के लिए पात्रता की जांच करने के लिए शैक्षिक योग्यता के सत्यापन के लिए। कॉलेज प्राचार्य द्वारा जारी प्रोविजनल सर्टिफिकेट है**स्वीकार्य नहीं है**. हालाँकि, विश्वविद्यालय द्वारा जारी प्रोविजनल डिग्री प्रमाणपत्र स्वीकार्य है।

(v) अंतिम वर्ष/सेमेस्टर के छात्रों के मामले में, कॉलेज के प्राचार्य से एक प्रमाण पत्र, जिसमें संस्थान की उचित मोहर और मुहर के साथ स्पष्ट रूप से निम्नलिखित पहलुओं का उल्लेख हो, आवश्यक है: -

(एए) कॉलेज का नाम. (एबी)
विश्वविद्यालय का नाम.
(एसी) अनुशासन जिसमें स्नातक/स्नातकोत्तर प्राप्त किया गया। (विज्ञापन)
समग्र प्रतिशत।
(एई) अंतिम परिणाम की घोषणा की संभावित तिथि (डीडी/एमएम/वाईवाईवाईवाई प्रारूप में)।

(vi) उपर्युक्त प्रत्येक प्रमाण पत्र की दो प्रमाणित फोटोकॉपी।

(vii) मूल एनसीसी प्रमाणपत्र (यदि लागू हो)।

(viii) केंद्र/राज्य सरकार में काम करने वाले उम्मीदवारों के लिए नियोक्ताओं से एनओसी। या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम।

(ix) यदि लागू हो तो डीजीसीए द्वारा जारी मूल वैध वाणिज्यिक पायलट लाइसेंस।

(x) इनबाउंड रेलवे टिकट/बस टिकट। (यात्रा भत्ता की वापसी के लिए)

(xi) उम्मीदवारों को यह भी सलाह दी जाती है कि वे दस्तावेज़ीकरण के लिए सफेद पृष्ठभूमि पर हल्के रंग के कपड़ों में ली गई हालिया पासपोर्ट आकार की रंगीन तस्वीरों की बीस प्रतियां लाएँ।

(एल) **जिन अभ्यर्थियों के पास उपरोक्त दस्तावेज नहीं हैं या जिनके पास नहीं हैं पात्रता शर्तें, एएफएसबी को रिपोर्ट नहीं करनी चाहिए, क्योंकि उन्हें परीक्षणों के लिए स्वीकार नहीं किया जाएगा और यात्रा भत्ते के बिना वापस भेज दिया जाएगा.**

(एम) वायु सेना चयन बोर्ड (एएफएसबी) द्वारा साक्षात्कार के लिए भारतीय वायुसेना द्वारा अनुशंसित उम्मीदवार, जिन्होंने परीक्षा के लिए अपने आवेदन जमा करने के बाद अपने पते बदल दिए हैं, उन्हें लिखित भाग के परिणाम की घोषणा के तुरंत बाद आवेदन करना चाहिए।

परीक्षा में बदले हुए पते की सूचना बिना मुहर लगे स्व-पता लिखे लिफाफे के साथ विंग कमांडर पीओ-3 (ए/बी) वायु सेना मुख्यालय को भी दी जाएगी। 'ए' ब्लॉक, 8वीं मंजिल, कमरा नंबर 838, रक्षा कार्यालय परिसर, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली-110001। इस निर्देश का अनुपालन करने में विफलता की स्थिति में उम्मीदवार को किसी भी दावे पर विचार करने से वंचित कर दिया जाएगा। एएफएसबी द्वारा साक्षात्कार के लिए पत्र प्राप्त करना।

(एन) यदि किसी अभ्यर्थी को मनोविज्ञान परीक्षण समाप्त होने के बाद चोट/चिकित्सा अयोग्यता/पात्रता मानदंडों को पूरा न करने/किसी अनुशासनहीनता/व्यक्तिगत कारणों या किसी अप्रत्याशित कारण के कारण वापस भेज दिया जाता है, तो प्रयास को चक्र के लिए पूरा माना जाएगा। और परीक्षण पूरा करने के लिए एएफएसबी परीक्षण की नई तारीखें नहीं दी जाएंगी। उम्मीदवार को एएफएसबी के लिए एएफसीएटी/एनसीसी विशेष प्रविष्टि के अगले चक्र के लिए नए सिरे से आवेदन करना होगा।

10. **<u>अंतिम मेरिट सूची</u>** . स्वीकार्य होने के लिए, उम्मीदवारों को IAF द्वारा निर्धारित लिखित परीक्षा और AFSB परीक्षण में अलग-अलग न्यूनतम योग्यता अंक सुरक्षित करने चाहिए। उम्मीदवारों को लिखित परीक्षा और में उनके द्वारा प्राप्त कुल अंकों के आधार पर योग्यता क्रम में रखा जाएगा

एएफएसबी परीक्षण। व्यक्तिगत उम्मीदवारों को परीक्षा के परिणाम के संचार का रूप और तरीका भारतीय वायुसेना द्वारा अपने विवेक से तय किया जाएगा।**ग्राउंड ड्यूटी (तकनीकी और गैर-तकनीकी) शाखाओं में एनसीसी एयर विंग सीनियर डिवीजन 'सी' प्रमाणपत्र धारकों के लिए 10% रिक्तियां आरक्षित हैं।**. शाखा का आवंटन रिक्तियों की संख्या, चयन प्रक्रिया में प्रदर्शन, मेडिकल फिटनेस और उम्मीदवारों द्वारा दिए गए विकल्प के आधार पर होगा।

11। **<u>प्रशिक्षण</u>** . एएफएसबी द्वारा अनुशंसित और उपयुक्त चिकित्सा प्रतिष्ठान द्वारा चिकित्सकीय रूप से फिट पाए गए उम्मीदवारों को योग्यता और विभिन्न शाखाओं/उप शाखाओं में रिक्तियों की उपलब्धता के आधार पर प्रशिक्षण के लिए विस्तृत किया जाता है।

(ए) **<u>प्रशिक्षण की तिथि एवं अवधि</u>** . प्रशिक्षण पहले सप्ताह में शुरू होने वाला है **जुलाई 2025**सभी पाठ्यक्रमों के लिए. फ्लाइंग और ग्राउंड ड्यूटी (तकनीकी) शाखाओं के लिए प्रशिक्षण की अनुमानित अवधि है**62 सप्ताह**और वह ग्राउंड ड्यूटी (गैर-तकनीकी) शाखाओं का है **52 सप्ताह**वायु सेना प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों में।

(बी) **<u>शारीरिक कंडीशनिंग</u>** . भावी उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे एएफए में शारीरिक प्रशिक्षण के लिए खुद को अच्छी शारीरिक स्थिति में रखें, जिसमें दौड़ना, तैराकी, रस्सी पर चढ़ना और शारीरिक प्रशिक्षण/कंडीशनिंग के अन्य रूप शामिल हैं, जिसमें उन्हें प्रशिक्षण के दौरान अनिवार्य परीक्षणों से गुजरना होगा। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे नीचे दी गई दिनचर्या का पालन करके खुद को अच्छी शारीरिक स्थिति में रखें:-

(मैं) दौड़: 4 किमी तक. 15 मिनट में.
(ii)छोड़ना।
(iii) पुश अप्स और सिट-अप्स: न्यूनतम 20 प्रत्येक।
(iv) चिन अप्स: 08.
(v) रस्सी पर चढ़ना: 3 से 4 मीटर।
(vi) तैराकी (25 मीटर)।

(सी) वायु सेना अकादमी में प्रवेश के बाद, उम्मीदवारों को किसी अन्य आयोग के लिए विचार नहीं किया जाएगा। एएफए में प्रशिक्षण के लिए अंतिम रूप से चुने जाने के बाद उन्हें किसी भी साक्षात्कार या परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी। अपना आवेदन जमा करने के बाद उम्मीदवार से प्राप्त उम्मीदवारी वापस लेने के किसी भी अनुरोध पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जाएगा। वायु सेना अकादमी (एएफए) में शामिल होने के समय पैन कार्ड, आधार कार्ड और एसबीआई/राष्ट्रीयकृत बैंक में खाता अनिवार्य है। नशीले पदार्थों के उपयोग/रखने पर प्रतिबंध है। मेडिकल के दौरान और उसके बाद एक अधिकारी के रूप में प्रशिक्षण/सेवा कैरियर के दौरान शरीर में दवाओं की उपस्थिति के लिए उम्मीदवार का परीक्षण किया जा सकता है। यदि उम्मीदवार को प्रशिक्षण/सेवा कैरियर के दौरान किसी भी समय नशीले पदार्थों का उपयोग/कब्जा रखते हुए पाया जाता है, तो उम्मीदवार को मौजूदा नीति के अनुसार प्रशिक्षण/सेवा से वंचित कर दिया जाएगा।

12. **वेतन एवं भत्ते** .

(ए) **वेतन।** कमीशनिंग पर भुगतान (7 के अनुसार)वांसीपीसी)

पद	डिफेंस मैट्रिक्स के अनुसार भुगतान करें	स्तर	एमएसपी
फ्लाइंग ऑफिसर	रु. 56100 - 177500	10	रु. 15500

नोट:- फ्लाइट कैडेटों को रुपये का एक निश्चित वजीफा मिलेगा। एक वर्ष के प्रशिक्षण के दौरान 56,100/- प्रति माह।

(बी) **भत्ते.** वेतन के अलावा, भत्ते की प्रकृति के आधार पर लागू होते हैं ड्यूटी/तैनाती का स्थान और इसमें उड़ान, परिवहन, तकनीकी, फील्ड क्षेत्र, विशेष प्रतिपूरक (पहाड़ी क्षेत्र), विशेष बल, सियाचिन, द्वीप विशेष ड्यूटी, टेस्ट पायलट और फ्लाइट टेस्ट इंजीनियर, क्षेत्र और रिमोट लोकैलिटी भत्ता, आदि शामिल हैं।

(सी) **बीमा** . रु.**1.10 करोड़**बीमा कवर (अंशदान पर) वायु सेना समूह बीमा सोसायटी (एएफजीआईएस) के सेवा अधिकारी के लिए लागू है।

13. **अभ्यर्थियों के मार्गदर्शन के लिए सुविधा काउंटर .**

(ए) ऑनलाइन परीक्षा के संचालन, पंजीकरण प्रक्रिया, प्रवेश पत्र से संबंधित किसी भी प्रश्न के लिए, उम्मीदवार एएफसीएटी सेल से संपर्क कर सकते हैं**020-25503105 या 020-25503106।**ई-मेल प्रश्नों को संबोधित किया जा सकता हैafcatसेल@cdac.in .

(बी) पात्रता, एएफएसबी केंद्रों के आवंटन, एएफएसबी साक्षात्कार की तारीख, योग्यता सूची, शामिल होने के निर्देश, और चयन प्रक्रिया के संबंध में किसी भी अन्य प्रासंगिक जानकारी के बारे में सभी प्रश्नों के लिए, उम्मीदवार संपर्क कर सकते हैं।**011-23010231**विस्तार:**7610**या वेबसाइट पर जाएँ **https://career Indianairforce.cdac.in या https://afcat.cdac.in या टोल फ्री नंबर 1800-11- 2448**

(सी) **समय** . टेलीफ़ोनिक क्वेरी समय से हैं**0930 बजे से 1300 बजे और 1400 बजे से 1700 बजे (**सोमवार से शुक्रवार, बंद छुट्टियों को छोड़कर)।

14. यदि ऑनलाइन पंजीकरण के दौरान उम्मीदवार द्वारा दी गई कोई भी जानकारी चयन प्रक्रिया के दौरान या प्रशिक्षण संस्थान में शामिल होने के बाद किसी भी चरण में गलत पाई जाती है, तो ऐसे उम्मीदवारों की उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और इसमें किसी भी प्रतिनिधित्व पर विचार नहीं किया जाएगा। संबद्ध।

15. विभिन्न शाखाओं का विवरण हमारी वेबसाइट पर उपलब्ध हैhttps://afcat.cdac.in या Careerairforce.nic.in **.**

16. **अस्वीकरण** . अधिसूचना और वेबसाइटों पर दी गई जानकारी केवल दिशानिर्देश हैं। किसी भी अस्पष्टता के मामले में, IAF/ सरकार की मौजूदा नीतियां, नियम और विनियम। भारत का अंतिम होगा.**अधिसूचना में दिए गए चयन के नियम और शर्तें केवल दिशानिर्देश हैं और बिना किसी सूचना के परिवर्तन के अधीन हैं।**

17. **वैधानिक चेतावनी** . भारतीय वायु सेना में चयन निष्पक्ष और योग्यता आधारित होता है। किसी भी स्तर पर चयन प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास करने पर उम्मीदवारी समाप्त हो सकती है या सेवा शुरू हो सकती है और संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई हो सकती है।

अधिसूचना का परिशिष्ट A

[पैरा 6 को संदर्भित करता है]

भारतीय वायु सेना
Indian Air Force

उड़ान शाखा और ग्राउंड ड्यूटी (तकनीकी और गैर-तकनीकी) शाखाओं/एनसीसी के लिए वायु सेना सामान्य प्रवेश परीक्षा (एएफसीएटी- 02/2024) के लिए चिकित्सा मानक

जुलाई 2025 में शुरू होने वाले पाठ्यक्रमों के लिए विशेष प्रवेश

सामान्य निर्देश

1. इस अनुभाग में, उम्मीदवारों के शारीरिक मूल्यांकन के लिए मानकीकृत दिशानिर्देश दिए गए हैं एएफसीएटी के माध्यम से फ्लाइंग ब्रांच और ग्राउंड ड्यूटी तकनीकी और गैर-तकनीकी शाखाओं/आईएएफ में एनसीसी स्पेशल एंट्री में कमीशनिंग के बारे में विस्तार से बताया गया है। नई शुरू की गई डब्ल्यूएस शाखा में वही चिकित्सा मानक होंगे जो प्रशासन शाखा पर लागू होते हैं। इन दिशानिर्देशों का उद्देश्य समान शारीरिक मानक निर्धारित करना और यह सुनिश्चित करना है कि उम्मीदवार उन स्वास्थ्य स्थितियों से मुक्त हैं जो संबंधित शाखा में उनके प्रदर्शन में बाधा डाल सकती हैं या सीमित कर सकती हैं। इस खंड में उल्लिखित दिशानिर्देशों को नैदानिक परीक्षा के मानक तरीकों के साथ संयोजन में लागू किया जाना है।

2. अपने प्रेरण के दौरान सभी उम्मीदवारों को बुनियादी शारीरिक फिटनेस मानकों को पूरा करना होगा जो कि होगा उन्हें विभिन्न जलवायु और कार्य परिवेशों में कुशलतापूर्वक प्रशिक्षण और उसके बाद की सेवा से गुजरने में सक्षम बनाना। किसी उम्मीदवार को तब तक शारीरिक रूप से फिट नहीं आंका जाएगा जब तक कि पूरी परीक्षा से यह पता न चल जाए कि वह लंबे समय तक गंभीर शारीरिक और मानसिक तनाव को झेलने में शारीरिक और मानसिक रूप से सक्षम है। मेडिकल फिटनेस की आवश्यकताएं अनिवार्य रूप से सभी शाखाओं के लिए समान हैं, एयरक्रू को छोड़कर जिनमें दृश्य तीक्ष्णता, एंथ्रोपोमेट्री और कुछ अन्य भौतिक मानकों के पैरामीटर अधिक कठोर हैं।

3. प्रारंभिक परीक्षा के परिणाम एएफएमएसएफ पर दर्ज किए जाते हैं - 2. संपूर्ण चिकित्सा परीक्षा में शामिल हैं: -

(ए) एक प्रश्नावली, जिसे उम्मीदवार द्वारा सावधानीपूर्वक और सच्चाई से पूरा किया जाना है और जांच करने वाले चिकित्सा अधिकारी द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित किया जाना है। कानूनी पहलू सहित प्रश्नावली के सभी पहलुओं के महत्व पर सभी उम्मीदवारों को जोर दिया जाना चाहिए। किसी भी बाद में विकलांगता का पता चलने या किसी महत्वपूर्ण अतीत के इतिहास का खुलासा, जो पहले घोषित नहीं किया गया हो, कमीशनिंग से पहले किसी भी स्तर पर अयोग्यता का कारण बन सकता है। कमीशनिंग से पहले चिकित्सा परीक्षण के दौरान सभी उम्मीदवारों और कैडेटों के लिए यूएसजी एब्डोमेन आयोजित किया जाएगा।

(बी) महिलाओं में दंत परीक्षण और स्त्री रोग संबंधी परीक्षण सहित एक संपूर्ण चिकित्सा और शल्य चिकित्सा परीक्षण।

(सी) एक नेत्र परीक्षण।

(डी) कान, नाक और गले की जांच।

4. उल्लिखित चिकित्सा मानक प्रारंभिक प्रवेश चिकित्सा मानकों से संबंधित हैं। की निरंतरता प्रशिक्षण के दौरान चिकित्सा फिटनेस का मूल्यांकन कमीशनिंग से पहले एएफए में आयोजित आवधिक चिकित्सा परीक्षाओं के दौरान किया जाएगा।

5. निम्नलिखित पैराग्राफ में वर्णित चिकित्सा मानक सामान्य दिशानिर्देश हैं। रोगों के व्यापक स्पेक्ट्रम को देखते हुए, वे संपूर्ण नहीं हैं। ये मानक वैज्ञानिक ज्ञान में प्रगति और सशस्त्र बलों की कार्य स्थितियों में बदलाव के साथ परिवर्तन के अधीन हैं।

6. **<u>अनिवार्य लैब और रेडियोलॉजिकल जांच</u>**

(ए) हेमेटोलॉजी: संपूर्ण हेमोग्राम
(बी) बायोकैमिस्ट्री: लिवर फंक्शन टेस्ट, रीनल फंक्शन टेस्ट
(सी) मूत्र आरई और एमई
(डी) रेडियोलॉजी: यूएसजी पेट और श्रोणि, एक्स-रे छाती पीए दृश्य, एक्स-रे एलएस स्पाइन, एपी और पार्श्व दृश्य

(ई) ईसीजी

<u>सामान्य शारीरिक मूल्यांकन</u>

7. वायु सेना के लिए उपयुक्त होने के लिए प्रत्येक उम्मीदवार को निर्धारित न्यूनतम मानकों के अनुरूप होना चाहिए अगले पैराग्राफ में. भौतिक पैरामीटर स्वीकार्य सीमा के भीतर आने चाहिए और आनुपातिक होने चाहिए।

8. किसी कार्यात्मक सीमा के लिए पुराने फ्रैक्चर/चोटों के अवशिष्ट प्रभावों का मूल्यांकन किया जाना है। अगर कार्य पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है, उम्मीदवार को फिट आंका जा सकता है। निम्नलिखित श्रेणियों का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन किया जाना चाहिए:

(ए) **<u>रीढ़ की हड्डी में चोट</u>** . रीढ़ की हड्डी के पुराने फ्रैक्चर के मामले अनफिट होते हैं। रीढ़ की कोई भी अवशिष्ट विकृति या कशेरुका का संपीड़न अस्वीकृति का कारण होगा।

(बी) **<u>तंत्रिका चोटें</u>** . बड़ी नसों के तने से जुड़ी चोटें, जिसके परिणामस्वरूप कार्य में हानि होती है, या न्यूरोमा का गठन का होता है, जिसके कारण दर्द महत्वपूर्ण झुनझुनी होती है, उड़ान कर्तव्यों में रोजगार के लिए अनुपयुक्तता का संकेत देती है।

(सी) **<u>केलोइड्स</u>** . बड़े या एकाधिक केलोइड्स की उपस्थिति अस्वीकृति का कारण होगी।

9. (ए) **<u>सर्जिकल निशान</u>** उदाहरण के लिए, किसी सतही चोट के कारण छोटे-मोटे ठीक हुए निशान सर्जरी, अपने आप में, रोजगार के लिए अनुपयुक्तता का संकेत नहीं देती है। किसी अंग या धड़ पर व्यापक घाव जो कार्यात्मक सीमा या भद्दे रूप का कारण बन सकता है, उसे अनुपयुक्त माना जाना चाहिए।

(बी) **जन्म चिह्न** . हाइपो या हाइपर-पिग्मेंटेशन के रूप में असामान्य रंजकता स्वीकार्य नहीं है। हालाँकि, स्थानीयकृत, जन्मजात तिल/नेवस स्वीकार्य है, बशर्ते इसका आकार <10 सेमी हो। जन्मजात मल्टीपल नेवी या वैस्कुलर ट्यूमर जो कार्य में बाधा डालते हैं या हैं लगातार जलन के संपर्क में रहना स्वीकार्य नहीं है।

(सी) **चमड़े के नीचे की सूजन .**लिपोमा को तब तक फिट माना जाएगा जब तक कि लिपोमा आकार/स्थान के कारण महत्वपूर्ण विकृति/कार्यात्मक हानि का कारण न बन रहा हो। न्यूरोफाइब्रोमा, यदि सिंगल है तो फिट माना जाएगा। महत्वपूर्ण कैफ़े-औ-लेट स्पॉट (1.5 सेमी से अधिक आकार या संख्या में एक से अधिक) से जुड़े एकाधिक न्यूरोफाइब्रोमा को अनुपयुक्त माना जाएगा।

10. **ग्रीवा पसली** . बिना किसी न्यूरो-वैस्कुलर समझौते के सर्वाइकल रिब स्वीकार किया जाएगा। ऐसे मामलों में न्यूरो-वैस्कुलर समझौता का पता लगाने के लिए सावधानीपूर्वक नैदानिक परीक्षा की जानी चाहिए। इसे मेडिकल बोर्ड की कार्यवाही में प्रलेखित किया जाना चाहिए।

11। **कपाल-चेहरे की विकृति** . चेहरे और सिर की विषमता या खोपड़ी की अनियमित विकृति, चेहरा या मेम्बिबल जो ऑक्सीजन मास्क, हेलमेट या सैन्य हेडगियर की उचित फिटिंग में हस्तक्षेप करेगा, उसे अनुपयुक्त माना जाएगा। सुधारात्मक सर्जरी के बाद भी बड़ी विकृति को अनफिट माना जाएगा।

12. **संचालन से संबंधित इतिहास .**एक उम्मीदवार जिसका पेट का ऑपरेशन हुआ है जिसमें व्यापक सर्जिकल हस्तक्षेप या किसी अंग का आंशिक/पूरा हिस्सा काटना शामिल है, एक नियम के रूप में, सेवा के लिए अयोग्य है। किसी भी अवशिष्ट हड्डी दोष के साथ कपाल वॉल्ट से जुड़ा ऑपरेशन अनुपयुक्त होगा। प्रमुख वक्षीय ऑपरेशन उम्मीदवार को अयोग्य बना देंगे।

माप और शारीरिक संरचना

13. **छाती का आकार और परिधि .**छाती का आकार उतना ही महत्वपूर्ण है जितना उसका वास्तविक माप। छाती अच्छी तरह से अनुपातिक और अच्छी तरह से विकसित होनी चाहिए। प्रशिक्षण और सैन्य कर्तव्यों के प्रदर्शन के दौरान शारीरिक परिश्रम में बाधा डालने वाली या सैन्य सहनशक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली या किसी कार्डियो-फुफ्फुसीय या मस्कुलोस्केलेटल विसंगति से जुड़ी छाती की किसी भी विकृति को अयोग्य माना जाएगा। कैडेटों के लिए न्यूनतम अनुशंसित छाती परिधि 77 सेमी है। सभी उम्मीदवारों के लिए सीना फुलाव कम से कम 05 सेमी होना चाहिए। दस्तावेज़ीकरण के प्रयोजन के लिए, 0.5 सेमी से कम किसी भी दशमलव अंश को नजरअंदाज कर दिया जाएगा, 0.5 सेमी को ऐसे ही दर्ज किया जाएगा और 0.6 सेमी और उससे अधिक को 1 सेमी के रूप में दर्ज किया जाएगा।

ऊंचाई, बैठने की ऊंचाई, पैर की लंबाई और जांघ की लंबाई।

14. फ्लाइंग ब्रांच के लिए न्यूनतम ऊंचाई 162.5 सेमी होगी। ऐसे वायुसैनिकों के लिए पैर की लंबाई, जांघ की लंबाई और बैठने की ऊंचाई की स्वीकार्य माप निम्नानुसार होगी: -

(ए) बैठने की ऊँचाई	न्यूनतम	-	81.5 सेमी
	अधिकतम	-	96.0 सेमी
(बी) पैर की लंबाई	न्यूनतम	-	99.0 सेमी
	अधिकतम	-	120.0 सेमी
(सी) जांघ की लंबाई	अधिकतम	-	64.0 सेमी

ग्राउंड ड्यूटी शाखाओं में प्रवेश के लिए न्यूनतम ऊंचाई 157.5 सेमी होगी। गोरखाओं और भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों और उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों से संबंधित व्यक्तियों के लिए, न्यूनतम स्वीकार्य ऊंचाई 5 सेमी कम (152.5 सेमी) होगी। लक्षद्वीप के उम्मीदवारों के मामले में न्यूनतम स्वीकार्य ऊंचाई 2 सेमी (155.5 सेमी) कम की जा सकती है।

15. **शारीरिक वजन पैरामीटर (पुरुष उम्मीदवार)**

(ए) पुरुष उम्मीदवार (एनडीए उम्मीदवारों को छोड़कर)। उम्र और ऊंचाई के सापेक्ष आदर्श वजन दिया गया है**परिशिष्ट बी**' इस अधिसूचना के लिए. वजन को निकटतम 0.5 किलोग्राम तक पूर्णांकित किया जाएगा। आदर्श शरीर के वजन से अधिकतम स्वीकार्य भिन्नता ± 1 एसडी है।

(बी) सेवारत उम्मीदवारों के लिए सेवारत कर्मियों पर लागू शारीरिक वजन के मानदंड का उपयोग किया जाएगा।

16**.** निर्धारित सीमा से अधिक वजन केवल उन उम्मीदवारों के मामले में असाधारण परिस्थितियों में स्वीकार्य होगा जहां बॉडीबिल्डिंग, कुश्ती और मुक्केबाजी के दस्तावेजी सबूत हैं। हालाँकि, ऐसे मामलों में, निम्नलिखित मानदंडों को पूरा करना होगा:

(ए) बीएमआई 27 से नीचे होना चाहिए।

(बी) कमर-कूल्हे का अनुपात पुरुषों के लिए 0.9 और महिलाओं के लिए 0.8 से कम होना चाहिए।

(सी) कमर की परिधि पुरुषों के लिए 94 सेमी और महिलाओं के लिए 89 सेमी से कम होनी चाहिए।

(डी) सभी जैव रासायनिक चयापचय पैरामीटर सामान्य सीमा के भीतर होने चाहिए।

17. **<u>शारीरिक मानक (महिलाओं के लिए)</u>**

(ए) **ऊंचाई।** विभिन्न शाखाओं के लिए स्वीकार्य न्यूनतम ऊंचाई इस प्रकार है:-

(i) उड़ने वाली शाखा - 162.5 सेमी

(ii) अन्य शाखाएँ - 152 सेमी

ध्यान दें: केवल अन्य शाखाओं के लिए - उत्तर पूर्व क्षेत्र या उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों से संबंधित उम्मीदवारों के लिए, 147 सेमी की न्यूनतम ऊंचाई स्वीकार की जाएगी। लक्षद्वीप के उम्मीदवारों के मामले में, न्यूनतम स्वीकार्य ऊंचाई 150 सेमी होगी।

(बी) **वज़न**. वजन ऊंचाई और उम्र के लिए दिए गए मानकों के अनुरूप होना चाहिए **परिशिष्ट बी**'इस अधिसूचना के लिए. महिला उम्मीदवारों के लिए ± 1SD तक का बदलाव स्वीकार्य है**.**

18. **<u>हृदय प्रणाली</u>**

(ए) सीने में दर्द, सांस फूलना, घबराहट, बेहोशी के दौरे, चक्कर आना, आमवाती बुखार, टखने में सूजन, कोरिया, बार-बार गले में खराश और टॉन्सिलिटिस के इतिहास को हृदय प्रणाली के मूल्यांकन में उचित ध्यान दिया जाना चाहिए।

(बी) **<u>नाड़ी</u> .**गति, लय, आयतन, तनाव, नाड़ी की नियमितता और धमनी दीवार की स्थिति का आकलन किया जाता है। सामान्य नाड़ी दर 60-100 बीपीएम के बीच होती है। नाड़ी को पूरे एक मिनट तक गिनना चाहिए। रेडियल और ऊरु धमनियों के स्पंदनों की हमेशा तुलना की जानी चाहिए और कोई अंतर, यदि कोई हो, दर्ज किया जाना चाहिए। अन्य परिधीय स्पंदन अर्थात. कैरोटिड, पॉप्लिटियल, पोस्टीरियर टिबियल धमनी और दोनों तरफ डोर्सलिस पेडिस धमनी को भी टटोला जाना चाहिए और यदि कोई अंतर हो, तो उसे प्रलेखित किया जाना चाहिए। लगातार साइनस टैचीकार्डिया (> 100 बीपीएम) और साथ ही लगातार साइनस ब्रैडीकार्डिया (<60 बीपीएम) अनुपयुक्त हैं। यदि ब्रैडीकार्डिया को शारीरिक माना जाता है, तो चिकित्सा विशेषज्ञ/हृदय रोग विशेषज्ञ द्वारा मूल्यांकन के बाद उम्मीदवार को फिट घोषित किया जा सकता है।

(सी) रक्तचाप:140/90 मिमी एचजी से लगातार अधिक बीपी वाले उम्मीदवार को अस्वीकार कर दिया जाएगा। ऐसे सभी उम्मीदवारों को सफेद कोट उच्च रक्तचाप और लगातार उच्च रक्तचाप के बीच अंतर करने के लिए 24 घंटे चलने वाले रक्तचाप की निगरानी (24 घंटे एबीपीएम) से गुजरना होगा। जहां भी संभव हो, उम्मीदवारों का मूल्यांकन एएमबी के हृदय रोग विशेषज्ञ द्वारा किया जाएगा। सामान्य 24 घंटे एबीपीएम वाले और लक्ष्य अंग क्षति के बिना एएमबी में हृदय रोग विशेषज्ञ द्वारा मूल्यांकन के बाद फिट माना जा सकता है।

(डी) **<u>हृदय संबंधी बड़बड़ाहट</u>** . जैविक हृदय रोग के साक्ष्य अस्वीकृति का कारण होंगे। डायस्टोलिक बड़बड़ाहट हमेशा जैविक होती है। इजेक्शन सिस्टोलिक प्रकृति की छोटी सिस्टोलिक बड़बड़ाहट और रोमांच से जुड़ी नहीं और जो खड़े होने पर कम हो जाती है, खासकर अगर सामान्य ईसीजी और छाती रेडियोग्राफ़ से जुड़ी हो, तो अक्सर कार्यात्मक होती हैं। किसी भी संदेह की स्थिति में मामले को हृदय रोग विशेषज्ञ के पास राय के लिए भेजा जाना चाहिए।

(ई) ईसीजी:एसएमबी में पाई गई कोई भी ईसीजी असामान्यता अस्वीकृति का आधार होगी। यदि आवश्यक समझा जाए तो संरचनात्मक असामान्यता और तनाव परीक्षण के लिए इकोकार्डियोग्राफी के साथ एएमबी के दौरान ऐसे उम्मीदवारों का हृदय रोग विशेषज्ञ द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा। सौम्य ईसीजी असामान्यताएं जैसे अपूर्ण आरबीबीबी, निम्न लीड में टी तरंग उलटा, वी1-वी3 में टी उलटा (लगातार किशोर पैटर्न), वोल्टेज मानदंड द्वारा एलवीएच (पतली छाती की दीवार के कारण) बिना किसी संरचनात्मक हृदय रोग के मौजूद हो सकते हैं। अंतर्निहित संरचनात्मक हृदय रोग का पता लगाने के लिए ऐसे सभी मामलों में इकोकार्डियोग्राफी की जानी चाहिए और वरिष्ठ सलाहकार (चिकित्सा/हृदय रोग विशेषज्ञ) की राय प्राप्त की जानी चाहिए। यदि इकोकार्डियोग्राफी और तनाव परीक्षण (यदि संकेत दिया गया हो) सामान्य हैं, तो व्यक्ति को फिट माना जा सकता है।

(एफ) **<u>हृदय शल्य चिकित्सा और हस्तक्षेप</u>** .कार्डियक सर्जरी के इतिहास वाले उम्मीदवार/
अतीत में हस्तक्षेप अनुपयुक्त माना जाएगा.

19. **<u>श्वसन प्रणाली</u>**

(ए) फुफ्फुसीय तपेदिक का इतिहास, बहाव के साथ फुफ्फुस, कफ वाली खांसी के लगातार एपिसोड, हेमोप्टाइसिस, ब्रोंकाइटिस के लगातार एपिसोड, अस्थमा, सहज न्यूमोथोरैक्स और छाती पर चोटें। अवरोधक वायुमार्ग रोग के संदेह वाले मामलों में स्पाइरोमेट्री/पीक एक्सपिरेटरी फ्लो रेट किया जा सकता है। यदि फेफड़ों की विकृति का कोई संदेह है, तो फिटनेस तय करने के लिए एक्स रे/सीटी छाती/इम्यूनोलॉजिकल परीक्षण आदि सहित प्रासंगिक जांच की जा सकती है। संदिग्ध मामलों में अंतिम फिटनेस का निर्णय सीनियर एडवोकेट (मेड)/पल्मोनोलॉजिस्ट की राय के बाद अपील स्तर पर ही किया जाएगा।

(बी) **<u>फेफड़े का क्षयरोग</u>** . फुफ्फुसीय पैरेन्काइमा या फुस्फुस में कोई भी अवशिष्ट घाव, जैसा कि छाती के रेडियोग्राम पर स्पष्ट अस्पष्टता से प्रमाणित होता है, अस्वीकृति का आधार होगा। बिना किसी महत्वपूर्ण अवशिष्ट असामान्यता वाले पुराने उपचारित मामलों को स्वीकार किया जा सकता है यदि निदान और उपचार दो साल से अधिक पहले पूरा किया गया हो। इन मामलों में, चिकित्सक द्वारा तय किए गए अनुसार यूएसजी, ईएसआर, पीसीआर, इम्यूनोलॉजिकल परीक्षण और मंटौक्स परीक्षण के साथ सीटी स्कैन चेस्ट और ब्रोन्कियल लैवेज के साथ फाइब्रोऑप्टिक ब्रोंकोस्कोपी किया जा सकता है। यदि सभी परीक्षण सामान्य हैं तो उम्मीदवार को फिट माना जा सकता है। हालाँकि, ऐसे मामलों में फिटनेस का निर्णय केवल अपील/समीक्षा मेडिकल बोर्ड में किया जाएगा।

(सी) **<u>बहाव के साथ फुफ्फुसावरण</u>**. महत्वपूर्ण अवशिष्ट फुफ्फुस मोटाई का कोई भी सबूत अस्वीकृति का कारण होगा।

(डी) **<u>ब्रोंकाइटिस</u>** .खांसी/घरघराहट/ब्रोंकाइटिस के बार-बार होने वाले हमलों का इतिहास क्रोनिक ब्रोंकाइटिस या श्वसन पथ की अन्य पुरानी विकृति की अभिव्यक्ति हो सकता है। ऐसे मामलों को अयोग्य घोषित किया जाएगा। यदि उपलब्ध हो तो पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट किए जा सकते हैं। ऐसे मामलों में मेडिकल स्पेशलिस्ट/चेस्ट फिजिशियन की राय ली जा सकती है।

(इ) **<u>दमा</u>** .ब्रोन्कियल अस्थमा/घरघराहट/एलर्जिक राइनाइटिस के बार-बार हमलों का इतिहास अस्वीकृति का कारण होगा।

(एफ) **<u>छाती का रेडियोग्राफ़</u>** .फेफड़ों की बीमारी के निश्चित रेडियोलॉजिकल साक्ष्य,
मीडियास्टिनम और प्लूरा उम्मीदवार को अयोग्य घोषित करने के मानदंड हैं। यदि आवश्यक हो, तो ऊपर पैरा 19(ए) में उल्लिखित जांच पल्मोनोलॉजिस्ट की सलाह के तहत की जा सकती है।

(जी) **<u>वक्ष शल्य चिकित्सा।</u>** फेफड़े के पैरेन्काइमा के किसी भी उच्छेदन के इतिहास वाले उम्मीदवार को अयोग्य माना जाएगा। वक्ष की किसी अन्य बड़ी सर्जरी पर मामले-दर-मामले के आधार पर विचार किया जाएगा।

20. **<u>जठरांत्र प्रणाली</u>**

(ए) परीक्षक को यह जांच करनी चाहिए कि क्या उम्मीदवार को मुंह, जीभ, मसूड़ों या गले में अल्सर या संक्रमण का कोई पिछला इतिहास है। दांतों में किसी भी बड़े बदलाव का रिकॉर्ड बनाया जाना चाहिए। किसी उम्मीदवार के चिकित्सा इतिहास पर चर्चा करते समय परीक्षक को सीने में जलन के इतिहास, बार-बार होने वाले अपच के इतिहास, पेप्टिक अल्सर-प्रकार के दर्द, पुरानी दस्त, पीलिया या पित्त संबंधी शूल, अपच, कब्ज, रक्तस्राव पीआर और पेट की किसी भी सर्जरी के बारे में सीधे प्रश्न पूछना चाहिए।

(बी) मूत्राशय डायवर्टीकुलम को अयोग्य घोषित किया जाएगा।

(सी) **<u>सिर से पैर तक जांच</u> .**यकृत कोशिका विफलता के किसी भी संकेत की उपस्थिति (उदाहरण के लिए बालों का झड़ना, पैरोटिडोमेगाली, स्पाइडर नेवी, गाइनेकोमेस्टिया, वृषण शोष, फड़फड़ाहट कांपना आदि) और कुअवशोषण (पीलापन, नाखून और त्वचा में परिवर्तन, कोणीय चीलाइटिस, पेडल एडिमा) का कोई भी सबूत अस्वीकृति की ओर ले जाएगा। . मौखिक श्लेष्मा, मसूड़ों की स्थिति और मुंह खोलने पर किसी भी प्रतिबंध पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

(डी) **<u>गैस्ट्रो-डुओडेनल विकलांगताएँ</u>** . जो अभ्यर्थी पिछले एक वर्ष के दौरान सिद्ध पेप्टिक अल्सर सहित एसिड-पेप्टिक रोग के लक्षणों से पीड़ित हैं या पीड़ित हैं, उन्हें स्वीकार नहीं किया जाएगा। किसी भी पिछली सर्जिकल प्रक्रिया में किसी अंग (अवशिष्ट अंगों/पित्ताशय के अलावा) की आंशिक या पूर्ण हानि शामिल होने पर अस्वीकृति होगी।

(इ) **<u>लीवर के रोग</u>** . यदि पीलिया का पिछला इतिहास नोट किया गया है या यकृत समारोह में किसी असामान्यता का संदेह है, तो मूल्यांकन के लिए पूरी जांच आवश्यक है। वायरल हेपेटाइटिस या किसी अन्य प्रकार के पीलिया से पीड़ित उम्मीदवारों को अस्वीकार कर दिया जाएगा। ऐसे उम्मीदवारों को न्यूनतम 6 महीने की अवधि बीत जाने के बाद फिट घोषित किया जा सकता है, बशर्ते कि वे पूरी तरह से नैदानिक रूप से ठीक हो जाएं; एचबीवी और एचसीवी स्थिति दोनों नकारात्मक हैं और लीवर की कार्यप्रणाली सामान्य सीमा के भीतर है। किसी भी प्रकृति का बार-बार होने वाला पीलिया और हाइपरबिलिरुबिनमिया का इतिहास अनुपयुक्त है।

(एफ) **<u>प्लीहा का रोग</u>** . जिन अभ्यर्थियों की आंशिक/पूर्ण स्प्लेनेक्टोमी हुई है, वे ऑपरेशन के कारण चाहे जो भी हों, अयोग्य हैं।

(जी) **<u>हरनिया</u> .**वंक्षण, अधिजठर, नाभि और ऊरु हर्निया की उपस्थिति के लिए हर्नियल स्थलों की जांच की जानी चाहिए। पेट की दीवार की कोई भी हर्निया अनुपयुक्त है। ओपन या लेप्रोस्कोपिक मरम्मत (एंटीरियर एब्डोमिनल वॉल हर्निया-24 सप्ताह) के 06 महीने के बाद अच्छी तरह से ठीक हुए सर्जिकल निशान वाले उम्मीदवार को फिट माना जाता है, बशर्ते पुनरावृत्ति का कोई सबूत न हो और पेट की दीवार की मांसपेशियां अच्छी हों।

(एच) **<u>पेट की सर्जरी</u>**

(i) पारंपरिक पेट की सर्जरी के बाद ठीक हुए निशान वाले उम्मीदवार को सफल सर्जरी के एक वर्ष के बाद फिट माना जाएगा, बशर्ते कि अंतर्निहित विकृति की पुनरावृत्ति की कोई संभावना न हो, चीरा लगाने वाली हर्निया का कोई सबूत न हो और पेट की दीवार की मांसपेशियों की स्थिति न हो। बडीया है।

(ii) लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी के बाद एक उम्मीदवार को फिट माना जाएगा यदि सर्जरी के 08 सप्ताह बीत चुके हों, बशर्ते कि वे लक्षण और लक्षण से मुक्त हों और एलएफटी और यूएसजी पेट सहित उनका मूल्यांकन सामान्य हो और पेट के अंदर कोई पित्ताशय की पूर्ण अनुपस्थिति हो। संग्रह। सर्जरी के 08 सप्ताह के बाद पेट की अन्य लेप्रोस्कोपिक प्रक्रियाओं को भी उपयुक्त माना जा सकता है, बशर्ते व्यक्ति में लक्षण न हों, रिकवरी पूरी हो गई हो और कोई शेष जटिलता या पुनरावृत्ति का सबूत न हो।

(जे) **<u>एनोरेक्टल स्थितियाँ।</u>** परीक्षक को एक डिजिटल रेक्टल परीक्षण करना चाहिए और इसे खारिज करना चाहिए बवासीर, सेंटिनल पाइल्स, गुदा त्वचा टैग, दरारें, साइनस, फिस्टुला, प्रोलैप्सड, रेक्टल मास या पॉलीप्स।

(मै)<u>उपयुक्त</u>

(एए) केवल बाहरी त्वचा टैग।

(एबी) पॉलीप्स, फिस्टुला या अल्सर के लिए रेक्टल सर्जरी के बाद, बशर्ते कोई शेष/आवर्ती बीमारी न हो।

(एसी) **गुदा विदर सर्जरी के बाद** जीडी IV बवासीर: 12 सप्ताह

(विज्ञापन) **पायलोनिडल साइनस** : सर्जरी के 12 सप्ताह बाद

(ii)अयोग्य

(एए) सर्जिकल सुधार के बाद भी रेक्टल प्रोलैप्स

(अब) सक्रिय गुदा विदर

(एसी) बवासीर (बाहरी या आंतरिक)

(विज्ञापन) गुदा नालव्रण

(एई) गुदा या मलाशय पॉलीप

(ए एफ) गुदा सख्ती

(एजी) मल असंयम

(क) पेट की अल्ट्रासोनोग्राफी

(मैं) जिगर

(एए) उपयुक्त

(एएए) लिवर, सीबीडी, आईएचबीआर, पोर्टल और हेपेटिक नसों की सामान्य इको-एनाटॉमी, जिसमें लिवर का फैलाव मध्य-क्लैविक्युलर लाइन में 15 सेमी से अधिक नहीं होता है।

(एएबी) 2.5 सेमी व्यास तक का एकान्त सरल सिस्ट (पतली दीवार, एनेकोइक) बशर्ते कि एलएफटी सामान्य हो और हाइडैटिड सीरोलॉजी नकारात्मक हो।

(एएसी) प्रासंगिक नैदानिक परीक्षाओं और उचित जांच के आधार पर यदि एकल और 1 सेमी से कम है, जिसमें तपेदिक, सारकॉइडोसिस, हाइडैटिड रोग या यकृत फोड़ा जैसी सक्रिय बीमारी का कोई सबूत नहीं है, तो हेपेटिक कैल्सीफिकेशन को फिट माना जाएगा।

(अब) अयोग्य

(आआ) हेपटोमेगाली मध्य-क्लैविक्युलर रेखा में 15 सेमी से अधिक।

(आब) फैटी लीवर - ग्रेड 2 और 3, असामान्य एलएफटी की उपस्थिति में ग्रेड 1।

(एएसी) एकान्त पुटी > 2.5 सेमी.

(एएडी) मोटी दीवारों, सेप्टेशन, पैपिलरी प्रोजेक्शन, कैल्सीफिकेशन और मलबे के साथ किसी भी आकार की एकान्त पुटी।

(एएई) मल्टीपल हेपेटिक कैल्सीफिकेशन या क्लस्टर> 1 सेमी।

(आफ़) किसी भी आकार के एकाधिक यकृत सिस्ट।

(आग) आकार और स्थान की परवाह किए बिना कोई भी रक्तवाहिकार्बुद।

(आह) पोर्टल शिरा घनास्त्रता.

(आज) पोर्टल उच्च रक्तचाप के साक्ष्य (पीवी >13 मिमी, कोलेट्रल, जलोदर)।

(ii) **पित्ताशय की थैली**

(एए) उपयुक्त

(एएए) पित्ताशय की सामान्य इको-एनाटॉमी।

(आब)**पोस्ट लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी** . 08 सप्ताह (सामान्य एलएफटी, सामान्य हिस्टोपैथोलॉजी)

(एएसी)**ओपन कोलेसिस्टेक्टोमी के बाद** . 24 सप्ताह (इंसिज़नल हर्निया की अनुपस्थिति में)

(अब) अयोग्य

(आआ) कोलेलिथियसिस या पित्त कीचड़।

(आब) कोलेडोकोलिथियासिस।

(एएसी) किसी भी आकार और संख्या का पॉलीप।

(आद) कोलेडोकल सिस्ट.

(एएई) पित्ताशय द्रव्यमान.

(आफ़) पित्ताशय की दीवार की मोटाई > 05 मिमी.

(आग) सेप्टेट पित्ताशय.

(आह) बार-बार यूएसजी लेने पर पित्ताशय में लगातार सिकुड़न।

(आज) अपूर्ण कोलेसिस्टेक्टोमी

(एसी) **पित्ताशय की उत्पत्ति** के अभाव में उपयुक्त माना जायेगा
पित्त पथ की कोई अन्य असामान्यता। सभी मामलों के लिए एमआरसीपी किया जाएगा.

(iii) **तिल्ली**

(एए) अयोग्य

(एएए) प्लीहा अनुदैर्ध्य अक्ष में 13 सेमी से अधिक (या यदि चिकित्सकीय रूप से स्पर्शनीय हो)।

(आब) प्लीहा में कोई स्थान घेरने वाला घाव।

(एएसी) एस्पलेनिया।

(एएडी) जिन अभ्यर्थियों की आंशिक/पूर्ण स्प्लेनेक्टोमी हुई है, वे ऑपरेशन के कारण चाहे जो भी हों, अयोग्य हैं।

(iv) **अग्न्याशय**

(एए) अयोग्य

(एएए) कोई संरचनात्मक असामान्यता।

(आब) स्थान पर कब्ज़ा करने वाला घाव/बड़े पैमाने पर घाव।

(एएसी) क्रोनिक अग्नाशयशोथ की विशेषताएं (कैल्सीफिकेशन, डक्टल असामान्यता, शोष)।

(वी) **पेरिटोनियल गुहा**

(एए)अयोग्य

(एएए) जलोदर।

(एएबी) एकान्त मेसेन्टेरिक या रेट्रोपेरिटोनियल लिम्फ नोड> 1 सेमी। (एकल रेट्रोपेरिटोनियल एलएन <1 सेमी और वास्तुकला में सामान्य को उपयुक्त माना जा सकता है)।

(एएसी) किसी भी आकार के दो या अधिक लिम्फ नोड्स

(आद) कोई द्रव्यमान या पुटी.

(vi) **<u>प्रमुख उदर वाहिका (महाधमनी/आईवीसी)</u>** . किसी भी संरचनात्मक असामान्यता, फोकल एक्टेसिया, एन्यूरिज्म और कैल्सीफिकेशन को अनुपयुक्त माना जाएगा।

(vii) अपेंडिसक्टोमी

(मै) **लेप्रोस्कोपिक एपेंडेक्टोमी**न्यूनतम अवधि के बाद पोस्ट-ऑपरेटिव फिटनेस का मूल्यांकन किया जाएगा**04 सप्ताह**. उम्मीदवारों को फिट माना जाएगा यदि:-

(एए) पोस्ट साइट के घाव अच्छे से ठीक हो गए हैं

(अब) घाव कोमल हैं

(एसी) तीव्र अपेंडिसाइटिस की हिस्टो-पैथोलॉजिकल रिपोर्ट उपलब्ध है।

(विज्ञापन) यूएसजी द्वारा ओडी पोर्ट साइट इंसिज़नल हर्निया की अनुपस्थिति की पुष्टि

(ii) **मांसपेशी विभाजन दृष्टिकोण के साथ ओपन एपेंडेक्टोमी**न्यूनतम अवधि के बाद पोस्ट ऑप फिटनेस के लिए मूल्यांकन किया जाएगा**12 सप्ताह**. उम्मीदवारों को फिट माना जाएगा यदि:-

(एए) घाव अच्छे से ठीक हो गया है

(अब) निशान कोमल और गैर कोमल होता है

(एसी) तीव्र अपेंडिसाइटिस की हिस्टो-पैथोलॉजिकल रिपोर्ट उपलब्ध है

(विज्ञापन) यूएसजी ने सर्जिकल साइट इंसिज़नल हर्निया की अनुपस्थिति की पुष्टि की

(iii) **मांसपेशी कट दृष्टिकोण के साथ ओपन एपेंडेक्टोमी**न्यूनतम अवधि के बाद पोस्ट ऑप फिटनेस के लिए मूल्यांकन किया जाएगा**06 माह**. उम्मीदवारों को फिट माना जाएगा यदि:-

(एए) घाव अच्छे से ठीक हो गया है

(अब) निशान कोमल और गैर कोमल होता है

(एसी) तीव्र अपेंडिसाइटिस की हिस्टो-पैथोलॉजिकल रिपोर्ट उपलब्ध है

(विज्ञापन) यूएसजी ने सर्जिकल साइट इंसिज़नल हर्निया की अनुपस्थिति की पुष्टि की

21. **<u>मूत्रजननांगी प्रणाली</u>**

(ए) पेशाब या मूत्र प्रवाह में किसी भी बदलाव के बारे में पूछताछ की जानी चाहिए जैसे डिसुरिया, आवृत्ति, खराब प्रवाह इत्यादि। सिस्टिटिस के आवर्ती हमले; पायलोनेफ्राइटिस और हेमट्यूरिया को इतिहास से बाहर रखा जाना चाहिए। गुर्दे की शूल के किसी भी इतिहास, तीव्र नेफ्रैटिस के हमलों, गुर्दे की क्षति सहित गुर्दे की पथ पर किसी भी ऑपरेशन, पथरी या मूत्रमार्ग से स्राव के बारे में विस्तृत पूछताछ की जानी चाहिए। यदि अतीत या वर्तमान में एन्यूरिसिस का कोई इतिहास है, तो पूरा विवरण प्राप्त किया जाना चाहिए। मूत्रमार्ग से स्राव और यौन संचारित रोग (एसटीडी) का इतिहास जानना चाहिए।

(बी) जन्मजात विसंगतियों जैसे हाइपोस्पेडिया, एपिस्पैडिया, अस्पष्ट जननांग, अनडिसेंडेड टेस्टिस (यूडीटी) या एक्टोपिक टेस्टिस आदि की उपस्थिति को दूर करने के लिए बाहरी जननांग की सावधानीपूर्वक जांच की जानी चाहिए। हाइड्रोसील, वैरिकोसेले, एपिडीडिमल सिस्ट, फिमोसिस, यूरेथ्रल स्ट्रिक्चर जैसी स्थितियां। मीटल स्टेनोसिस आदि को भी खारिज किया जाना चाहिए। पालन किए जाने वाले मानदंड इस प्रकार हैं:

(मैं) **<u>अवरोही वृषण (यूडीटी)</u>**

(एए)<u>अयोग्य</u> - वृषण की कोई भी असामान्य स्थिति (एकतरफा या द्विपक्षीय) अनुपयुक्त है। आघात, मरोड़ या संक्रमण जैसे किसी भी कारण से द्विपक्षीय ऑर्किडेक्टोमी अनुपयुक्त है।

(अब)<u>उपयुक्त</u> - ऑपरेशन से ठीक किए गए यूडीटी को सर्जरी के कम से कम 04 सप्ताह बाद फिट माना जा सकता है, बशर्ते सर्जिकल सुधार के बाद वृषण का स्थान सामान्य हो और घाव अच्छी तरह से ठीक हो गया हो। सौम्य कारण के लिए एकतरफा एट्रोफिक वृषण/एकतरफा ऑर्किडेक्टोमी को उपयुक्त माना जा सकता है, बशर्ते अन्य वृषण आकार, निर्धारण और स्थान में सामान्य हों।

(ii) **<u>वृषण-शिरापस्फीति</u>**

(एए)<u>अयोग्य</u> - वर्तमान वैरिकोसेले के सभी ग्रेड।

(अब)<u>उपयुक्त</u> - वैरिकोसेले के पोस्ट-ऑपरेटिव मामलों में कोई अवशिष्ट वैरिकोसेले नहीं है और कोई पोस्ट ऑप जटिलता या टेस्टिकुलर एट्रोफी नहीं है, जिसके बाद उन्हें फिट किया जा सकता है**08 सप्ताह**सब-इंगुइनल वैरिकोकोएलेक्टोमी के लिए सर्जरी।

(iii) **<u>जलवृषण</u>**

(एए)<u>अयोग्य</u> - किसी भी तरफ करंट हाइड्रोसील।

(अब)<u>उपयुक्त</u> - हाइड्रोसील के ऑपरेशन के बाद मरीजों को फिट किया जा सकता है**08 सप्ताह**यदि ऑपरेशन के बाद कोई जटिलता न हो और घाव अच्छी तरह से ठीक हो गया हो तो सर्जरी की सलाह दी जाती है।

(iv) **<u>एपिडीडिमल सिस्ट/मास, स्पर्मेटोसेले</u>**

(एए)<u>अयोग्य</u> - सिस्ट/मास की वर्तमान उपस्थिति।

(अब)<u>उपयुक्त</u> - पोस्ट ऑपरेटिव मामले, जहां घाव अच्छी तरह से ठीक हो गया है, कोई पुनरावृत्ति नहीं है और केवल हिस्टोपैथोलॉजी रिपोर्ट पर सौम्य होने पर ही।

(वी) **<u>एपिडीडिमाइटिस/ऑर्काइटिस</u>**

(एए)<u>अयोग्य</u> - वर्तमान ऑर्काइटिस या एपिडीडिमाइटिस/तपेदिक की उपस्थिति।

(अब)<u>उपयुक्त</u> - उपचार के बाद, बशर्ते स्थिति पूरी तरह से ठीक हो गई हो।

(vi) **<u>एपिस्पैडियास/हाइपोस्पेडिया</u>**

(एए)<u>अयोग्य</u> - हाइपोस्पेडिया और एपिस्पेडिया की ग्लैनुलर विविधता को छोड़कर, सभी अनुपयुक्त हैं, जो स्वीकार्य है।

(अब)<u>उपयुक्त</u> - सफल सर्जरी के कम से कम 08 सप्ताह बाद पोस्ट-ऑपरेटिव मामले, बशर्ते रिकवरी पूरी हो और कोई जटिलता न हो।

(vii) **<u>शिश्न विच्छेदन.</u>** कोई भी विच्छेदन उम्मीदवार को अयोग्य बना देगा।

(viii)**<u>फाइमोसिस</u>**

(एए)<u>अयोग्य</u> - वर्तमान फिमोसिस, यदि स्थानीय स्वच्छता और मलत्याग में हस्तक्षेप करने के लिए पर्याप्त तंग है और/या बैलेनाइटिस ज़ेरोटिका ओब्लिटरन्स से जुड़ा हुआ है।

(अब)उपयुक्त - ऑपरेशन किए गए मामलों को सर्जरी के 04 सप्ताह बाद फिट माना जाएगा, बशर्ते घाव पूरी तरह से ठीक हो गया हो और ऑपरेशन के बाद कोई जटिलता न देखी गई हो।

(ix) **मांसल स्टेनोसिस**

(एए)अयोग्य - वर्तमान बीमारी, यदि इतनी छोटी हो कि मलत्याग में बाधा उत्पन्न कर सके।

(अब)उपयुक्त - सर्जरी के 04 सप्ताह की अवधि के बाद पर्याप्त रूप से ठीक हुए घाव और सर्जरी के बाद कोई जटिलता नहीं होने के साथ हल्की बीमारी मलत्याग और ऑपरेशन के बाद के मामलों में हस्तक्षेप नहीं करती है।

(एक्स) **स्ट्रिक्चर यूरेथ्रा, यूरेथ्रल फिस्टुला .**किसी भी इतिहास/वर्तमान मामले या पोस्ट-ऑप मामले अनुपयुक्त हैं।

(xi) **लिंग पुनर्निर्धारण सर्जरी/इंटरसेक्स स्थिति।** अयोग्य

(बारह) **नेफरेक्टोमी।** सर्जरी के प्रकार (सरल/रेडिकल/दाता/आंशिक/आरएफए/क्रायो-एब्लेशन) के बावजूद सभी मामले अनुपयुक्त हैं।

(xiii)**वृक्क प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ता.** अयोग्य

(xiv)**यूराचल सिस्ट :** 08 सप्ताह (किसी भी अवशेष के अभाव में फिट घोषित किया जाएगा)

(सी) **मूत्र परीक्षण**

(मैं) **प्रोटीनमेह.** प्रोटीनुरिया अस्वीकृति का कारण होगा, जब तक कि यह ऑर्थोस्टेटिक साबित न हो जाए।

(ii) **ग्लाइकोसुरिया।** जब ग्लाइकोसुरिया का पता चलता है, तो रक्त शर्करा परीक्षण (उपवास और 75 ग्राम ग्लूकोज के बाद) और ग्लाइकोसिलेटेड एचबी किया जाना चाहिए, और परिणामों के अनुसार फिटनेस का फैसला किया जाना चाहिए। रीनल ग्लाइकोसुरिया अस्वीकृति का कारण नहीं है।

(iii) **मूत्र संक्रमण.** जब उम्मीदवार के पास मूत्र संक्रमण का इतिहास या सबूत हो तो इसके लिए पूर्ण गुर्दे की जांच की आवश्यकता होगी। मूत्र संक्रमण के लगातार प्रमाण मिलने पर अस्वीकृति होगी।

(iv) **रक्तमेह.** हेमट्यूरिया के इतिहास वाले उम्मीदवारों की पूरी किडनी की जांच की जाएगी
जाँच पड़ताल।

(डी) **सतवकवृक्कशोथ**

(मैं) **तीव्र।** इस स्थिति में तीव्र चरण में, विशेषकर बचपन में, ठीक होने की दर अधिक होती है। एक उम्मीदवार जो पूरी तरह से ठीक हो गया है और उसे कोई प्रोटीनूरिया नहीं है, उसे न्यूनतम एक वर्ष की अवधि के बाद फिट माना जा सकता है बाद भरा हुआ
वसूली।

(ii) **दीर्घकालिक।** क्रोनिक ग्लोमेरुलोनेफ्राइटिस वाले उम्मीदवार को अस्वीकार कर दिया जाएगा।

(इ) गुर्दे की पथरी: आकार, संख्या, अवरोधक या गैर-अवरोधक के बावजूद, गुर्दे की पथरी का इतिहास (इतिहास या रेडियोलॉजिकल साक्ष्य) उम्मीदवार को अयोग्य बना देगा।

(एफ) **यौन संचारित रोग और मानव इम्यूनो डेफिशिएंसी वायरस (एचआईवी)।** सीरोपॉजिटिव एचआईवी स्थिति और/या एसटीडी के साक्ष्य को अस्वीकार कर दिया जाएगा।

पेट की अल्ट्रासोनोग्राफी - मूत्रजननांगी प्रणाली

(जी) **गुर्दे, मूत्रवाहिनी और मूत्राशय**

(मैं) अयोग्य

(एए) गुर्दे या मूत्र पथ की जन्मजात संरचनात्मक असामान्यताएं

(आआ) एकतरफा वृक्क एजेनेसिस।

(आब) एकतरफ़ा या द्विपक्षीय हाइपोप्लास्टिक/संकुचित किडनी का आकार कम होना 08 सेमी.

(एएसी) गुर्दे का ख़राब होना.

(आद) घोड़े की नाल की किडनी.

(एएई) फटी हुई किडनी.

(आफ़) क्रॉस फ़्यूज्ड/एक्टोपिक किडनी।

(अब) **साधारण वृक्क पुटी> 1.5 सेमी**

(एसी) जटिल सिस्ट/पॉलीसिस्टिक रोग/मल्टीपल या द्विपक्षीय सिस्ट।

(विज्ञापन) वृक्क/मूत्रवाहिनी/वेसिकल द्रव्यमान।

(एई) हाइड्रोनफ्रोसिस या हाइड्रोयूरेटेरोनफ्रोसिस।

(ए एफ) कैलकुली - रीनल/यूरेटेरिक/वेसिकल।

(एजी) कैलीएक्टैसिस

(ii) <u>उपयुक्त</u> - एकान्त, एकतरफा, सरल वृक्क पुटी <1.5 सेमी, बशर्ते कि पुटी परिधीय रूप से स्थित हो, गोल/अंडाकार, पतली चिकनी दीवार के साथ और कोई स्थान न हो, साथ पश्च वृद्धि, कोई मलबा नहीं, कोई सेप्टा नहीं और कोई ठोस घटक नहीं।

(iii) अपील के दौरान मेडिकल बोर्ड/रिव्यू मेडिकल बोर्ड अयोग्य उम्मीदवारों की विशिष्ट जांच और विस्तृत नैदानिक परीक्षा की जाएगी। किडनी की इको बनावट की पृथक असामान्यता वाले उम्मीदवारों को फिट माना जा सकता है यदि रीनल फ़ंक्शन, डीटीपीए स्कैन और सीईसीटी किडनी सामान्य है।

(एच) **<u>अंडकोश और वृषण</u> .**निम्नलिखित मामलों को अयोग्य बना दिया जाएगा:

(i) द्विपक्षीय क्षीण वृषण।

(ii) वैरिकोसेले (एकतरफा या द्विपक्षीय)।

(iii) वृषण का कोई असामान्य स्थान (एकतरफा या द्विपक्षीय)।

(iv) हाइड्रोसील

(v) एपिडीडिमल घाव जैसे सिस्ट।

22. **<u>अंत: स्रावी प्रणाली</u>**

(ए) किसी भी अंतःस्रावी स्थिति विशेष रूप से मधुमेह मेलेटस, थायरॉयड और अधिवृक्क ग्रंथियों के विकार, गोनाड आदि के लिए इतिहास का सावधानीपूर्वक पता लगाया जाना चाहिए। अंतःस्रावी विकारों का संकेत देने वाला कोई भी इतिहास अस्वीकृति का कारण होगा। किसी भी संदेह की स्थिति में मेडिकल स्पल/एंडोक्राइनोलॉजिस्ट की राय लेनी चाहिए।

(बी) अंतःस्रावी तंत्र की किसी भी स्पष्ट बीमारी का पता लगाने के लिए पूरी तरह से नैदानिक परीक्षा की जानी चाहिए। अंतःस्रावी रोग का कोई भी नैदानिक साक्ष्य अनुपयुक्त होगा।

(सी) असामान्य आयोडीन ग्रहण और असामान्य थायराइड हार्मोन स्तर वाले थायरॉयड सूजन के सभी मामलों को खारिज कर दिया जाएगा। थायराइड सूजन के सभी मामले अनुपयुक्त हैं।

(डी) मधुमेह मेलिटस पाए जाने वाले उम्मीदवारों को अस्वीकार कर दिया जाएगा। मधुमेह मेलिटस के पारिवारिक इतिहास वाले उम्मीदवार का रक्त शर्करा (उपवास और ग्लूकोज लोड के बाद) और एचबीए1सी मूल्यांकन किया जाएगा, जिसे रिकॉर्ड किया जाएगा।

23. **<u>त्वचाविज्ञान प्रणाली</u>**

(ए) दावा की गई या पाई गई किसी भी त्वचा संबंधी स्थिति की प्रकृति और गंभीरता की स्पष्ट तस्वीर प्राप्त करने के लिए उम्मीदवार की त्वचा की जांच के बाद सावधानीपूर्वक पूछताछ आवश्यक है। सीमावर्ती त्वचा की स्थितियों को त्वचा विशेषज्ञ के पास भेजा जाना चाहिए। जो उम्मीदवार किसी वाणिज्यिक यौनकर्मी (सीएसडब्ल्यू) के साथ यौन संबंध बनाने का इतिहास बताते हैं, या जिनके पास निशान के रूप में लिंग के घाव के ठीक होने का सबूत है, उन्हें स्पष्ट एसटीडी के अभाव में भी स्थायी रूप से अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए, क्योंकि ये उम्मीदवार संभावित रूप से 'पुनरावर्तक' हो सकते हैं। 'समान भोगवादी अनैतिक व्यवहार के साथ।

(बी) **<u>त्वचा के रोगों का आकलन.</u>** तीव्र गैर-एक्सेंथेमेटस और गैर-संचारी रोग, जो आमतौर पर अस्थायी रूप से चलते हैं, को अस्वीकृति का कारण बनने की आवश्यकता नहीं है। तुच्छ प्रकृति के रोग, और वे, जो सामान्य स्वास्थ्य में हस्तक्षेप नहीं करते हैं या अक्षमता का कारण नहीं बनते हैं, अस्वीकृति की आवश्यकता नहीं होती है।

(सी) उष्णकटिबंधीय परिस्थितियों में कुछ त्वचा संबंधी स्थितियां सक्रिय और अक्षम हो सकती हैं। कोई व्यक्ति सेवा के लिए अनुपयुक्त है यदि उसके पास पुरानी या आवर्ती त्वचा रोग का एक निश्चित इतिहास या लक्षण है। ऐसी कुछ स्थितियाँ नीचे वर्णित हैं:-

(मैं) इसे ध्यान में रखते हुए, पामोप्लांटर हाइपरहाइड्रोसिस की कुछ मात्रा शारीरिक है मेडिकल परीक्षण के दौरान भर्तीकर्ताओं को जिस स्थिति का सामना करना पड़ता है। हालाँकि, महत्वपूर्ण पामोप्लांटर हाइपरहाइड्रोसिस वाले उम्मीदवारों को अयोग्य माना जाना चाहिए।

(ii) हल्के (ग्रेड I) मुँहासे जिनमें कुछ कॉमेडोन या पपल्स होते हैं, केवल चेहरे पर स्थानीयकृत होते हैं, स्वीकार्य हो सकते हैं। हालाँकि, मध्यम से गंभीर स्तर के मुँहासे (नोडुलोसिस्टिक प्रकार केलोइडल निशान के साथ या बिना) या पीठ से जुड़े मुँहासे को अनुपयुक्त माना जाना चाहिए।

(iii) हथेलियों, तलवों और एड़ी पर हाइपरकेराटोटिक और फटी हुई त्वचा के साथ प्रकट होने वाले पामोप्लांटर केराटोडर्मा की किसी भी डिग्री को अयोग्य माना जाना चाहिए।

(iv) स्पष्ट शुष्क, पपड़ीदार, दरारयुक्त त्वचा के साथ ऊपरी और निचले अंगों से संबंधित इचथ्योसिस को अयोग्य माना जाना चाहिए। हल्के ज़ेरोसिस (शुष्क त्वचा) को उपयुक्त माना जा सकता है।

(v) केलॉइड वाले उम्मीदवारों को अयोग्य माना जाना चाहिए।

(vi) उंगली और पैर की उंगलियों के नाखूनों की चिकित्सकीय रूप से स्पष्ट ओनिकोमाइकोसिस को अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए, खासकर अगर यह नाखून डिस्ट्रोफी से जुड़ा हो। बिना किसी डिस्ट्रोफी के एकल नाखून से संबंधित डिस्टल मलिनकिरण की हल्की डिग्री स्वीकार्य हो सकती है।

(vii) विशाल जन्मजात मेलानोसाइटिक नेवी, 10 सेमी से अधिक को अयोग्य माना जाना चाहिए, क्योंकि इतने बड़े आकार के नेवी में घातक क्षमता होती है।

(viii) एकल कॉर्न्स/मस्से/कैलोसिटीज़ को सफल उपचार के तीन महीने बाद और पुनरावृत्ति न होने पर फिट माना जाएगा। हालाँकि, हथेलियों और तलवों पर एकाधिक मस्से/कॉर्न/कॉलोसिटीज़ या फैले हुए पामोप्लांटर मोज़ेक मस्से, हथेलियों और तलवों के दबाव वाले क्षेत्रों पर बड़ी कॉलोसिटी वाले उम्मीदवारों को अस्वीकार कर दिया जाना चाहिए।

(ix) सोरायसिस एक पुरानी त्वचा की स्थिति है जो बार-बार होने और/या दोबारा होने के लिए जानी जाती है और इसलिए इसे अयोग्य माना जाना चाहिए।

(x) कवर किए गए भागों को प्रभावित करने वाले ल्यूकोडर्मा की मामूली डिग्री से पीड़ित उम्मीदवारों को स्वीकार किया जा सकता है। विटिलिगो केवल लिंग के सिर और प्रीप्यूस तक सीमित माना जा सकता है। जिनकी त्वचा में व्यापक स्तर की भागीदारी हो और विशेष रूप से, जब उजागर हिस्से प्रभावित होते हों, यहां तक कि मामूली स्तर तक भी, उन्हें अनफिट कर दिया जाना चाहिए।

(डी) त्वचा संक्रमण के क्रोनिक या आवर्ती एपिसोड का इतिहास अस्वीकृति का कारण होगा। फॉलिकुलिटिस या साइकोसिस बारबे, जिससे पूरी तरह ठीक हो गया है, को फिट माना जा सकता है।

(ई) जिन व्यक्तियों को एक्जिमा जैसे गंभीर या अक्षम प्रकृति के त्वचा रोग के क्रोनिक या बार-बार आवर्ती एपिसोड होते हैं, उन्हें स्थायी रूप से अयोग्य और अस्वीकार कर दिया जाना चाहिए।

(एफ) कुष्ठ रोग का कोई भी लक्षण अस्वीकृति का कारण होगा। सभी परिधीय नसों की जांच की जानी चाहिए नसों की किसी भी मोटाई के लिए और कुष्ठ रोग का संकेत देने वाला कोई भी नैदानिक साक्ष्य अस्वीकृति का आधार है।

(जी) नेवस डेपिगमेंटोसस और बेकर्स नेवस को फिट माना जा सकता है। इंट्राडर्मल नेवस, वैस्कुलर नेवी को अनफिट किया जाना है।

(ज) पिट्रियासिस वर्सिकोलर को अयोग्य बनाया जाना है।

(जे) शरीर के किसी भी हिस्से में कोई फंगल संक्रमण (जैसे टीनिया क्रूरिस और टीनिया कॉर्पोरिस) होगा अयोग्य.

(के) ठीक होने पर स्क्रोटल एक्जिमा को फिट माना जा सकता है।

(एल) कैनिटीज़ (बालों का समय से पहले सफ़ेद होना) को उपयुक्त माना जा सकता है यदि इसकी प्रकृति हल्की है और नहीं प्रणालीगत जुड़ाव देखा जाता है।

(एम) इंटरट्रिगो को ठीक होने पर फिट माना जा सकता है।

(एन) जननांग अल्सर को अयोग्य माना जाना चाहिए। एसटीडी से बचने के लिए जननांग परीक्षण के एक भाग के रूप में गुदा और पेरिअनल क्षेत्र को भी शामिल किया जाना चाहिए।

(ओ) खुजली ठीक होने पर ही ठीक मानी जा सकती है।

(पी) खोपड़ी पर एलोपेसिया एरीटा एकल और छोटा (<2 सेमी व्यास) घाव स्वीकार किया जा सकता है। हालाँकि, यदि एकाधिक, अन्य क्षेत्रों को शामिल करते हुए या घाव वाले हों, तो उम्मीदवार को अस्वीकार कर दिया जाना चाहिए।

24. **<u>पुनर्निर्माण शल्यचिकित्सा</u>**

(ए)। **<u>गाइनेकोमैस्टिया</u>** गाइनेकोमेस्टिया: उम्मीदवारों को 12 सप्ताह की पश्चात अवधि के बाद फिट माना जाएगा यदि: -

(मैं) एक शल्य चिकित्सा घाव अच्छी तरह से ठीक हो गया है और कोई बीमारी शेष नहीं है

(ii) कोई पोस्ट ऑपरेटिव जटिलता नहीं

(iii) सर्जिकल निशान पर्याप्त रूप से परिपक्व होना चाहिए और सैन्य प्रशिक्षण के दौरान कोई समस्या उत्पन्न होने की संभावना नहीं होनी चाहिए

(iv) सामान्य सामान्य शारीरिक परीक्षण

(v) अंतःस्रावी कार्यप्रणाली सामान्य है

(बी)। **<u>पोलिमाज़िया</u>** यदि सर्जिकल घाव अच्छी तरह से ठीक हो गया हो और कोई शेष बीमारी न हो, तो पोस्ट ऑपरेटिव अवधि के 12 सप्ताह के बाद उम्मीदवारों को फिट माना जाएगा।

25. <u>मस्कुलोस्केलेटल प्रणाली और शारीरिक क्षमता</u>

(ए) उम्मीदवार की काया का मूल्यांकन स्पष्ट मांसपेशियों के विकास, आयु, ऊंचाई, वजन और इसके सहसंबंध यानी प्रशिक्षण के साथ शारीरिक सहनशक्ति हासिल करने की संभावित क्षमता जैसे सामान्य मापदंडों के सावधानीपूर्वक अवलोकन पर आधारित होना चाहिए। उम्मीदवार की शारीरिक क्षमता सामान्य शारीरिक विकास या किसी संवैधानिक या रोग संबंधी स्थिति से प्रभावित होती है।

(बी) **<u>रीढ़ की हड्डी की स्थितियाँ</u>** रीढ़ की हड्डी या सैक्रोइलियक जोड़ों की बीमारी या चोट का पिछला चिकित्सा इतिहास, वस्तुनिष्ठ संकेतों के साथ या बिना, जिसने उम्मीदवार को शारीरिक रूप से सक्रिय जीवन का सफलतापूर्वक पालन करने से रोका है, कमीशनिंग के लिए अस्वीकृति का कारण है। बार-बार होने वाले लूम्बेगो/स्पाइनल फ्रैक्चर/प्रोलैप्स्ड इंटरवर्टेब्रल डिस्क का इतिहास और इन स्थितियों के लिए सर्जिकल उपचार से अस्वीकृति होगी।

(सी) **<u>रीढ़ की हड्डी का मूल्यांकन</u>**

(मैं) **<u>नैदानिक परीक्षण।</u>** सामान्य थोरैसिक किफोसिस और सर्वाइकल/लम्बर लॉर्डोसिस बमुश्किल ध्यान देने योग्य होते हैं और दर्द या गति के प्रतिबंध से जुड़े नहीं होते हैं।

(एए) यदि चिकित्सीय जांच में रीढ़ की गतिविधियों में बाधा, विकृति, रीढ़ की कोमलता या चाल में कोई असामान्यता का पता चलता है, तो उसे अयोग्य माना जाएगा।

(अब) सकल किफोसिस, सैन्य असर को प्रभावित करता है/रीढ़ की पूरी शृंखला को प्रतिबंधित करता है छाती का हिलना-डुलना और/या फैलना ठीक नहीं है।

(एसी) स्कोलियोसिस अनुपयुक्त है, यदि विकृति रीढ़ की हड्डी के पूर्ण लचीलेपन पर बनी रहती है, जब रीढ़ की गतिविधियों की सीमित सीमा से जुड़ी होती है या जब किसी अंतर्निहित रोग संबंधी कारण से होती है। जब स्कोलियोसिस ध्यान देने योग्य हो या रीढ़ की किसी रोग संबंधी स्थिति का संदेह हो, तो रीढ़ के उचित हिस्से की रेडियोग्राफिक जांच की जानी चाहिए।

(ii) **<u>स्पाइना बिफिडा</u> .**नैदानिक परीक्षण में निम्नलिखित मार्करों को देखा जाना चाहिए और रेडियोलॉजिकल मूल्यांकन के साथ इसकी पुष्टि की जानी चाहिए:

(एए) रीढ़ की हड्डी से संबंधित जन्मजात दोष जैसे हाइपरट्रिकोसिस, त्वचा पर डिंपल, हेमांगीओमा, पिगमेंटेड नेवस या त्वचीय साइनस।

(अब) रीढ़ की हड्डी पर लिपोमा की उपस्थिति.

(एसी) स्पर्शनीय स्पाइना बिफिडा।

(विज्ञापन) न्यूरोलॉजिकल परीक्षण पर असामान्य निष्कर्ष।

(डी) **<u>रेडियोग्राफ़ रीढ़.</u>** उड़ान कर्तव्यों के लिए, ग्रीवा का रेडियोग्राफ़ (एपी और पार्श्व दृश्य), वक्ष और लुंबोसैक्रल रीढ़ की हड्डी का ऑपरेशन किया जाना है। जमीनी कर्तव्यों के लिए, रेडियोग्राफिक परीक्षा (एलएस रीढ़ की एपी और पार्श्व दृश्य) की जानी है।

(इ) **<u>रीढ़ की हड्डी की स्थितियाँ वायु सेना की ड्यूटी (उड़ान और ग्राउंड ड्यूटी दोनों) के लिए उपयुक्त नहीं हैं</u>**

(मैं) **<u>जन्मजात/विकासात्मक विसंगतियाँ</u>**

(एए) वेज कशेरुका

(अब) हेमीवर्टेब्रा

(एसी) पूर्वकाल केन्द्रीय दोष

(विज्ञापन) गर्भाशय ग्रीवा की पसलियां (एकतरफा/द्विपक्षीय) स्पष्ट न्यूरोलॉजिकल या संचार संबंधी कमी के साथ

(एई) स्पाइनाबिफिडा:- सैक्रम और एलवी5 को छोड़कर सभी प्रकार अनुपयुक्त हैं (यदि पूरी तरह से सैक्रलाइज्ड है)

(ए एफ) चिकित्सीय दृष्टि से प्रतिबंधित होने पर मूल्यांकन करने पर सर्वाइकल लॉर्डोसिस का नुकसान ग्रीवा रीढ़ की गति.

(एजी) स्कोलियोसिस का आकलन। लम्बर स्पाइन के लिए 10 डिग्री तक और डोर्सल स्पाइन के लिए 15 डिग्री तक इडियोपैथिक स्कोलियोसिस स्वीकार्य होगा, बशर्ते:

(मैं) व्यक्ति स्पर्शोन्मुख है

(ii) रीढ़ की हड्डी में आघात का कोई इतिहास नहीं

(iii) काठ की रीढ़ में कोई छाती विषमता/कंधे का असंतुलन या पेल्विक तिरछापन नहीं।

(iv) कोई न्यूरोलॉजिकल कमी नहीं है

(v) रीढ़ की हड्डी में कोई जन्मजात विसंगति नहीं

(vi) सिन्ड्रोमिक विशेषताओं का अभाव है

(vii) ईसीजी सामान्य है

(viii) रीढ़ की हड्डी के पूर्ण लचीलेपन पर कोई विकृति नहीं होती है

(ix) गतिविधियों की सीमा पर कोई प्रतिबंध नहीं

(x) संरचनात्मक असामान्यता उत्पन्न करने वाला कोई जैविक दोष नहीं

(आह) एटलांटो-ओसीसीपिटल और एटलांटो-अक्षीय विसंगतियाँ

(एजे) ग्रीवा, पृष्ठीय या काठ में किसी भी स्तर पर अपूर्ण ब्लॉक (जुड़ा हुआ) कशेरुका
रीढ़ की हड्डी।

(एके) ग्रीवा या पृष्ठीय रीढ़ में एक से अधिक स्तर पर पूर्ण ब्लॉक (फ्यूज्ड) कशेरुका। (एकल स्तर स्वीकार्य है। एनोटेशन AFMSF-2 में किया जाना है)

(अल) एकतरफा पवित्रीकरण या लुम्बराइजेशन (पूर्ण या अपूर्ण) और
द्विपक्षीय अपूर्ण सैक्रलाइजेशन या लम्बराइजेशन (LSTV- कैस्टेलवी टाइप II ए और बी, III ए और IV) (एलवी5 का द्विपक्षीय पूर्ण सैक्रलाइजेशन और एसवी1 यानी एलएसटीवी कास्टेलवी टाइप III बी और टाइप I ए और बी का द्विपक्षीय पूर्ण लम्बराइजेशन स्वीकार्य है (एनोटेशन है) एएफएमएसएफ-2 में बनाया जाए)

(ii) **<u>दर्दनाक स्थितियाँ</u>**

(एए) स्पोंडिलोलिसिस/ स्पोंडिलोलिस्थीसिस

(अब) कशेरुका का संपीड़न फ्रैक्चर

(एसी) इंटरवर्टेब्रल डिस्क प्रोलैप्स

(विज्ञापन) श्मोरल के नोड्स एक से अधिक स्तरों पर

(iii) **<u>संक्रामक</u>**

(एए) तपेदिक और रीढ़ की अन्य ग्रैनुलोमेटस बीमारी (पुरानी या सक्रिय)

(अब) संक्रामक स्पॉन्डिलाइटिस

(iv) **<u>स्व-प्रतिरक्षित</u>**

(एए) रुमेटीइड गठिया और संबद्ध विकार

(अब) रीढ़ के जोड़ों में गतिविधि-रोधक सूजन

(एसी) रीढ़ की हड्डी के अन्य रुमेटोलॉजिकल विकार जैसे पॉलीमायोसिटिस, एसएलई और वास्कुलाइटिस

(वी) **<u>अपक्षयी</u>**

(एए) स्पोंडिलोसिस

(अब) अपक्षयी संयुक्त विकार

(एसी) अपकर्षक कुंडल रोग

(विज्ञापन) ऑस्टियोआर्थ्रोसिस/ऑस्टियोआर्थराइटिस

(एई) शेउरमैन रोग (किशोर क्यफोसिस)

(vi) **रीढ़ की हड्डी में कोई अन्य असामान्यता, यदि विशेषज्ञ ने ऐसा माना हो।**

(एफ) **<u>ऊपरी अंगों के मूल्यांकन को प्रभावित करने वाली स्थितियाँ</u>**

(i) ऊपरी अंगों या उनके हिस्सों की विकृति अस्वीकृति का कारण होगी। किसी अंग के विच्छेदन वाले उम्मीदवार को प्रवेश के लिए स्वीकार नहीं किया जाएगा। हालाँकि, दोनों तरफ की छोटी उंगली के अंतिम भाग का विच्छेदन स्वीकार्य है।

(ii) **<u>ठीक हुए फ्रैक्चर</u>**

(एए) सभी इंट्रा-आर्टिकुलर फ्रैक्चर, विशेष रूप से प्रमुख जोड़ों (कंधे, कोहनी, कलाई, कूल्हे, घुटने और टखने) के सर्जरी के साथ या बिना, प्रत्यारोपण के साथ या बिना प्रत्यारोपण के अनफिट माना जाएगा।

(एबी) पोस्ट ऑपरेटिव इम्प्लांट इन-सीटू के साथ सभी एक्स्ट्रा-आर्टिकुलर फ्रैक्चर को अनफिट माना जाएगा और इम्प्लांट हटाने के न्यूनतम 12 सप्ताह के बाद फिटनेस के लिए विचार किया जाएगा।

(एसी) सभी लंबी हड्डियों (ऊपरी और निचले दोनों अंगों) की अतिरिक्त-आर्टिकुलर चोटों के बाद मूल्यांकन पर विचार करने के लिए नौ (09) महीने की न्यूनतम अवधि होगी, जिसे रूढ़िवादी तरीके से प्रबंधित किया गया है। व्यक्ति को फिट माना जाएगा यदि:-

(आआ) ग़लत संरेखण/मैलुनियन का कोई सबूत नहीं

(आब) कोई न्यूरो वैस्कुलर कमी नहीं

(एएसी) कोई मुलायम ऊतक हानि नहीं

(आद) कोई फ़ंक्शन कमी नहीं

(एएई) ऑस्टियोमाइलाइटिस/सीक्वेस्ट्रा गठन का कोई सबूत नहीं

(iii) **<u>उंगलियाँ और हाथ</u>**

(ए) **<u>पॉलीडेक्टाइली</u>** ऑपरेशन के 12 सप्ताह बाद फिटनेस का आकलन किया जा सकता है। यदि हड्डी में कोई असामान्यता (एक्स-रे) नहीं है, घाव अच्छी तरह से ठीक हो गया है, निशान कोमल है और नैदानिक परीक्षण में न्यूरोमा का कोई सबूत नहीं है, तो उसे फिट घोषित किया जा सकता है।

(बी) **<u>सरल सिंडैक्ट्यली</u>** ऑपरेशन के 12 सप्ताह बाद फिटनेस का आकलन किया जा सकता है। यदि हड्डी में कोई असामान्यता (एक्स-रे) नहीं है, घाव ठीक हो गया है, निशान कोमल है और वेबस्पेस संतोषजनक है तो उसे फिट घोषित किया जा सकता है।

(सी) **<u>जटिल सिंडैक्टली</u>** अयोग्य

(डी) **<u>अतिविस्तारित अंगुलियों के जोड़</u>** सभी अभ्यर्थियों की हाइपरएक्सटेंसिबल उंगली के जोड़ों की गहन जांच की जाएगी। 90 डिग्री से अधिक पीछे की ओर झुकने वाली उंगलियों के किसी भी विस्तार को हाइपर एक्स्टेंसिबल माना जाएगा और अयोग्य माना जाएगा। अत्यधिक शिथिलता/अतिसक्रियता की विशेषताओं के लिए घुटने, कोहनी, रीढ़ और अंगूठे जैसे अन्य जोड़ों की भी सावधानीपूर्वक जांच की जाएगी। यद्यपि व्यक्ति अन्य जोड़ों में अत्यधिक शिथिलता की विशेषताएं नहीं दिखा सकता है, उंगली के जोड़ों की अत्यधिक विस्तारशीलता की पृथक प्रस्तुति को विभिन्न बीमारियों के कारण अनुपयुक्त माना जाएगा जो बाद में प्रकट हो सकती हैं यदि ऐसे उम्मीदवारों को कठोर शारीरिक प्रशिक्षण के अधीन किया जाता है।

(इ) **<u>मैलेट उंगली</u>** डिस्टल इंटरफैन्जियल में एक्सटेंसर तंत्र का नुकसान
जोड़ मैलेट फिंगर की ओर जाता है। क्रोनिक मैलेट विकृति के कारण पीआईपी और एमसीपी जोड़ में द्वितीयक परिवर्तन हो सकते हैं जिसके परिणामस्वरूप हाथ की कार्यक्षमता प्रभावित हो सकती है। डीआईपी जोड़ों में गति की सामान्य सीमा 0-80 डिग्री है और पीआईपी जोड़ लचीलेपन और विस्तार दोनों में 0-90 डिग्री है। मैलेट फिंगर में उम्मीदवार उंगलियों के डिस्टल फालानक्स को पूरी तरह से फैलाने/सीधा करने में असमर्थ होता है।

(एफ) हल्की स्थिति वाले यानी बिना किसी आघात, दबाव के लक्षण और किसी कार्यात्मक कमी के 10 डिग्री से कम विस्तार अंतराल वाले उम्मीदवारों को फिट घोषित किया जाना चाहिए।

(छ) उंगलियों की निश्चित विकृति वाले अभ्यर्थियों को अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा।

(iv) **<u>कलाई।</u>** कठोरता की डिग्री के अनुसार कलाई की गति की दर्द रहित सीमा का आकलन किया जाएगा। पृष्ठीय लचीलेपन का नुकसान पामर लचीलेपन के नुकसान से अधिक गंभीर है।

(वी) **<u>कोहनी.</u>** गतिविधि की थोड़ी सी सीमा स्वीकृति पर रोक नहीं लगाती, बशर्ते कार्यात्मक क्षमता पर्याप्त हो। एंकिलोसिस के कारण अस्वीकृति होगी। कहा जाता है कि क्यूबिटस वाल्गस तब मौजूद होता है जब ले जाने वाला कोण (शारीरिक मुद्रा में बांह और बांह के बीच का कोण) अतिरंजित होता है। कार्यात्मक विकलांगता के अभाव में और फ्रैक्चर जैसे स्पष्ट कारण-

यूनियन, फाइब्रोसिस या उसके समान, पुरुष उम्मीदवारों के लिए 15° और महिला उम्मीदवारों के लिए 18° तक का कैरीइंग एंगल फिट बनाया जाएगा।

(vi) **<u>कोहनी के जोड़ पर हाइपरएक्स्टेंशन:</u>** व्यक्तियों की कोहनी स्वाभाविक रूप से अत्यधिक विस्तारित हो सकती है। यह स्थिति कोई चिकित्सीय समस्या नहीं है, लेकिन फ्रैक्चर या पुराने दर्द का कारण हो सकती है, विशेष रूप से उस तनाव और तनाव को देखते हुए जिसमें सैन्य आबादी शामिल है। इसके अलावा, तटस्थ स्थिति के 10 डिग्री के भीतर कोहनी को वापस लाने में असमर्थता भी हानि है। दैनिक जीवन की गतिविधियां।

(एए) माप पद्धति: गोनियोमीटर का उपयोग करके मापा जाता है

(एबी) सिफ़ारिश: सामान्य कोहनी का विस्तार 0 डिग्री है। यदि रोगी को जोड़ में आघात का कोई इतिहास नहीं है, तो 10 डिग्री तक हाइपरएक्स्टेंशन सामान्य सीमा के भीतर है। 10 डिग्री से अधिक हाइपरएक्स्टेंशन वाला कोई भी व्यक्ति अयोग्य होना चाहिए।

(vii) > 5 डिग्री का क्यूबिटस वरस अनुपयुक्त होगा।

(viii)**<u>क्यूबिटस रिकर्वटम</u>** क्यूबिटस रिकर्वटम>10 डिग्री अनुपयुक्त है।

(ix) **<u>कंधे करधनी</u>** . सुधारात्मक सर्जरी के साथ या उसके बिना कंधे की बार-बार अव्यवस्था का इतिहास अनुपयुक्त होगा।

(एक्स) **<u>हंसली</u>** . पुराने फ्रैक्चर हंसली के न जुड़ने पर अस्वीकृति हो जाएगी। कार्य की हानि के बिना और स्पष्ट विकृति के बिना मेल-यूनाइटेड हंसली का फ्रैक्चर स्वीकार्य है।

(जी) **<u>निचले अंगों के मूल्यांकन को प्रभावित करने वाली स्थितियाँ</u>**

(i) हॉलक्स वाल्गस जिसका कोण >20 डिग्री और पहला-दूसरा मेटाटार्सल कोण >10 डिग्री है, अनुपयुक्त है। गोखरू, कॉर्न्स या कैलोसिटीज़ के साथ किसी भी डिग्री का हॉलक्स वाल्गस अनुपयुक्त है।

(ii) हॉलक्स रिगिडस सेवा के लिए अनुपयुक्त है।

(iii) बिना लक्षण वाले पृथक एकल लचीले हल्के हैमर टो को स्वीकार किया जा सकता है। कॉर्न्स, कैलोसिटीज़, मैलेट टोज़ या मेटा-टार्सो-फैलेन्जियल जॉइंट (क्लॉ टो विकृति) पर हाइपरएक्सटेंशन से जुड़ी निश्चित (कठोर) विकृति या हैमर टो को अस्वीकार कर दिया जाना चाहिए।

(iv) किसी भी अंक/पैर की उंगलियों के खो जाने पर अस्वीकृति होती है।

(v) यदि आसन्न अंकों के साथ हड्डी की निरंतरता है तो अतिरिक्त अंकों को अस्वीकार कर दिया जाएगा। सिंडैक्टली के मामले खारिज कर दिए जाएंगे.

(vi) **<u>पेस प्लैनस (फ्लैट पैर)</u>**

(एए) यदि पैर की उंगलियों पर खड़े होने पर पैरों की चाप फिर से दिखाई देती है, यदि उम्मीदवार पैर की उंगलियों पर अच्छी तरह से कूद और दौड़ सकता है और यदि पैर कोमल, मोबाइल और दर्द रहित हैं, तो उम्मीदवार स्वीकार्य है।

(एबी) कठोर या स्थिर सपाट पैर, मोटे सपाट पैर, प्लेनोवाल्गस के साथ, एड़ी का मुड़ना, पैर की उंगलियों पर खुद को संतुलित नहीं कर सकता, अगले पैर पर कूद नहीं सकता, कोमल दर्दनाक टार्सल जोड़, तालु का प्रमुख सिर अनुपयुक्त माना जाएगा। पैर की गतिविधियों पर प्रतिबंध भी अस्वीकृति का एक कारण होगा। पैर की कठोरता, चाहे पैर का आकार कुछ भी हो, अस्वीकृति का कारण है।

(vii) **<u>पेस कैवस और टैलिपस (क्लब फुट)।</u>** बिना किसी कार्यात्मक सीमा के इडियोपैथिक पेस कैवस की हल्की डिग्री स्वीकार्य है। जैविक रोग के कारण मध्यम और गंभीर पेस कैवस और पेस कैवस को अस्वीकार कर दिया जाएगा। टैलिपस (क्लब फुट) के सभी मामले खारिज कर दिए जाएंगे।

(viii)**<u>टखने के जोड़.</u>** पिछली चोटों के बाद चलने-फिरने में कोई महत्वपूर्ण बाधा स्वीकार नहीं की जाएगी। जहां भी आवश्यक हो, इमेजिंग के साथ कार्यात्मक मूल्यांकन किया जाना चाहिए।

(ix) **<u>घुटने का जोड़</u>**. किसी भी लिगामेंटस शिथिलता को स्वीकार नहीं किया जाता है। जिन अभ्यर्थियों की एसीएल पुनर्निर्माण सर्जरी हुई है उन्हें अयोग्य माना जाएगा।

(x) जेनु वाल्गम (नॉक नी) जिसकी इंटरमैलेओलर दूरी पुरुषों में > 5 सेमी और महिलाओं में > 8 सेमी है, अनुपयुक्त होगी।

(xi) जेनु वेरम (धनुष पैर) जिनकी इंटरकॉन्डाइलर दूरी >7 सेमी है, को अनुपयुक्त माना जाएगा।

(बारह) **<u>जेनु रिकर्वटम.</u>** यदि घुटने का हाइपरएक्स्टेंशन 10 डिग्री के भीतर है और किसी अन्य विकृति के साथ नहीं है, तो उम्मीदवार को फिट माना जाना चाहिए।

(xiii) कूल्हे के जोड़ में वास्तविक क्षति या गठिया के शुरुआती लक्षण दिखने पर अस्वीकृति होगी।

(xiv)**<u>परिधीय संवहनी प्रणाली</u>**

(एए)<u>वैरिकाज - वेंस</u> . सक्रिय वैरिकाज़ नसों वाले सभी मामलों को अनफिट घोषित कर दिया जाएगा। वैरिकोज वेन्स के पोस्ट-ऑप मामले भी अनफिट रहते हैं।

(अब) <u>धमनी प्रणाली</u> . धमनियों और रक्त वाहिकाओं की असामान्यताओं का वर्तमान या इतिहास जैसे एन्यूरिज्म, धमनीशोथ और परिधीय धमनी रोग को अनुपयुक्त माना जाएगा।

(एसी)<u>लिम्फोडेमा।</u> अतीत/वर्तमान बीमारी का इतिहास उम्मीदवार को अयोग्य बनाता है।

26. <u>केंद्रीय तंत्रिका तंत्र</u>

(ए) मानसिक बीमारी/मनोवैज्ञानिक पीड़ा का इतिहास बताने वाले उम्मीदवार को विस्तृत जांच और मनोरोग रेफरल की आवश्यकता होती है। ऐसे मामलों को आम तौर पर खारिज कर दिया जाना चाहिए. प्रायः इतिहास स्वैच्छिक नहीं होता। परीक्षक को सीधे प्रश्न पूछकर इतिहास जानने का प्रयास करना चाहिए, जो उपयोगी हो भी सकता है और नहीं भी। प्रत्येक परीक्षक को उम्मीदवार के समग्र व्यक्तित्व के बारे में एक सामान्य धारणा बनानी चाहिए और कठिन और तनावपूर्ण स्थितियों के प्रति व्यक्ति की स्थिरता और अभ्यस्त प्रतिक्रियाओं के बारे में पूछताछ करनी चाहिए। पारिवारिक इतिहास और दवा के उपयोग का पूर्व इतिहास भी प्रासंगिक है।

(बी) अनिद्रा, फोबिया, बुरे सपने या बार-बार नींद में चलने या बिस्तर गीला करने का इतिहास, जब बार-बार या लगातार होता है, तो अस्वीकृति का कारण होगा।

(सी) बार-बार होने वाले सिरदर्द के सामान्य प्रकार वे हैं जो पूर्व सिर की चोट या माइग्रेन के कारण होते हैं। सामयिक सिरदर्द के अन्य रूपों पर उनके संभावित कारण के संबंध में विचार किया जाना चाहिए। माइग्रेन से पीड़ित एक उम्मीदवार, जो इतना गंभीर था कि उसे अपने डॉक्टर से परामर्श लेना पड़ा, आम तौर पर अस्वीकृति का कारण होना चाहिए। यहां तक कि दृश्य गड़बड़ी या माइग्रेनस मिर्गी के साथ माइग्रेन का एक भी दौरा भी अनुपयुक्त बना दिया जाता है।

(डी) उम्मीदवार में मिर्गी का इतिहास अस्वीकृति का एक कारण है। पांच वर्ष की आयु के बाद ऐंठन/दौरे भी अस्वीकृति का एक कारण हैं। शैशवावस्था में ऐंठन अशुभ प्रकृति की नहीं हो सकती है, बशर्ते ऐसा प्रतीत हो कि ऐंठन ज्वर संबंधी ऐंठन थी और किसी भी प्रकट तंत्रिका संबंधी कमी से जुड़ी नहीं थी। मिर्गी के कारणों में आनुवंशिक कारक, दर्दनाक मस्तिष्क की चोट, स्ट्रोक, संक्रमण, डिमाइलेटिंग और अपक्षयी विकार, जन्म दोष, मादक द्रव्यों के सेवन और वापसी दौरे शामिल हैं। जांच सिर्फ बड़े हमलों तक ही सीमित नहीं रहनी चाहिए. दौरे को "बेहोशी" के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है और इसलिए "बेहोशी" की आवृत्ति और परिस्थितियों का पता लगाया जाना चाहिए। ऐसे हमलों को अनुपयुक्त बना दिया जाएगा, चाहे उनकी स्पष्ट प्रकृति कुछ भी हो। एक पृथक बेहोशी के हमले में बेहोशी और दौरे के बीच अंतर करने के लिए सभी संबंधित कारकों की जांच की आवश्यकता होती है, उदाहरण के लिए स्कूल में बेहोशी आम घटना है और

थोड़ा महत्व हो सकता है. जटिल आंशिक दौरे, जो होंठ चटकाने, चबाने, घूरने, स्तब्ध दिखने और अनुत्तरदायी की अवधि के रूप में वनस्पति आंदोलनों के रूप में प्रकट हो सकते हैं, उम्मीदवार को अयोग्य बनाने के मानदंड हैं।

(ई) बार-बार हीट स्ट्रोक, हाइपरपायरेक्सिया या हीट थकावट के हमलों का इतिहास वायु सेना के कर्तव्यों के लिए रोजगार को रोकता है, क्योंकि यह दोषपूर्ण गर्मी विनियमन तंत्र का प्रमाण है। गर्मी के प्रभाव का एक भी गंभीर हमला, बशर्ते जोखिम का इतिहास गंभीर था, और कोई स्थायी सीक्वेल स्पष्ट नहीं था, अपने आप में, उम्मीदवार को अस्वीकार करने का कारण नहीं है।

(एफ) सिर पर गंभीर चोट का इतिहास अस्वीकृति का एक कारण है। सिर की चोट के अन्य परिणाम जैसे पोस्ट-कंसक्शन सिंड्रोम, फोकल न्यूरोलॉजिकल डेफिसिट और पोस्ट ट्रॉमैटिक मिर्गी पर ध्यान दिया जाना चाहिए जो सिरदर्द, चक्कर आना, अनिद्रा, बेचैनी, चिड़चिड़ापन, खराब एकाग्रता और ध्यान की कमी के व्यक्तिपरक लक्षणों से जुड़ा हो सकता है। पोस्ट ट्रॉमैटिक न्यूरोसाइकोलॉजिकल हानि भी हो सकती है जिसमें ध्यान एकाग्रता, सूचना प्रसंस्करण गति, मानसिक लचीलेपन और फ्रंटल लोब कार्यकारी कार्यों और मनोसामाजिक कामकाज में कमी शामिल है। पाइस्कोमेट्री सहित न्यूरोसाइकोलॉजिकल परीक्षण इन पहलुओं का आकलन कर सकता है। यह समझना महत्वपूर्ण है कि सीक्वेल काफी समय तक बना रह सकता है और स्थायी भी हो सकता है। खोपड़ी का फ्रैक्चर अस्वीकृति का कारण नहीं होना चाहिए जब तक कि संबंधित इंट्राक्रैनियल क्षति या कैल्वेरिया में किसी अवशिष्ट हड्डी दोष का इतिहास न हो। जब गंभीर चोट या संबंधित ऐंठन हमले का इतिहास हो, तो एक इलेक्ट्रोएन्सेफलोग्राम किया जाना चाहिए जो सामान्य होना चाहिए। गड़गड़ाहट वाले छिद्रों की उपस्थिति उड़ान कर्तव्यों के लिए अस्वीकृति का कारण होगी, लेकिन जमीनी कर्तव्यों के लिए नहीं। प्रत्येक मामले का निर्णय व्यक्तिगत गुण-दोष के आधार पर किया जाना चाहिए। स्वीकृति से पहले न्यूरोसर्जन और मनोचिकित्सक की राय जरूर लेनी चाहिए।

(छ) जब तंत्रिका संबंधी विकार, मानसिक रोग या किसी नजदीकी रिश्तेदार की आत्महत्या का इतिहास प्राप्त होता है, तो मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से व्यक्तिगत अतीत के इतिहास की सावधानीपूर्वक जांच की जानी चाहिए। व्यक्तिगत इतिहास या वर्तमान स्थिति में थोड़ी सी भी मनोवैज्ञानिक अस्थिरता के किसी भी सबूत को अस्वीकार कर दिया जाना चाहिए और उम्मीदवार को आगे के मूल्यांकन के लिए मनोचिकित्सक के पास भेजा जाना चाहिए।

(ज) यदि मिर्गी का पारिवारिक इतिहास स्वीकार किया जाता है, तो इसके प्रकार को निर्धारित करने का प्रयास किया जाना चाहिए। जब स्थिति निकट (प्रथम डिग्री) रिश्तेदार में हुई हो, तो उम्मीदवार को स्वीकार किया जा सकता है, यदि उसके पास चेतना, न्यूरोलॉजिकल घाटे या उच्च मानसिक कार्यों की संबंधित गड़बड़ी का कोई इतिहास नहीं है और उसका इलेक्ट्रोएन्सेफलोग्राम पूरी तरह से सामान्य है।

(जे) भावनात्मक स्थिरता के मूल्यांकन में पारिवारिक और व्यक्तिगत इतिहास, कोई भी शामिल होना चाहिए तनाव के तहत भावनात्मक अस्थिरता का संकेत, जैसा कि एक बच्चे के रूप में अनुचित भावनात्मकता की घटना या किसी पिछली तंत्रिका संबंधी बीमारी या टूटन से प्रमाणित होता है। जांच के दौरान हकलाना, तीखापन, नाखून चबाना, अत्यधिक हाइपरहाइड्रोसिस या बेचैनी की उपस्थिति भावनात्मक अस्थिरता का संकेत हो सकती है और इसे अनफिट किया जाना चाहिए।

(के) मनोविकृति से पीड़ित सभी उम्मीदवारों को अस्वीकार कर दिया जाएगा। किसी भी रूप में नशीली दवाओं पर निर्भरता भी अस्वीकृति का एक कारण होगी।

(एल) **<u>साइकोन्यूरोसिस</u>**. मानसिक रूप से अस्थिर और विक्षिप्त व्यक्ति कमीशन के लिए अयोग्य हैं। किशोर और वयस्क अपराध, नर्वस ब्रेकडाउन का इतिहास या दीर्घकालिक खराब स्वास्थ्य अस्वीकृति का कारण है। ऐसे कारकों पर विशेष रूप से ध्यान दिया जाना चाहिए जैसे दुखी बचपन, खराब पारिवारिक पृष्ठभूमि, अनुपस्थिति, किशोर और वयस्क अपराध, खराब रोजगार और सामाजिक कुसमायोजन रिकॉर्ड, नर्वस ब्रेकडाउन का इतिहास या दीर्घकालिक खराब स्वास्थ्य, खासकर यदि ये

अतीत में रोज़गार में हस्तक्षेप किया है।

(एम) किसी भी स्पष्ट न्यूरोलॉजिकल कमी के लिए अस्वीकृति की आवश्यकता होनी चाहिए।

(एन) झटके पारस्परिक रूप से संक्रमित मांसपेशी समूहों की लयबद्ध दोलन संबंधी गतिविधियां हैं। दो श्रेणियां पहचानी गई हैं: सामान्य या शारीरिक और असामान्य या पैथोलॉजिकल। सभी सिकुड़ने वाले मांसपेशी समूहों में बारीक कंपकंपी मौजूद होती है, यह पूरे जाग्रत अवस्था में बनी रहती है, गति 8 से 13 हर्ट्ज के बीच ठीक होती है। पैथोलॉजिकल कंपन मोटे होते हैं, 4 से 7 हर्ट्ज के बीच और आमतौर पर अंगों के दूरस्थ भाग को प्रभावित करते हैं। गंभीर झटके आम तौर पर बढ़े हुए शारीरिक कारणों से होते हैं, जहां एक ही आवृत्ति पर, झटके का आयाम काफी बढ़ जाता है और बाहों और उंगलियों को फैलाने से उत्पन्न होता है जो अलग-अलग फैले हुए हैं। यह अत्यधिक भय, क्रोध, चिंता, तीव्र शारीरिक परिश्रम, हाइपरथायरायडिज्म सहित चयापचय संबंधी गड़बड़ी, शराब वापसी और लिथियम, धूम्रपान (निकोटीन) और अत्यधिक चाय, कॉफी के विषाक्त प्रभाव के मामलों में होता है। मोटे कंपकंपी के अन्य कारण पार्किंसनिज़्म, अनुमस्तिष्क कंपकंपी (जानबूझकर कंपकंपी), आवश्यक (पारिवारिक) कंपकंपी, न्यूरोपैथी के झटके और पोस्टुरल या एक्शन कंपकंपी हैं।

(ओ) हकलाने वाले उम्मीदवारों को वायु सेना की ड्यूटी के लिए स्वीकार नहीं किया जाएगा। संदिग्ध मामलों में ईएनटी विशेषज्ञ, स्पीच थेरेपिस्ट, मनोवैज्ञानिक/मनोचिकित्सक द्वारा सावधानीपूर्वक मूल्यांकन की आवश्यकता हो सकती है।

(पी) **<u>बेसल इलेक्ट्रोएन्सेफलोग्राम (ईईजी)</u>**. एयरक्रू ड्यूटी के लिए उम्मीदवारों के लिए ईईजी केवल तभी दर्ज किया जाना है, जब परिवार में मिर्गी का इतिहास हो, सिर में चोट का इतिहास हो और/या अतीत में देखी गई कोई अन्य मनोवैज्ञानिक या न्यूरोलॉजिकल असामान्यता हो। इन पहलुओं पर बारीकी से जांच की जाएगी। अन्य उम्मीदवारों के मामले में भी, यदि चिकित्सा परीक्षक द्वारा संकेत दिया जाए या आवश्यक समझा जाए तो ईईजी लिया जा सकता है। उत्तेजक तकनीकों के तहत ईईजी या ईईजी को आराम देने में निम्नलिखित ईईजी असामान्यताओं वाले लोगों को एयरक्रू कर्तव्यों के लिए खारिज कर दिया जाएगा: -

(मैं) **<u>पृष्ठभूमि गतिविधि.</u>** फोकल, अत्यधिक और उच्च आयाम बीटा 2.3 हर्ट्ज से अधिक की गतिविधि/अर्धगोलाकार विषमता/आयाम में पृष्ठभूमि गतिविधि के निकट आने वाली धीमी तरंगों का सामान्यीकृत और फोकल रन।

(ii) **<u>Hyperventilation.</u>** पैरॉक्सिस्मल स्पाइक्स और धीमी तरंगें/स्पाइक्स/फोकल स्पाइक पैटर्न।

(iii) **<u>फोटो उत्तेजना.</u>** द्विपक्षीय रूप से तुल्यकालिक या फोकल पैरॉक्सिस्मल स्पाइक्स और धीमी तरंगें जो पोस्ट-फोटो उत्तेजना अवधि / दमन या एक गोलार्ध पर ड्राइविंग प्रतिक्रिया में बनी रहती हैं।

(क्यू) गैर विशिष्ट ईईजी असामान्यता स्वीकार्य होगी बशर्ते न्यूरोसाइकिएट्रिस्ट/न्यूरोफिजिशियन की राय प्राप्त की जाए। ईईजी के निष्कर्षों को एएफएमएसएफ-2 में दर्ज किया जाएगा। यदि ईईजी को असामान्य बताया जाता है, तो कैडेट को न्यूरोफिजिशियन द्वारा व्यापक मूल्यांकन के लिए सीएचएएफ (बी) में भेजा जाएगा, जिसके बाद आईएएम आईएएफ में एक बोर्ड द्वारा समीक्षा की जाएगी।

(आर) **<u>हाइपरस्टोसिस फ्रंटलिस इंटर्ना।</u>** किसी अन्य के अभाव में उपयुक्त माना जायेगा
चयापचय संबंधी असामान्यता.

27. **<u>कान, नाक और गला</u>**

(ए) **<u>इतिहास।</u>** ओटोरिया, सुनने की हानि, चक्कर सहित मोशन सिकनेस, टिनिटस आदि का कोई महत्वपूर्ण इतिहास जानना होगा।

(बी) **<u>नाक और पैरा-नासिका साइनस</u>** . निम्नलिखित में अस्वीकृति शामिल है:

(i) कॉस्मेटिक विकृति पैदा करने वाली नाक की सकल बाहरी विकृति को अस्वीकार किया जा सकता है यदि इसका सैन्य असर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। हालाँकि, पृष्ठ भाग और नाक की नोक की मामूली विकृति अस्वीकृति का कारण नहीं होनी चाहिए।

(ii) चिह्नित सेप्टल विचलन के परिणामस्वरूप मुक्त श्वास में बाधा। पर्याप्त वायुमार्ग धैर्य के साथ अवशिष्ट हल्के विचलन के साथ सुधारात्मक सर्जरी के बाद स्वीकार्य होगा।

(iii) **सेप्टल वेध:**नाक सेप्टल वेध पूर्वकाल कार्टिलाजिनस या पीछे की हड्डी का वेध हो सकता है। अधिकतम आयाम में 01 सेमी से अधिक का कोई भी सेप्टल वेध अस्वीकृति का आधार है। एक सेप्टल वेध जो आकार की परवाह किए बिना नाक की विकृति, नाक की पपड़ी, नाक से खून आना और कणिकायन से जुड़ा होता है, अस्वीकृति का आधार है।

(iv) एट्रोफिक राइनाइटिस।

(v) एलर्जिक राइनाइटिस/वासोमोटर का संकेत देने वाला कोई भी इतिहास/नैदानिक साक्ष्य rhinitis अस्वीकार कर दिया जाएगा।

(vi) पैरा-नाक साइनस के किसी भी संक्रमण को अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा। ऐसे मामलों को अपील मई मेडिकल बोर्ड में सफल उपचार के बाद स्वीकार किया जाएगा।

(vii)**नाक का पॉलीपोसिस:**इसे पॉलीपोसिस (सीआरएसडब्ल्यूएनपी) के साथ क्रोनिक राइनोसिनुसाइटिस के रूप में भी जाना जाता है। नेज़ल पॉलीपोसिस ज्यादातर एलर्जी, अस्थमा, एनएसएआईडी के प्रति संवेदनशीलता और संक्रमण यानी बैक्टीरिया और फंगल से जुड़ा होता है। इनमें से अधिकांश रोगियों में पुनरावृत्ति की संभावना अधिक होती है और उन्हें नाक/मौखिक स्टेरॉयड के साथ दीर्घकालिक प्रबंधन की आवश्यकता होती है और वे अत्यधिक जलवायु और तापमान की स्थिति के लिए अनुपयुक्त होते हैं। किसी भी व्यक्ति की जांच में नाक के पॉलीपोसिस का पता चलने पर या उसके नाक के पॉलीपोसिस के लिए सर्जरी कराने के इतिहास को खारिज कर दिया जाएगा।

(सी) **<u>मुंह</u>**

(मैं) <u>अयोग्य</u>

(एए) ल्यूकोप्लाकिया, एरिथ्रोप्लाकिया, सबम्यूकोस फाइब्रोसिस, एन्किलोग्लोसिया और मौखिक कार्सिनोमा के वर्तमान/संचालित मामले।

(अब) वर्तमान मौखिक अल्सर/वृद्धि और श्लेष्म प्रतिधारण सिस्ट।

(एसी) ट्रिस्मस किसी भी कारण से।

(विज्ञापन) सर्जिकल सुधार के बाद भी कटा हुआ तालु।

(ii) <u>उपयुक्त</u>

(एए) मुंह के छाले पूरी तरह ठीक हो गए।

(अब) बलगम प्रतिधारण पुटी के बिना किसी पुनरावृत्ति और सिद्ध के संचालित मामले सौम्य ऊतक विज्ञान. इन मामलों में मूल्यांकन सर्जरी के कम से कम 04 सप्ताह बाद किया जाना चाहिए।

(एसी) तालु के उप-श्लेष्म फांक, बिफिड यूवुला के साथ या उसके बिना, जो यूस्टेशियन ट्यूब की शिथिलता का कारण नहीं बनता है, ईएनटी विशेषज्ञ द्वारा स्वीकार किया जा सकता है, बशर्ते कि पीटीए, टाइम्पेनोमेट्री और भाषण सामान्य हो।

(डी) **<u>ग्रसनी और स्वरयंत्र</u>** . निम्नलिखित शर्तों में अस्वीकृति शामिल होगी:

(i) ग्रसनी का कोई अल्सरेटिव/सामूहिक घाव।

(ii) उम्मीदवार जिनमें टॉन्सिल्लेक्टोमी का संकेत दिया गया है। ऐसे उम्मीदवारों को सफल सर्जरी के कम से कम 02 सप्ताह बाद स्वीकार किया जा सकता है, बशर्ते कोई जटिलता न हो और हिस्टोलॉजी सौम्य हो।

(iii) कटा हुआ तालु।

(iv) ग्रसनी या स्वरयंत्र की कोई भी अक्षम करने वाली स्थिति जिसके कारण लगातार स्वर बैठना या डिस्फ़ोनिया होता है।

(v) क्रोनिक लैरींगाइटिस, वोकल कॉर्ड पाल्सी, लेरिंजियल पॉलीप्स और वृद्धि।

(ई) यूस्टेशियन ट्यूब के कार्य में रुकावट या अपर्याप्तता अस्वीकृति का कारण होगी। सेवारत उम्मीदवारों में स्वीकृति से पहले एल्टीट्यूड चैम्बर कान क्लीयरेंस परीक्षण किया जाएगा।

(एफ) टिनिटस की उपस्थिति के लिए इसकी अवधि, स्थानीयकरण, गंभीरता और संभावित कारण की जांच की आवश्यकता होती है। लगातार टिनिटस अस्वीकृति का एक कारण है, क्योंकि यह शोर के संपर्क में आने से बदतर हो सकता है और ओटोस्क्लेरोसिस और मेनियार्स रोग का अग्रदूत हो सकता है।

(छ) मोशन सिकनेस की किसी भी संवेदनशीलता के लिए विशिष्ट जांच की जानी चाहिए। इस आशय का समर्थन एएफएमएसएफ-2 में किया जाना चाहिए। ऐसे मामलों का पूरी तरह से मूल्यांकन किया जाएगा और, यदि मोशन सिकनेस के प्रति संवेदनशील पाया जाता है, तो उन्हें उड़ान कर्तव्यों के लिए अस्वीकार कर दिया जाएगा। किसी भी कारण से परिधीय वेस्टिबुलर डिसफंक्शन का कोई भी सबूत अस्वीकृति की ओर ले जाएगा।

(ज) चक्कर आने के इतिहास वाले उम्मीदवार की पूरी जांच की जानी चाहिए।

(जे) **<u>बहरापन।</u>** निम्नलिखित स्वीकार्य नहीं हैं:

(i) सीवी/एफडब्ल्यू में 600 सेमी से कम कोई कमी।

(ii) जहां भी पीटीए इंगित किया गया है और थ्रेसहोल्ड प्राप्त किए गए हैं, 250 और 8000 हर्ट्ज के बीच आवृत्तियों में ऑडियोमेट्रिक हानि 20 डीबी से अधिक है।

(iii) मुक्त क्षेत्र श्रवण हानि अस्वीकृति का एक कारण है।

<u>टिप्पणी:</u> ऑडियोग्राम का मूल्यांकन करते समय, ऑडियोमीटर के बेसलाइन शून्य और पर्यावरणीय शोर की स्थिति जिसके तहत ऑडियोग्राम प्राप्त किया गया है, को ध्यान में रखा जाना चाहिए। ईएनटी विशेषज्ञ की सिफारिश पर, 30 डीबी तक की एकतरफा सुनवाई हानि को माफ किया जा सकता है, बशर्ते कि ईएनटी जांच अन्यथा सामान्य हो।

(क) **<u>कान।</u>** एक रेडिकल/संशोधित रेडिकल मास्टॉयडेक्टॉमी में अस्वीकृति शामिल होती है, भले ही पूरी तरह से उपकलाकृत हो और अच्छी सुनवाई संरक्षित हो। अतीत में कॉर्टिकल मास्टॉयडेक्टोमी के मामले जिनमें कान की झिल्ली बरकरार है, सामान्य सुनवाई है और बीमारी का कोई सबूत नहीं है, उन्हें स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

(एल) **<u>बाहरी कान</u>** . बाहरी कान के निम्नलिखित दोषों को अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए:

(i) पिन्ना की गंभीर विकृति जो वर्दी/व्यक्तिगत किट/सुरक्षात्मक उपकरण पहनने में बाधा उत्पन्न कर सकती है, या जो सैन्य असर पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है।

(ii) क्रोनिक ओटिटिस एक्सटर्ना के मामले।

(iii) एक्सोस्टोसेस, एट्रेइसा/ईएएम या नियोप्लाज्म का सिकुड़ना, जिससे कान के पर्दे की उचित जांच नहीं हो पाती।

(iv) नहर की अतिरंजित वक्रता, कर्णपटह झिल्ली के पूर्वकाल के दृश्य को मिटा देना अस्वीकृति का कारण होगा।

(v) बाह्य श्रवण नलिका में कणिकायन या पॉलीप।

बाह्य श्रवण नलिका की अस्थि वृद्धि:एक्सोस्टोसिस, ओस्टियोमा, रेशेदार डिसप्लेसिया आदि जैसे बाहरी श्रवण नहर की नैदानिक रूप से स्पष्ट हड्डी वृद्धि वाले किसी भी उम्मीदवार को अनफिट घोषित किया जाएगा। संचालित मामलों का मूल्यांकन न्यूनतम 4 सप्ताह की अवधि के बाद किया जाएगा। सर्जरी के बाद हिस्टोपैथोलॉजी रिपोर्ट और एचआरसीटी टेम्पोरल बोन अनिवार्य होगी।

यदि हिस्टोपैथोलॉजिकल रिपोर्ट नियोप्लासिया का संकेत देती है या एचआरसीटी टेम्पोरल हड्डी आंशिक रूप से हटाने या गहरे विस्तार का संकेत देती है, तो इसे अस्वीकार कर दिया जाएगा।

(एम) **<u>बीच का कान</u> .**मध्य कान की निम्नलिखित स्थितियों में अस्वीकृति हो सकती है:-

(मै) **<u>मध्यकर्णशोथ</u> :**किसी भी प्रकार का मौजूदा ओटिटिस मीडिया अस्वीकार कर दिया जाएगा। के सबूत टाइम्पेनोस्क्लेरोसिस/स्केर्ड टाइम्पेनिक झिल्ली के रूप में ठीक हुए क्रोनिक ओटिटिस मीडिया का, जो टाइम्पेनिक झिल्ली के 50% से कम पार्स टेन्सा को प्रभावित करता है, ईएनटी विशेषज्ञ द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा और यदि प्योर टोन ऑडियोमेट्री (पीटीए) और टाइम्पेनोमेट्री सामान्य है तो यह स्वीकार्य होगा। क्रोनिक ओटिटिस मीडिया के लिए टाइम्पेनोप्लास्टी और मायरिगोप्लास्टी/मायरिगोटॉमी के सभी मामलों में स्थायी अस्वीकृति होगी।

(ii) अटारी, केंद्रीय या सीमांत वेध।

(iii) टाइम्पेनोस्क्लेरोसिस या टीएम के पार्स टेन्सा के 50% से अधिक को प्रभावित करने वाला घाव, अयोग्य
भले ही पीटीए और टाइम्पेनोमेट्री सामान्य हो। क्रोनिक ओटिटिस ठीक होने का प्रमाण मिडिया
टीएम के पार्स टेन्सा के <50% को प्रभावित करने वाले टाइम्पेनोस्क्लेरोसिस या स्कार्रिन के रूप में ईएनटी स्पूल द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा और पीटीए और टाइम्पेनोमेट्री सामान्य होने पर स्वीकार्य होगा। यदि संकेत दिया जाए तो एयरकरू, एटीसी/एफसी, पनडुब्बी/गोताखोरों के लिए डीकंप्रेसन कक्ष का परीक्षण किया जा सकता है।

(iv) पुराने ओटिटिस मीडिया के मामलों में कोई भी अवशिष्ट छिद्र।

(v) वायवीय ओटोस्कोपी पर टीएम गतिशीलता में उल्लेखनीय वापसी या प्रतिबंध।

(vi) फ़ोर्स्ड व्हिस्पर परीक्षण पर कोई श्रवण हानि।

(vii) विक्षिप्त शुद्ध स्वर ऑडियोमेट्री थ्रेशोल्ड।

(viii) टाइप 'ए' टाइम्पेनोग्राम के अलावा अन्य पैटर्न दिखाने वाली टाइम्पेनोमेट्री।

(ix) कोई भी प्रत्यारोपित श्रवण उपकरण जैसे कॉकलियर इम्प्लांट, हड्डी से जुड़े श्रवण यंत्र आदि।

(x) मध्य कान की सर्जरी के बाद। स्टेपेडेक्टॉमी, ऑसिकुलोप्लास्टी, किसी भी प्रकार की कैनालवॉल डाउन मास्टॉयडेक्टॉमी।

<u>टिप्पणी:</u> क्रोनिक ओटिटिस मीडिया (म्यूकोसल प्रकार) और माइरिगोटॉमी (एफ्यूजन के साथ ओटिटिस मीडिया के लिए) के लिए टाइप 1 टाइम्पेनोप्लास्टी (कॉर्टिकल मास्टॉयडेक्टॉमी के साथ या बिना) के कारण पार्स टेन्सा के 50% से जुड़े नियो-टाम्पैनिक झिल्ली के स्वस्थ निशान स्वीकार्य हो सकते हैं यदि पीटीए, टाइम्पेनोप्लास्टी सामान्य है। संचालित मामलों का मूल्यांकन न्यूनतम 12 सप्ताह के बाद ही किया जाएगा। यदि संकेत दिया जाए तो एयरकरू, एटीसी/एफसी, पनडुब्बी/गोताखोरों के लिए डीकंप्रेसन चैंबर में परीक्षण किया जा सकता है।

(एन) **<u>कान की विविध स्थितियाँ.</u>** कान की निम्नलिखित स्थितियों के कारण अस्वीकृति हो सकती है:-

(i) ओटोस्क्लेरोसिस।

(ii) मेनियार्स रोग।

(iii) वेस्टिबुलर मूल के निस्टागमस सहित वेस्टिबुलर डिसफंक्शन।

(iv) कान में संक्रमण के बाद बेल्स पाल्सी।

28. **<u>नेत्र प्रणाली</u>**

(ए) दृश्य दोष और चिकित्सीय नेत्र संबंधी स्थितियां उड़ान कर्तव्यों से अस्वीकृति के प्रमुख कारणों में से हैं। इसलिए, सभी उम्मीदवारों के लिए, विशेष रूप से उड़ान कर्तव्यों के लिए, एक संपूर्ण और सटीक नेत्र परीक्षण बहुत महत्वपूर्ण है।

(बी) **<u>व्यक्तिगत और पारिवारिक इतिहास और बाहरी परीक्षा</u>**

(i) भेंगापन और अन्य कारणों से चश्मे की आवश्यकता अक्सर वंशानुगत होती है और पारिवारिक इतिहास अनुमानित गिरावट की डिग्री के बारे में बहुमूल्य जानकारी दे सकता है। जो अभ्यर्थी चश्मा पहने हुए हैं या जिनकी दृष्टि दोषपूर्ण पाई गई है, उनका उचित मूल्यांकन किया जाना चाहिए। भेंगापन के सभी मामलों को एमओ की भर्ती और विशेषज्ञ द्वारा अनफिट किया जाना चाहिए। स्पष्ट भेंगापन वाले व्यक्ति कमीशन के लिए स्वीकार्य नहीं हैं। हालाँकि, छोटे क्षैतिज अव्यक्त भेंगापन/फोरिया यानी एक्सोफोरिया/एसोफोरिया को ग्रेड III बीएसवी के साथ विशेषज्ञ द्वारा उपयुक्त माना जा सकता है। हाइपरफोरिया/हाइपोफोरिया या साइक्लोफोरिया को अयोग्य बनाना है।

(ii) **<u>ptosis</u>** उम्मीदवार को ऑपरेशन के बाद फिट माना जाएगा, बशर्ते सर्जरी के एक साल बाद कोई पुनरावृत्ति न हो, दृश्य अक्ष सामान्य दृश्य क्षेत्रों के साथ स्पष्ट हो और ऊपरी पलक ऊपरी अंग से 02 मिमी नीचे हो। जिन उम्मीदवारों ने इस स्थिति के लिए सर्जरी नहीं कराई है, उन्हें निम्नलिखित मानदंडों को पूरा करने पर फिट माना जाएगा: -

(ए) हल्का पीटोसिस

(बी) स्पष्ट दृश्य अक्ष

(सी) सामान्य दृश्य क्षेत्र

(डी) असामान्य अध:पतन/सिर झुकाने का कोई संकेत नहीं

(iii) **<u>एक्सोट्रोपिया</u>** अयोग्य

(iv) **<u>अनिसोकोरिया</u>** यदि पुतलियों के बीच आकार का अंतर >01 मिमी है, तो उम्मीदवार को अयोग्य माना जाएगा।

(वी) **<u>हेटेरोक्रोमिया इरिडेस</u>** **:**अयोग्य

(vi) **<u>स्फिंक्टर आँसू</u>** **:**फिट माना जा सकता है यदि पुतलियों के बीच आकार का अंतर <01 मिमी है, कॉर्निया, लेंस या रेटिना में कोई विकृति नहीं देखी गई है, प्यूपिलरी रिफ्लेक्सिस तेज हैं।

(वी) **<u>सूडोफैकिया</u>** **:**अयोग्य

(vi) अनियंत्रित ब्लेफेराइटिस वाले उम्मीदवार, विशेष रूप से पलकों के नुकसान के साथ, आम तौर पर अनुपयुक्त होते हैं और उन्हें अस्वीकार कर दिया जाना चाहिए। ब्लेफेराइटिस और क्रोनिक नेत्रश्लेष्मलाशोथ के गंभीर मामलों का मूल्यांकन तब तक अस्थायी रूप से अनुपयुक्त के रूप में किया जाना चाहिए जब तक कि उपचार की प्रतिक्रिया का आकलन नहीं किया जा सके।

(vii) एक्ट्रोपियन/एंट्रोपियन के इन मामलों को अनफिट किया जाना है। हल्के एक्ट्रोपियन और एन्ट्रोपियन, जो नेत्र रोग विशेषज्ञ की राय में किसी भी तरह से दिन-प्रतिदिन के कामकाज में बाधा नहीं डालेंगे, को फिट किया जा सकता है।

(viii) एमओ और विशेषज्ञ की भर्ती करके प्रोग्रेसिव पेटरिजियम के सभी मामलों को अनफिट किया जाएगा। प्रतिगामी गैर संवहनी बर्तनों के स्थिर रहने की संभावना है, जो परिधीय कॉर्निया के ≤ 1.5 मिमी पर कब्जा कर रहे हैं, एक स्लिट लैंप पर माप के बाद आई स्पूल द्वारा फिट किया जा सकता है।

(ix) शारीरिक निस्टागमस को छोड़कर निस्टागमस के सभी मामलों को अनफिट कर दिया जाएगा।

(x) नासो-लैक्रिमल रोड़ा जो एपिफोरा या म्यूकोसेले का उत्पादन करता है, अस्वीकृति की आवश्यकता होती है, जब तक कि सर्जरी कम से कम छह महीने तक चलने वाली राहत न दे और पोस्ट ऑप सिरिंजिंग पेटेंट न हो।

(xi) यूवाइटिस (इरिटिस, साइक्लाइटिस और कोरॉइडाइटिस) बार-बार होता है, और इस स्थिति का इतिहास बताने वाले या प्रदर्शित करने वाले उम्मीदवारों का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन किया जाना चाहिए। जब स्थायी घावों का सबूत हो तो ऐसे उम्मीदवारों को अस्वीकार कर दिया जाना चाहिए।

(xii) कॉर्नियल निशान, अपारदर्शिता अस्वीकृति का कारण होगी जब तक कि यह दृष्टि में हस्तक्षेप न करे। ऐसे मामलों को स्वीकार करने से पहले सावधानीपूर्वक मूल्यांकन किया जाना चाहिए, क्योंकि कई स्थितियाँ बार-बार आती हैं।

(xiii)**<u>लेंटिकुलर अपारदर्शिता:</u>** कोई भी लेंटिकुलर अपारदर्शिता जो दृश्य हानि का कारण बनती है, या दृश्य अक्ष में है या पुतलियों के आसपास 07 मिमी के क्षेत्र में मौजूद है, जो चकाचौंध घटना का कारण बन सकती है, उसे अयोग्य माना जाना चाहिए। फिटनेस का निर्णय लेते समय अपारदर्शिता की आकार 0 संख्या में वृद्धि न होने की प्रवृत्ति पर भी विचार किया जाना चाहिए। जन्मजात ब्लू डॉट मोतियाबिंद जैसी परिधि में छोटी स्टेशनरी लेंटिकुलर अपारदर्शिता, जो दृश्य अक्ष/दृश्य क्षेत्र को प्रभावित नहीं करती है, उस पर विशेषज्ञ द्वारा विचार किया जा सकता है (संख्या में 10 से कम होनी चाहिए और स्पष्ट होने के लिए केंद्रीय क्षेत्र 04 मिमी होना चाहिए)।

(xiv)**<u>ऑप्टिक तंत्रिका ड्रूसन</u>** अयोग्य

(xv) **उच्च कप-डिस्क अनुपात:**निम्नलिखित में से कोई भी शर्त मौजूद होने पर उम्मीदवार को अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा:

(ए) कप डिस्क अनुपात में अंतर-नेत्र विषमता> 0.2

(बी) ओसीटी पर आरएनएफएल विश्लेषण द्वारा देखा गया रेटिनल नर्व फाइबर लेयर (आरएनएफएल) दोष

(सी) दृश्य क्षेत्र विश्लेषक द्वारा दृश्य क्षेत्र दोष का पता लगाया गया

(xvi) माइग्रेन प्रकार के सिरदर्द से जुड़ी दृश्य गड़बड़ी पूरी तरह से नेत्र संबंधी समस्या नहीं है, और इसका मूल्यांकन ऊपर उल्लिखित केंद्रीय तंत्रिका तंत्र अनुभाग के पैरा 3 के अनुसार किया जाना चाहिए। डिप्लोपिया की उपस्थिति या निस्टागमस का पता लगाने के लिए उचित जांच की आवश्यकता होती है, क्योंकि वे शारीरिक कारणों से हो सकते हैं।

(xvii) रतौंधी काफी हद तक जन्मजात होती है लेकिन आंखों की कुछ बीमारियों में रतौंधी प्रारंभिक लक्षण के रूप में दिखाई देती है और इसलिए, अंतिम मूल्यांकन से पहले उचित जांच आवश्यक है। चूंकि रतौंधी के लिए परीक्षण नियमित रूप से नहीं किए जाते हैं, इसलिए प्रत्येक मामले में इस आशय का एक प्रमाण पत्र प्राप्त किया जाएगा कि व्यक्ति रतौंधी से पीड़ित नहीं है। प्रमाणपत्र के अनुसार होना चाहिए**परिशिष्ट 'डी'**इस अधिसूचना के लिए. रतौंधी का सिद्ध मामला सेवा के लिए अयोग्य है।

(xviii) किसी भी दिशा में नेत्रगोलक की गतिविधियों पर प्रतिबंध और नेत्रगोलक के अनुचित अवसाद/प्रमुखता के लिए उचित मूल्यांकन की आवश्यकता होती है।

(xix)**<u>रेटिना के घाव</u>** . रेटिना की परिधि में एक छोटा सा ठीक हुआ कोरियो-रेटिनल निशान जो दृष्टि को प्रभावित नहीं करता है और किसी अन्य जटिलता से जुड़ा नहीं है, उसे विशेषज्ञ द्वारा ठीक किया जा सकता है। इसी प्रकार परिधि में एक छोटी जाली को बिना किसी अन्य जटिलता के फिट बनाया जा सकता है। केंद्रीय कोष में किसी भी घाव को विशेषज्ञ द्वारा अनफिट कर दिया जाएगा।

(xx) **जाली: निम्नलिखित जाली विकृति एक उम्मीदवार को अयोग्य बना देगी।**

(ए) एकल परिधीय जाली एक या दोनों आँखों में दो घड़ी घंटे से अधिक फैली हुई है।

(बी) दो परिधीय जाली, जिनमें से प्रत्येक की सीमा एक या दोनों आंखों में एक घड़ी घंटे से अधिक है।

(सी) रेडियल जाली

(डी) एट्रोफिक छेद / फ्लैप आँसू के साथ कोई जाली (अनलेजर)

(ई) भूमध्य रेखा के पीछे जालीदार अध:पतन

जाली विकृति वाले उम्मीदवारों को निम्नलिखित शर्तों के तहत फिट माना जाएगा:

(ए) एक या दोनों आंखों में दो घड़ी घंटे से कम के छेद के बिना एकल परिधीय जाली।

(बी) बिना छेद वाली दो परिधीय जाली, जिनमें से प्रत्येक एक या दोनों आँखों में एक घड़ी घंटे से कम की होती है।

(सी) लेजर परिसीमन के बाद एकल परिधीय जाली, बिना छेद / फ्लैप आंसू, एक या दोनों आँखों में दो घड़ी घंटे से कम की सीमा।

(डी) लेजर परिसीमन के बाद दो परिधीय जाली, बिना छेद / फ्लैप आंसू के, प्रत्येक एक या दोनों आंखों में एक घड़ी घंटे से कम की सीमा होती है।

(xxi)**केराटोकोनस:** केराटोकोनस अयोग्य है।

(सी) **दृश्य तीक्ष्णता/रंग दृष्टि**. दृश्य तीक्ष्णता और रंग दृष्टि आवश्यकताओं का विवरण दिया गया है**परिशिष्ट 'सी'**इस अधिसूचना के लिए. जो लोग इन आवश्यकताओं को पूरा नहीं करते उन्हें अस्वीकार कर दिया जाएगा।

(डी) **निकट दृष्टि दोष**. यदि मायोपिया का कोई मजबूत पारिवारिक इतिहास है, खासकर यदि यह स्थापित हो दृष्टि दोष हाल ही का है, यदि शारीरिक विकास अभी भी अपेक्षित है, या यदि फंडस की उपस्थिति प्रगतिशील निकट दृष्टि का संकेत देती है, भले ही दृश्य तीक्ष्णता निर्धारित सीमा के भीतर हो, तो उम्मीदवार को अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए।

(इ) **अपवर्तक सर्जरी.** जिन उम्मीदवारों ने केराटोरेफ्रैक्टिव सर्जरी (फोटो रिफ्रैक्टिव केराटोटॉमी (पीआरके), लेजर इन-सीटू केराटोमिलेसिस (एलएएसआईके), फेमटो लैसिक, स्माइल या समकक्ष प्रक्रियाएं) की हैं, उन्हें सभी शाखाओं में वायु सेना में कमीशन के लिए उपयुक्त माना जा सकता है। ऐसी प्रक्रिया के बाद अवशिष्ट अपवर्तन उन शाखाओं के लिए +/- 1.0 D Sph या Cyl से अधिक नहीं होना चाहिए जहां सुधार योग्य दुर्दम्य त्रुटियों की अनुमति है। ऐसे उम्मीदवारों का चयन करने से पहले निम्नलिखित मानदंडों को पूरा किया जाना चाहिए: -

(मैं) केराटोरेफ्रैक्टिव सर्जरी से पहले उच्च अपवर्तक त्रुटियों (>6D) वाले व्यक्तियों को बाहर रखा जाना चाहिए।

(मैं) केराटोरेफ्रेक्टिव सर्जरी 20 वर्ष की आयु से पहले नहीं की जानी चाहिए।

(ii) बिना किसी जटिलता के स्थिर केराटोरेफ्रैक्टिव सर्जरी के बाद कम से कम 12 महीने बीत जाने चाहिए, जिसमें किसी भी जटिलता का कोई इतिहास या सबूत न हो।

(iii) आईओएल मास्टर द्वारा मापी गई आंख की अक्षीय लंबाई 26 मिमी से अधिक नहीं होनी चाहिए।

(iv) केराटोरेफ्रैक्टिव सर्जरी के बाद कॉर्नियल पचीमीटर द्वारा मापी गई कॉर्निया की मोटाई 450 माइक्रोन से कम नहीं होनी चाहिए।

(एफ) अपवर्तक त्रुटियों के सुधार के लिए रेडियल केराटोटॉमी (आरके) सर्जरी की अनुमति नहीं है वायु सेना के कर्तव्य. आईओएल प्रत्यारोपण के साथ या उसके बिना मोतियाबिंद सर्जरी कराने वाले उम्मीदवारों को भी अयोग्य घोषित किया जाएगा।

(जी) **<u>नेत्र पेशी संतुलन</u>**

(i) स्पष्ट भेंगापन वाले व्यक्ति कमीशन के लिए स्वीकार्य नहीं हैं। एयरक्रू के मामले में अव्यक्त भेंगापन या हेटरोफोरिया का आकलन मुख्य रूप से संलयन क्षमता के आकलन पर आधारित होगा। एक मजबूत संलयन भावना तनाव और थकान की स्थिति में दूरबीन दृष्टि के रखरखाव को सुनिश्चित करती है। इसलिए, यह स्वीकार्यता का मुख्य मानदंड है।

(एए) **<u>अभिसरण (जैसा कि आरएएफ नियम पर मूल्यांकन किया गया है)</u>**

(आआ)<u>उद्देश्य अभिसरण.</u> औसत 6.5 से 8 सेमी तक है। यह 10 सेमी और उससे अधिक पर खराब है।

(आब) <u>व्यक्तिपरक अभिसरण (एससी)</u> . यह अभिसरण के तनाव के तहत दूरबीन दृष्टि के अंतिम बिंदु को इंगित करता है। यदि व्यक्तिपरक अभिसरण वस्तुनिष्ठ अभिसरण की सीमा से 10 सेमी से अधिक है, तो संलयन क्षमता खराब है। यह विशेष रूप से तब होता है जब उद्देश्य अभिसरण 10 सेमी और उससे अधिक हो।

(अब) **<u>आवास</u> .**मायोप्स के मामले में, आवास होना चाहिए स्थिति में सुधारात्मक चश्मे के साथ मूल्यांकन किया गया। विभिन्न आयु लिए स्वीकार्य मान समूहों में आवास तालिका 1 में दिए गए हैं।

तालिका 1 - आवास मूल्य - आयु के अनुसार

आयु वर्षों में	17-20	21-25	26-30	31-35	36-40	41-45
आवास (सेमी में)	10-11	11-12	12.5-13.5	14-16	16-18.5	18.5-27

(एच). नेत्र की मांसपेशियों का संतुलन गतिशील होता है और एकाग्रता, चिंता, थकान, हाइपोक्सिया, दवाओं और शराब के साथ बदलता रहता है। अंतिम मूल्यांकन के लिए उपरोक्त परीक्षणों पर एक साथ विचार किया जाना चाहिए। उदाहरण के लिए, मैडॉक्स रॉड परीक्षण की अधिकतम सीमा से परे के मामले, लेकिन जो एक अच्छी दूरबीन प्रतिक्रिया दिखाते हैं, व्यक्तिपरक अभिसरण से थोड़ा अंतर के साथ एक अच्छा उद्देश्य अभिसरण, और कवर परीक्षणों पर पूर्ण और तेजी से वसूली को स्वीकार किया जा सकता है। दूसरी ओर, ऐसे मामले जो मैडॉक्स रॉड परीक्षण सीमा के भीतर हैं, लेकिन जो कम या कोई संलयन क्षमता नहीं दिखाते हैं, कवर परीक्षणों पर अपूर्ण या कोई पुनर्प्राप्ति नहीं दिखाते हैं, और खराब व्यक्तिपरक अभिसरण को अस्वीकार कर दिया जाना चाहिए। नेत्र संबंधी मांसपेशियों के संतुलन के मूल्यांकन के लिए मानक विस्तृत हैं **परिशिष्ट 'सी'**अधिसूचना के लिए.

(जे) मीडिया (कॉर्निया, लेंस, विटेरस) या फ़ंडस में कोई भी नैदानिक निष्कर्ष, जो कि है पैथोलॉजिकल प्रकृति और प्रगति की संभावना अस्वीकृति का कारण होगी। यह जांच मायड्रायसिस के तहत स्लिट लैंप और ऑप्थाल्मोस्कोपी द्वारा की जाएगी।

29. **<u>हेमोपोएटिक प्रणाली</u>**

(ए) महिलाओं के मामले में आसान थकान, सामान्य कमजोरी, पेटीचिया / एक्चिमोसिस, मसूड़ों और आहार पथ से रक्तस्राव, मामूली आघात के बाद लगातार रक्तस्राव और मेनोरेजिया का इतिहास सावधानी से पता लगाया जाना चाहिए। सभी उम्मीदवारों की पीलापन (एनीमिया), कुपोषण, इक्टेरस, परिधीय लिम्फैडेनोपैथी, पुरपुरा, पेटीचिया/एक्चिमोसेस और हेपेटोसप्लेनोमेगाली के नैदानिक साक्ष्य की जांच की जानी चाहिए।

(बी) एनीमिया की प्रयोगशाला पुष्टि की स्थिति में (पुरुषों में <13 ग्राम/डेसीलीटर और महिलाओं में <11.5 ग्राम/डेसीलीटर), एनीमिया के प्रकार और एटियलजि का पता लगाने के लिए आगे मूल्यांकन किया जाना चाहिए। इसमें एक संपूर्ण हेमोग्राम (पीसीवी एमसीवी, एमसीएच, एमसीएचसी, टीआरबीसी, टीडब्ल्यूबीसी, डीएलसी, प्लेटलेट काउंट, रेटिकुलोसाइट काउंट और ईएसआर शामिल करने के लिए) और एक परिधीय रक्त स्मीयर शामिल होना चाहिए। आवश्यकतानुसार एटियोलॉजी स्थापित करने के लिए अन्य सभी परीक्षण किए जाएंगे। पित्ताशय की पथरी के लिए पेट की अल्ट्रासोनोग्राफी, ऊपरी जीआई एंडोस्कोपी/प्रोक्टोस्कोपी और हीमोग्लोबिन इलेक्ट्रोफोरेसिस आदि की जा सकती है, जैसा कि संकेत दिया गया है, और उम्मीदवार की फिटनेस, प्रत्येक मामले की योग्यता के आधार पर तय की जाती है।

(सी) हल्के माइक्रोसाइटिक हाइपोक्रोमिक (आयरन की कमी से एनीमिया) या डिमोर्फिक एनीमिया (महिलाओं में एचबी <10.5 ग्राम/डीएल और पुरुषों में <11.5 ग्राम/डीएल) वाले उम्मीदवारों को पहली बार में 04 की अवधि के लिए अस्थायी रूप से अयोग्य बनाया जा सकता है। 06 सप्ताह तक और उसके बाद समीक्षा। इन उम्मीदवारों को स्वीकार किया जा सकता है, यदि संपूर्ण हेमोग्राम और पीसीवी, परिधीय स्मीयर परिणाम सामान्य सीमा के भीतर हैं। मैक्रोसाइटिक/मेगालोब्लास्टिक एनीमिया वाले उम्मीदवारों को अयोग्य माना जाएगा।

(डी) वंशानुगत हेमोलिटिक एनीमिया (लाल कोशिका झिल्ली दोष के कारण या लाल कोशिका एंजाइम की कमी के कारण) और हीमोग्लोबिनोपैथी (सिकल सेल रोग, बीटा थैलेसीमिया: मेजर, इंटरमीडिया, माइनर, ट्रेट और अल्फा थैलेसीमिया आदि) के सबूत वाले सभी उम्मीदवार हैं। सेवा के लिए अयोग्य माना जाएगा।

(ई) त्वचा में रक्तस्राव के इतिहास की उपस्थिति में जैसे एक्चिमोसिस / पेटीचिया, नकसीर, मसूड़ों और आहार पथ से रक्तस्राव, मामूली आघात या घाव / दांत निकालने या महिलाओं में मेनोरेजिया के बाद लगातार रक्तस्राव और हीमोफिलिया या अन्य रक्तस्राव का कोई पारिवारिक इतिहास विकारों का पूर्ण मूल्यांकन किया जाएगा। ये मामले सेवा में प्रवेश के लिए स्वीकार्य नहीं होंगे। पुरपुरा के नैदानिक साक्ष्य या थ्रोम्बोसाइटोपेनिया के साक्ष्य वाले सभी उम्मीदवारों को सेवा के लिए अयोग्य माना जाएगा। पुरपुरा सिम्प्लेक्स (सरल आसान चोट) के मामले, अन्यथा स्वस्थ महिलाओं में देखा जाने वाला एक सौम्य विकार, स्वीकार किया जा सकता है।

(एफ) हीमोफिलिया, वॉन विलेब्रांड रोग के इतिहास वाले उम्मीदवारों को मूल्यांकन पर प्रवेश स्तर पर सेवा के लिए अयोग्य घोषित किया जाएगा।

(जी) **मोनोसाइटोसिस।**पूर्ण मोनोसाइट गिनती 1000/सीयू मिमी से अधिक या उससे अधिक या उसके बराबर है कुल WBC गिनती का 10% तक अयोग्य माना जाएगा।

(एच) **इओसिनोफिलिया।**500/घन मिमी से अधिक या उसके बराबर पूर्ण ईसिनोफिल गिनती अनुपयुक्त मानी जाती है।

(मै) पुरुषों में हीमोग्लोबिन 16.5g/dL से अधिक और महिलाओं में 16g/dL से अधिक होगा।
पॉलीसिथेमिया के रूप में माना जाता है और अयोग्य माना जाता है।

30. <u>महिला अभ्यर्थियों का मूल्यांकन</u>

<u>इतिहास</u> सामान्य चिकित्सा इतिहास के अलावा, विस्तृत मासिक धर्म और प्रसूति इतिहास, लिया जाना चाहिए और रिकॉर्ड किया जाना चाहिए। यदि मासिक धर्म, प्रसूति या पैल्विक असामान्यता का इतिहास दिया गया है; स्त्री रोग विशेषज्ञ की राय लेनी होगी।

(ए) <u>नैदानिक परीक्षण</u>

(मै) <u>सामान्य चिकित्सा और शल्य चिकित्सा मानक</u>

(एए) स्तन में कोई भी गांठ अस्वीकृति का कारण होगी। सफल सर्जिकल निष्कासन के बाद फाइब्रोएडीनोमा स्तन के मामलों को सर्जिकल विशेषज्ञ की राय और सामान्य हिस्टोपैथोलॉजिकल रिपोर्ट के आधार पर उपयुक्त माना जा सकता है।

(एबी) गैलेक्टोरिया अस्थायी अस्वस्थता का कारण होगा। जांच/उपचार के बाद मामले की गुणवत्ता और संबंधित विशेषज्ञ की राय के आधार पर फिटनेस पर विचार किया जा सकता है।

(एसी) अमेज़िया, पॉलीमेज़िया और पॉलीथेलिया (एक्सेसरी निपल) पर विचार किया जाएगा अयोग्य.

(बी) **<u>स्त्री रोग संबंधी परीक्षा</u>** . जांच में बाहरी जननांग, हर्नियल छिद्र और पेरिनेम, तनाव मूत्र असंयम या इंट्रोइटस के बाहर जननांग आगे बढ़ने का कोई सबूत शामिल होना चाहिए। सभी विवाहित उम्मीदवारों को गर्भाशय ग्रीवा या योनि पर किसी भी फैलाव या वृद्धि के लिए वीक्षक परीक्षण से गुजरना चाहिए। अविवाहित अभ्यर्थियों में वीक्षक या प्रति योनि परीक्षण नहीं किया जाएगा। प्रारंभिक चिकित्सा परीक्षा के दौरान सभी महिला उम्मीदवारों के पेट के निचले हिस्से और श्रोणि का अल्ट्रासाउंड स्कैन अनिवार्य है। बाह्य जननांग की किसी भी असामान्यता पर प्रत्येक मामले के गुण-दोष के आधार पर विचार किया जाएगा।

(मैं) निम्नलिखित शर्तें स्वीकार्य हैं:

(एए) गर्भाशय ग्रीवा का जन्मजात विस्तार जो इंट्रोइटस तक आता है।

(एबी) आर्कुएट प्रकार की जन्मजात गर्भाशय विसंगति।

(ii) निम्नलिखित शर्तों के तहत महिला उम्मीदवारों को अस्वीकार कर दिया जाएगा:

(एए) प्राथमिक या माध्यमिक रजोरोध। बिना गर्भधारण के रजोरोध की जांच की जाएगी और स्त्री रोग विशेषज्ञ द्वारा परीक्षण और जांच के बाद योग्यता के आधार पर फिटनेस पर विचार किया जाएगा।

(अब) गंभीर मेनोरेजिया या/और गंभीर कष्टार्तव।

(एसी) तनाव मूत्र असंयम.

(एडी) गर्भाशय ग्रीवा का जन्मजात बढ़ाव या पूर्ण प्रोलैप्स जो सुधारात्मक सर्जरी के बाद भी इंट्रोइटस के बाहर आता है। (गर्भाशय का पूर्ण रूप से बाहर निकलना अस्वीकृति का कारण होगा। सर्जिकल सुधार के बाद मामूली डिग्री को योग्यता के आधार पर फिटनेस के लिए माना जा सकता है।)

(एई) तीव्र या क्रोनिक पेल्विक संक्रमण, एंडोमेट्रियोसिस और एडेनोमायोसिस।

(ए एफ) लैंगिक भेदभाव के विकार.

(एजी) विशेष रूप से बाल विकास के पुरुष पैटर्न के साथ महत्वपूर्ण अतिरोमता देखी जाती है।

(iii) ऊपर कवर न की गई किसी भी अन्य स्त्री रोग संबंधी स्थिति पर स्त्री रोग विशेषज्ञ द्वारा प्रत्येक मामले के गुण-दोष के आधार पर विचार किया जाएगा।

(सी) **<u>गर्भावस्था</u>** गर्भावस्था अस्थायी अस्वीकृति का कारण होगी। व्यक्ति को सीधी योनि प्रसव के 24 सप्ताह बाद फिर से अस्पताल में रिपोर्ट करने की सलाह दी जाएगी। एमटीपी/गर्भपात के मामले में समीक्षा न्यूनतम चार सप्ताह और अधिकतम 12 सप्ताह की अवधि के बाद की जाएगी। हालाँकि, सिजेरियन सेक्शन डिलीवरी के मामले में, महिला उम्मीदवार 52 सप्ताह की अवधि के लिए अयोग्य रहेगी। फिर स्त्री रोग विशेषज्ञ द्वारा व्यक्ति की जांच की जाएगी और उसकी फिटनेस के संबंध में मूल्यांकन किया जाएगा। ऐसे मामलों में, जहां छह महीने से अधिक की समयावधि बीत चुकी है, उसकी प्रारंभिक चिकित्सा जांच के बाद, उसे मौजूदा नियमों के अनुसार दोबारा पूर्ण चिकित्सा परीक्षा से गुजरना होगा।

(डी) **<u>महिला अभ्यर्थियों के लिए पेट के निचले हिस्से और श्रोणि की अल्ट्रासोनोग्राफी।</u>** यह मौजूदा आदेशों के अनुसार किया जाएगा

(मैं) **उपयुक्त**

(एए) बिना किसी लक्षण वाला एकल छोटा रेशेदार गर्भाशय (व्यास में 3 सेमी या उससे कम)।

(अब) व्यास में 6 सेमी से कम एककोशिकीय स्पष्ट डिम्बग्रंथि पुटी।

(एसी) गर्भाशय ग्रीवा का जन्मजात बढ़ाव (जो इंट्रोइटस तक आता है)।

(विज्ञापन) जन्मजात गर्भाशय विसंगति का धनुषाकार गर्भाशय प्रकार।

(एई) डगलस की थैली में न्यूनतम तरल पदार्थ।

(ii) **अयोग्य**

(एए) आंतरिक गूँज के साथ डगलस की थैली में तरल पदार्थ वाले अभ्यर्थी।

(एबी) गर्भाशय। गर्भाशय की अनुपस्थिति या आर्कुएट यूट्रेस को छोड़कर कोई जन्मजात संरचनात्मक असामान्यता।

(एसी) फाइब्रॉएड

(एएए) एकाधिक फाइब्रॉएड संख्या में 02 से अधिक, बड़े आकार में >15 मिमी के साथ।

(आब) आकार में 3 सेमी से बड़ा एकल फाइब्रॉएड।

(एएसी) कोई भी फाइब्रॉइड जो एंडोमेट्रियल गुहा की विकृति का कारण बनता है।

(विज्ञापन) ग्रंथिपेश्यर्बुदता

(एई) एडनेक्सा

(आआ) साधारण डिम्बग्रंथि पुटी 06 सेमी या उससे अधिक आकार की।

(आब) किसी भी आकार का जटिल डिम्बग्रंथि पुटी।

(एएसी) endometriosis

(आद) हाइड्रोसाल्पिनक्स।

(iii) अपील के दौरान मेडिकल बोर्ड/रिव्यू मेडिकल बोर्ड अयोग्य उम्मीदवारों की विशिष्ट जांच और विस्तृत नैदानिक परीक्षा की जाएगी। विशिष्ट परिस्थितियों के लिए फिटनेस का निर्णय नीचे दिए गए अनुसार किया जाएगा:-

(एए) आंतरिक गूँज के साथ पीओडी में द्रव का मूल्यांकन टीएलसी, डीएलसी और सी रिएक्टिव प्रोटीन के साथ किया जाएगा। वरिष्ठ सलाहकार (प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ) फिटनेस पर राय देंगे।

(एबी) एंडोमेट्रियल मोटाई> 15 मिमी या एंडोमेट्रियल गुहा में अवशिष्ट इकोजेनिक छाया। वरिष्ठ सलाहकार (प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ) फिटनेस पर राय देंगे।

(इ)। **<u>लैप्रोस्कोपिक सर्जरी या लैपरोटॉमी के बाद मेडिकल फिटनेस</u>** . सिस्टेक्टोमी या मायोमेक्टोमी से गुजरने के बाद रिपोर्ट करने वाले उम्मीदवारों को फिट माना जाएगा यदि वह स्पर्शोन्मुख है, अल्ट्रासाउंड श्रोणि सामान्य है, हटाए गए ऊतक की हिस्टोपैथोलॉजी रिपोर्ट सौम्य विकृति दिखाती है और प्रति ऑपरेटिव निष्कर्ष एंडोमेट्रियोसिस का संकेत नहीं देते हैं। घाव पूरी तरह से ठीक हो जाने पर लैप्रोस्कोपिक सर्जरी के बाद फिटनेस पर विचार किया जाना चाहिए। सर्जिकल प्रक्रिया के एक वर्ष के बाद सिजेरियन सेक्शन और लैपरोटॉमी के बाद उम्मीदवार को फिट माना जाएगा।

31. **<u>दंत स्वास्थ्य मानक</u>**

(ए) परीक्षक को पूछताछ करनी चाहिए कि क्या उम्मीदवार के पास प्रमुख दंत प्रक्रियाओं या परिवर्तनों का कोई पिछला इतिहास है। जीभ, मसूड़ों या गले में अल्सर या संक्रमण के महत्वपूर्ण पिछले इतिहास का दस्तावेजीकरण किया जाना चाहिए। प्रीमैलिग्नेंट घावों या विकृति विज्ञान का इतिहास जो पुनरावृत्ति की संभावना रखता है, को उजागर किया जाना चाहिए।

(बी) **<u>दंत चिकित्सा मानक</u>**. निम्नलिखित दंत मानकों का पालन किया जाना चाहिए और जिन उम्मीदवारों के दंत मानक निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं होंगे, उन्हें अस्वीकार कर दिया जाएगा: -

(i) उम्मीदवार के पास कम से कम 14 डेंटल पॉइंट होने चाहिए और ऊपरी जबड़े में निम्नलिखित दांत निचले जबड़े में संबंधित दांतों के साथ अच्छी कार्यात्मक स्थिति में मौजूद होने चाहिए: -

(i) छह पूर्वकाल में से कोई चार

(ii) दस पश्च में से कोई छह

(ii) प्रत्येक कृन्तक, कैनाइन 1अनुसूचित जनजातिऔर 2राप्रीमोलर का मान एक बिंदु का होगा, बशर्ते उनके संगत विपरीत दांत मौजूद हों।

(iii) प्रत्येक 1अनुसूचित जनजातिऔर 2रादाढ़ और अच्छी तरह से विकसित 3तृतीयदाढ़ में दो बिंदुओं का मान होगा, बशर्ते कि विपरीत जबड़े में संबंधित दांतों का अच्छा विरोध हो।

(iv) मामले 3 मेंतृतीयदाढ़ अच्छी तरह से विकसित नहीं है, इसका मान केवल एक अंक होगा।

(v) जब सभी 16 दांत ऊपरी जबड़े में मौजूद हों और निचले जबड़े में संबंधित दांतों के मुकाबले अच्छी कार्यात्मक स्थिति में हों, तो 3 के अनुसार कुल मूल्य 20 या 22 अंक होगा।तृतीयदाढ़ें अच्छी तरह विकसित हैं या नहीं।

(vi) मौखिक परीक्षण के दौरान सभी हटाने योग्य दंत कृत्रिम अंग हटा दिए जाएंगे और पुनर्नामांकन के लिए आवेदन करने वाले पूर्व सैनिक के मामले को छोड़कर, उन्हें कोई दंत अंक नहीं दिया जाएगा, जिन्हें अच्छी तरह से फिट होने वाले हटाने योग्य कृत्रिम अंग के लिए दंत अंक दिए जाएंगे।

(सी) **<u>अतिरिक्त मौखिक परीक्षा</u>**

(मैं) **<u>स्थूल चेहरे का परीक्षण</u>** .किसी भी स्थूल विषमता या नरम/की उपस्थिति मुश्किल ऊतक दोष/निशान या यदि जबड़े की किसी प्रारंभिक रोग संबंधी स्थिति का संदेह है, तो यह अस्वीकृति का कारण होगा।

(ii) **<u>कार्यात्मक परीक्षण</u>**

(एए) टेम्पोरोमैंडिबुलर जोड़ (टीएमजे)। टीएमजे को द्विपक्षीय रूप से स्पर्श या कोमलता और/या क्लिक किया जाएगा। लक्षणात्मक क्लिकिंग और/या व्यापक उद्घाटन पर टीएमएल की कोमलता या अव्यवस्था वाले उम्मीदवारों को खारिज कर दिया जाएगा।

(एबी) मुंह खोलना। कृंतक किनारों पर मापा गया 30 मिमी से कम का मुंह खोलना अस्वीकृति का कारण होगा।

(डी) **<u>विशेष परिस्थितियों में डेंटल पॉइंट देने के लिए दिशानिर्देश</u>**

(मैं) **<u>दंत क्षय।</u>** क्षय वाले दांत जिन्हें ठीक नहीं किया गया है या टूटे हुए मुकुट, लुगदी के संपर्क, अवशिष्ट जड़ स्टंप, जुड़े दांतों से जुड़े दांत फोड़े और/या साइनस को डेंटल पॉइंट देने के लिए नहीं गिना जाएगा।

(ii)**<u>पुनर्स्थापन.</u>** जिन दांतों की मरम्मत अनुचित/टूटे/फीके रंग की प्रतीत होती है, उन्हें डेंटल पॉइंट नहीं दिए जाएंगे। अनुचित सामग्रियों के उपयोग से बहाल किए गए दांतों, संदिग्ध सीमांत अखंडता या पेरी-एपिकल पैथोलॉजी के साथ अस्थायी या खंडित पुनर्स्थापनों को दंत अंक नहीं दिए जाएंगे।

(iii) **<u>ढीले दांत .</u>**चिकित्सकीय रूप से प्रदर्शित गतिशीलता वाले ढीले/चलित दांतों को डेंटल पॉइंट दिए नहीं होना जाएंगे। पीरियडोंटली विभाजित दांतों को पुरस्कार डेंटल पॉइंट के लिए नहीं गिना जाएगा। का

(iv) **<u>बरकरार पर्णपाती दांत.</u>** बरकरार पर्णपाती दांतों को दंत अंक नहीं दिए जाएंगे।

(वी) **<u>रूपात्मक दोष.</u>** संरचनात्मक दोष वाले दांत जो कुशल चबाने में बाधा डालते हैं, उन्हें दंत अंक नहीं दिए जाएंगे।

(vi) **<u>पेरियोडोंटियम</u>**

(एए) दंत बिंदुओं की गिनती के लिए शामिल दांतों के मसूड़ों की स्थिति स्वस्थ होनी चाहिए, यानी रंग में गुलाबी, स्थिरता में दृढ़ और स्थिरता में दृढ़ और दांतों की गर्दन के खिलाफ मजबूती से आराम करना चाहिए। दृश्यमान कैलकुलस मौजूद नहीं होना चाहिए.

(एबी) सूजे हुए, लाल या संक्रमित मसूड़ों वाले या स्पष्ट पथरी वाले व्यक्तिगत दांतों को डेंटल पॉइंट नहीं दिए जाएंगे।

(एसी) सामान्यीकृत पथरी, व्यापक सूजन और लाल मसूड़ों, स्राव के साथ या उसके बिना, वाले उम्मीदवारों को अस्वीकार कर दिया जाएगा।

(vii) **<u>कुरूपता।</u>** चबाने की दक्षता और ध्वन्यात्मकता को प्रभावित करने वाले कुरूपता वाले उम्मीदवारों की भर्ती नहीं की जाएगी। खुले काटने पर दांतों को डेंटल पॉइंट नहीं दिए जाएंगे क्योंकि उन्हें कार्यात्मक स्थिति में नहीं माना जाता है। ओपन बाइट, रिवर्स ओवरजेट या किसी भी दृश्यमान गड़बड़ी वाले उम्मीदवारों को अस्वीकार कर दिया जाएगा। हालाँकि, यदि दंत चिकित्सा अधिकारी की राय में, दांतों का कुरूपता कुशल चबाने, ध्वनिविज्ञान, मौखिक स्वच्छता या सामान्य पोषण के रखरखाव या कर्तव्यों के कुशलतापूर्वक प्रदर्शन में बाधा नहीं डाल रहा है, तो उम्मीदवारों को फिट घोषित किया जाएगा। कुप्रबंधन का आकलन करने में निम्नलिखित मानदंडों पर विचार किया जाना चाहिए:

(एए) किनारे से किनारे तक काटना। किनारे से किनारे तक काटने को कार्यात्मक अपोजिशन माना जाएगा।

(एबी) पूर्वकाल खुला काटना। पूर्वकाल के खुले काटने को शामिल दांतों के कार्यात्मक विरोध की कमी के रूप में लिया जाना चाहिए।

(एसी) क्रॉस बाइट। क्रॉस बाइट में दांत अभी भी कार्यात्मक रोड़ा में हो सकते हैं और यदि ऐसा है, तो उन्हें अंक दिए जा सकते हैं।

(विज्ञापन) दर्दनाक दंश। गहरे प्रहार में शामिल पूर्वकाल के दांत, जो तालु पर दर्दनाक निशान पैदा कर रहे हैं, उन्हें अंक देने के लिए नहीं गिना जाएगा।

(viii)**<u>कठोर और मुलायम ऊतक.</u>** किसी भी सूजन, मलिनकिरण, अल्सर, निशान, सफेद धब्बे, उप श्लेष्म फाइब्रोसिस आदि के लिए गाल, होंठ, तालु, जीभ और सब्लिंगुअल क्षेत्र और मैक्सिला/मैंडिबुलर हड्डी तंत्र के नरम ऊतकों की जांच की जानी चाहिए। सभी संभावित घातक घाव अस्वीकृति का कारण होंगे। मुंह खोलने पर प्रतिबंध के साथ या उसके बिना सब म्यूकस फाइब्रोसिस का नैदानिक निदान अस्वीकृति का कारण होगा। हड्डी के घाव (घाव) होंगे

उनकी रोगात्मक/शारीरिक प्रकृति का मूल्यांकन किया जाए और तदनुसार टिप्पणी की जाए। कोई भी कठोर या नरम ऊतक घाव अस्वीकृति का कारण होगा।

(ix) **ऑर्थोटिक उपकरण.** फिक्स्ड ऑर्थोडॉन्टिक्स लिंगुअल रिटेनर्स को पेरियोडॉन्टल स्प्लिंट्स के रूप में नहीं माना जाएगा और इन रिटेनर्स में शामिल दांतों को डेंटल फिटनेस के लिए अंक दिए जाएंगे। स्थिर या हटाने योग्य ऑर्थोडॉन्टिक उपकरण पहनने वाले उम्मीदवारों को अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा।

(एक्स) **दंत्य प्रतिस्थापन।** जब एक इम्प्लांट समर्थित क्राउन एक टूटे हुए दांत की जगह लेता है, तो कृत्रिम अंग को प्राकृतिक दांतों की तरह दंत अंक दिए जा सकते हैं, बशर्ते कि

कृत्रिम अंग कार्यात्मक स्थिति में है और प्रत्यारोपण की अखंडता की पुष्टि की गई है।

(xi) **फिक्स्ड आंशिक डेन्चर (एफपीडी)/प्रत्यारोपण समर्थित एफपीडी।** एफपीडी का दृढ़ता, विरोधी दांतों के लिए कार्यात्मक जुड़ाव और एब्यूमेंट के पीरियडोंटल स्वास्थ्य के लिए चिकित्सकीय और रेडियोलॉजिकल रूप से मूल्यांकन किया जाएगा। यदि सभी पैरामीटर संतोषजनक पाए जाते हैं, तो डेंटल पॉइंट निम्नानुसार प्रदान किए जाएंगे: -

(एए) दांत समर्थित एफपीडी

(आआ)कृत्रिम अंग, 3 इकाइयाँ। एब्यूटमेंट और पोंटिक के लिए डेंटल पॉइंट दिए जाएंगे।

(आब)कृत्रिम अंग, 3 इकाइयों से अधिक। डेंटल पॉइंट केवल एब्यूटमेंट्स को दिए जाएंगे। पोंटिक्स के लिए कोई अंक नहीं दिए जाएंगे।

(एएसी)ब्रैकट एफडीपी. डेंटल पॉइंट केवल एब्यूटमेंट्स को दिए जाएंगे।

(अब) प्रत्यारोपण समर्थित एफपीडी

(एएए) प्रोस्थेसिस, 3 इकाइयाँ। प्राकृतिक दांत, इम्प्लांट और पोंटिक के लिए डेंटल पॉइंट दिए जाएंगे।

(एएबी) प्रोस्थेसिस, 3 इकाइयों से अधिक। डेंटल पॉइंट केवल प्राकृतिक दांतों को ही दिए जाएंगे। पोंटिक्स और इम्प्लांट के लिए कोई अंक नहीं दिए जाएंगे।

(एएसी)दो यूनिट ब्रैकट एफपीडी। डेंटल पॉइंट केवल इम्प्लांट पर दिए जाएंगे।

(xii) एक उम्मीदवार को अधिकतम 02 प्रत्यारोपण की अनुमति होगी। 02 अनुमेय प्रत्यारोपण से अधिक प्रत्यारोपण/प्रत्यारोपण समर्थित कृत्रिम अंग के लिए कोई अंक नहीं दिया जाएगा। यदि किसी उम्मीदवार के पास 03 से अधिक प्रत्यारोपण/प्रत्यारोपण समर्थित कृत्रिम अंग हैं, तो उनमें से 02 को अंक दिए जाने हैं, जो दंत चिकित्सा अधिकारी के नैदानिक निर्णय पर आधारित होंगे।

(इ) **किसी उम्मीदवार को अयोग्य घोषित करने के लिए निम्नलिखित मानदंड होंगे**

(मै) **मौखिक हाइजीन।** सकल दृश्य पथरी, पेरियोडोंटल पॉकेट्स और/या मसूड़ों से रक्तस्राव के रूप में खराब मौखिक स्वास्थ्य स्थिति उम्मीदवार को अयोग्य बना देगी।

(ii) **मैक्सिलो-फेशियल सर्जरी/मैक्सिलोफेशियल आघात के बाद रिपोर्टिंग करने वाले उम्मीदवार।** जो उम्मीदवार कॉस्मेटिक या पोस्ट-ट्रॉमैटिक मैक्सिलोफेशियल सर्जरी/आघात से गुजरते हैं, वे सर्जरी/चोट की तारीख से, जो भी बाद में हो, कम से कम 24 सप्ताह तक अनफिट रहेंगे। इस अवधि के बाद यदि कोई अवशिष्ट विकृति या कार्यात्मक कमी नहीं है, तो उनका निर्धारित मानदंडों के अनुसार मूल्यांकन किया जाएगा।

(iii) पायरिया, तीव्र अल्सरेटिव मसूड़े की सूजन, और दांतों या जबड़ों की गंभीर असामान्यता के सामान्यीकृत सक्रिय घावों के उन्नत चरण से प्रभावित दंत चाप वाले या कई क्षय या सेप्टिक दांतों वाले उम्मीदवार को अस्वीकार कर दिया जाएगा।

32. **टिप्पणी :**अधिसूचना में उल्लिखित व्यापक दिशानिर्देशों के अलावा, उम्मीदवारों के लिए चिकित्सा मानकों को प्रावधानों द्वारा निर्देशित किया जाएगा**आईएपी 4303 5वांसंस्करण**और डीजीएएफएमएस नीति **"सशस्त्र बलों में अधिकारी प्रवेश के लिए सामान्य चिकित्सा मानक"**, समय-समय पर संशोधन के अनुसार।

परिशिष्ट बी

[पैरा 15 (ए), 17 (बी) को संदर्भित करता है]

उड़ान शाखा और ग्राउंड ड्यूटी (तकनीकी और) के लिए वायु सेना सामान्य प्रवेश ऑनलाइन टेस्ट (एएफसीएटी-02/2024) के लिए ऊंचाई और वजन पैरामीटर

प्रारंभ होने वाले पाठ्यक्रमों के लिए गैर-तकनीकी/मौसम विज्ञान प्रवेश

जुलाई 2025

प्रवेश पर अभ्यर्थी

महिलाओं के लिए ऊंचाई और वजन के मानक

ऊंचाई सेमी में	वजन किलोग्राम में	
	20-25 साल	**26-30 वर्ष**
148	43	46
149	44	47
150	45	48
151	45	48
152	46	49
153	47	50
154	47	50
155	48	51
156	49	52
157	49	53
158	50	53
159	51	54
160	51	55
161	52	55
162	52	56
163	53	57
164	54	57
165	54	58
166	55	59
167	56	60
168	56	60
169	57	61

170	58	62
171	58	62
172	59	63
173	59	64
174	60	64
175	61	65
176	61	66
177	62	67
178	63	67
एसडी	5	5

ऊंचाई में सेमी	**आयु सीमा (वर्ष)**				
	15-17	**18-22**	**23-27**	**28-32**	**33-37**
152	46	47	50	54	54
153	47	47	51	55	55
154	47	48	51	56	56
155	48	49	52	56	56
156	48	49	53	57	57
157	49	50	54	58	58
158	49	50	54	58	58
159	50	51	55	59	59
160	51	52	56	59	60
161	51	52	56	60	60
162	52	53	57	61	61
163	52	54	58	61	62
164	53	54	59	62	63
165	53	55	59	63	63
166	54	56	60	63	64
167	54	56	61	64	65
168	55	57	61	65	65
169	55	57	62	65	66
170	56	58	63	66	67
171	56	59	64	66	68
172	57	59	64	67	68
173	58	60	65	68	69
174	58	61	66	68	70
175	59	61	66	69	71
176	59	62	67	70	71
177	60	62	68	70	72
178	60	63	69	71	73
179	61	64	69	72	73
180	61	64	70	72	74
181	62	65	71	73	75
182	62	66	72	74	76
183	63	66	72	74	76

184	64	67	73	75	77
185	64	68	74	75	78
186	65	68	74	76	78
187	65	69	75	77	79
188	66	69	76	77	80
189	66	70	77	78	81
190	67	71	77	79	81
191	67	71	78	79	82
192	68	72	79	80	82
193	68	73	79	81	83
एसडी	6.0	6.3	7.1	6.6	6.9

ऊंचाई और वजन मानकों

पुरुष के लिए

परिशिष्ट 'सी'

[पैरा 28 (सी) को संदर्भित करता है]

जुलाई 2025 में शुरू होने वाले पाठ्यक्रमों के लिए उड़ान शाखा और ग्राउंड ड्यूटी (तकनीकी और गैर-तकनीकी) / एनसीसी विशेष प्रवेश / मौसम विज्ञान प्रवेश के लिए वायु सेना प्रवेश ऑनलाइन परीक्षा (एएफसीएटी-02/2024) के लिए दृश्य मानक

प्रवेश पर

क्र नहीं।	मेड बिल्ली	शाखा	अपवर्तक त्रुटि की अधिकतम सीमाएँ	दृश्य तीक्ष्णता त्रुटियाँ	रंग दृष्टि
1	ए1जी1	एफ (पी) शामिल डब्ल्यूएसओ, फ्लाइंग शाखा कैडेटों एनडीए में और ए.एफ.ए	**दीर्घदृष्टि**: + 1.5डी एसपीएच **प्रकट निकट दृष्टि**: शून्य **रेटिनोस्कोपिक मायोपिया**: शून्य **दृष्टिवैषम्य**: + 0.75 डी सिल (+ 1.5 डी अधिकतम के भीतर)	एक आँख में 6/6 और दूसरी में 6/9, केवल हाइपरमेट्रोपिया के लिए 6/6 तक सुधार योग्य	CP-मैं
2	A4G1	एडमिन/ डब्ल्यूएस	**दीर्घदृष्टि**: + 3.5डी एसपीएच **निकट दृष्टि दोष**:- 3.50डी एसपीएच **दृष्टिवैषम्य**:± 2.50 डी सिलेंडर	प्रत्येक आँख में 6/6 तक सुधार योग्य। दृश्य तीक्ष्णता 6/6 से कम होने पर चश्मा पहनना अनिवार्य होगा	सीपी-द्वितीय
3	A4G1	एई(एम) एई(एल)	**दीर्घदृष्टि**: + 3.5 डी एसपीएच **निकट दृष्टि दोष**: -3.50 डी स्.पी.एच **दृष्टिवैषम्य**:± 2.50 डी सिलेंडर	प्रत्येक आंख में सही दृश्य तीक्ष्णता 6/9 होनी चाहिए। सलाह दिए जाने पर चश्मा पहनना अनिवार्य होगा	सीपी-द्वितीय
4	A4G1	मिले	**दीर्घदृष्टि**: + 3.5 डी एसपीएच **निकट दृष्टि दोष**: -3.50 डी स्.पी.एच **दृष्टिवैषम्य**:± 2.50 डी सिलेंडर	सही दृश्य तीक्ष्णता बेहतर आंख में 6/6 और खराब आंख में 6/18 होनी चाहिए। चश्मा पहनना अनिवार्य होगा।	सीपी-द्वितीय
5	A4G1	खाते/ एलजीएस/ईडीएन	**दीर्घदृष्टि**: + 3.5 डी एसपीएच **निकट दृष्टि दोष**: -3.50 डी स्.पी.एच **दृष्टिवैषम्य**:± 2.50 डी सिलेंडर	सही दृश्य तीक्ष्णता बेहतर आंख में 6/6 और खराब आंख में 6/18 होनी चाहिए। चश्मा पहनना अनिवार्य होगा।	सीपी-III

नोट 1 . क्रमांक में शामिल कर्मियों के लिए नेत्र संबंधी मांसपेशी संतुलन। नंबर 1 और 2 के अनुरूप होना चाहिए इस अध्याय का परिशिष्ट सी.

नोट 2 . एनडीए में एयर विंग कैडेट्स और एएफए में एफ (पी) के फ्लाइट सीडीटीएस के दृश्य मानक अनुरूप होने चाहिए A1G1 F (P) मानक (परिशिष्ट B का S1. क्रमांक 1)

नोट 3 . ऊपर उल्लिखित एसपीएच सुधार कारकों में निर्दिष्ट दृष्टिवैषम्य शामिल होगा सुधार कारक। निर्दिष्ट दृश्य तीक्ष्णता मानक तक न्यूनतम सुधार कारक स्वीकार किया जा सकता है

उड़ान कर्तव्यों के लिए नेत्र मांसपेशी संतुलन का मानक

क्र.सं. नहीं।	परीक्षा	उपयुक्त	अस्थायी अयोग्य	स्थायी रूप से अयोग्य
1	मैडॉक्स रॉड 6 बजे परीक्षण मीटर की दूरी पर	एक्सो-6 प्रिज्म डी ईसो -6 प्रिज्म डी हाइपर-1 प्रिज्म D हाइपो- 1 प्रिज्म डी	एक्सो- 6 प्रिज्म से बड़ा डी एसो- 6 प्रिज्म से बड़ा डी हाइपर- 1 प्रिज्म से बड़ा डी हाइपो- 1 प्रिज्म से बड़ा डी	एककोशिकीय दमन 2 प्रिज्म से अधिक हाइपर/ हाइपो D
2	मैडॉक्स रॉड 33 पर परीक्षण सेमी	एक्सो-16 प्रिज्म डी एसो- 6 प्रिज्म डी हाइपर- 1 प्रिज्म डी हाइपो- 1 प्रिज्म डी	एक्सो - 16 प्रिज्म से बड़ा डी एसो - 6 प्रिज्म से बड़ा डी हाइपर 1 प्रिज्म से बड़ा डी हाइपो 1 प्रिज्म से बड़ा डी	एककोशिकीय दमन 2 प्रिज्म से अधिक हाइपर/ हाइपो D
3	हाथ से पकड़ा हुआ स्टिरियोस्कोप	बीएसवी के सभी ग्रेड	ख़राब फ़्यूज़नल रिज़र्व	एसएमपी की अनुपस्थिति, फ्यूजन स्टीरियोप्सिस
4	अभिसरण	10 सेमी तक	प्रयास से 15 सेमी तक	प्रयास से 15 सेमी से अधिक
5	कवर परीक्षण दूरी के लिए और निकट	अव्यक्त विचलन / अभिसरण तेजी से रिकवरी और पूरा	उपचार के साथ मुआवजा हेटरोफोरिया/ट्रोफिया में सुधार होने की संभावना है/उपचार के बाद भी बने रहने की संभावना है	मुआवजा दिया हेटरोफोरिया

परिशिष्ट 'डी'

[पैरा 28 (बी)(xvii) को संदर्भित करता है]

रतौंधी के संबंध में प्रमाण पत्र

प्रारंभिक अक्षर सहित नाम दल संख्या।

मैं प्रमाणित करता हूं कि जहां तक मेरी जानकारी है, हमारे परिवार में रतौंधी का कोई मामला नहीं है और मैं इससे पीड़ित नहीं हूं।

तारीख: (उम्मीदवार के हस्ताक्षर)

द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित

(चिकित्सा अधिकारी का नाम)

परिशिष्ट 'ई'
[पैरा 9 (सी)(ii)(एए) को संदर्भित करता है]

अभ्यर्थियों द्वारा स्व-प्रमाणन प्रमाणपत्र (प्रत्येक टैटू के लिए एक)
स्थायी शारीरिक टैटू वाले जनजातीय समुदाय

1. मैं, _____ (उम्मीदवार का नाम)। _____ का बेटा/बेटी (पिता/माता/अभिभावक का नाम जो लागू हो) _____ (जन्म तिथि) इसके द्वारा एक वचन देता हूं कि मैं _____ राज्य के _____ क्षेत्र की _____ जनजाति से हूं और * मेरे शरीर पर कोई स्थायी टैटू नहीं है/* मेरे पास है ____ मेरे शरीर पर अंकित स्थायी टैटू की संख्या इस प्रकार है (प्रत्येक टैटू के लिए एक) (*जो लागू न हो उसे काट दें):-

टैटू की तस्वीर	**टैटू का विवरण**
(पोस्ट कार्ड का आकार यहां चिपकाया जाना चाहिए और उम्मीदवार द्वारा नाम सहित हस्ताक्षर किया जाना चाहिए। कृपया स्टेपल पिन/क्लिप का उपयोग न करें)	टैटू का आकार (सेमी में) भाषा (यदि लागू हो) टैटू का महत्व (यदि लागू हो)

2. मैं शरीर पर स्थायी टैटू के लिए परिशिष्ट बी के अनुसार मूल प्रमाणपत्र संलग्न कर रहा हूं।
मेरा शरीर, निर्देशों के अनुसार विधिवत हस्ताक्षरित।

3. मैं एतद्द्वारा घोषणा करता हूं कि उपरोक्त परिशिष्ट ए के पैरा 1 में उल्लिखित टैटू के अलावा, मैं टैटू नहीं बनवाऊंगा यदि मुझे प्री-कमीशन प्रशिक्षण के लिए चुना जाता है तो मैं भविष्य में शरीर पर कोई अन्य स्थायी टैटू बनवाऊंगा।

4. मेरे द्वारा दी गई उपरोक्त जानकारी मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है।

5. मैं समझता हूं और जानता हूं कि किसी भी तथ्य को गलत तरीके से पेश किया गया है/किसी भी जानकारी को छुपाया गया है शरीर पर स्थायी टैटू के संबंध में चयन प्रक्रिया शुरू होने के किसी भी चरण में मेरी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी, जिसके लिए मैं पूरी तरह से जिम्मेदार रहूंगा।

जगह:

_____
(उम्मीदवार के हस्ताक्षर) नाम, प्रवेश और एएफएसबी बैच नंबर।

तारीख:

परिशिष्ट 'एफ'
[पैरा 9 (सी)(ii)(एबी) को संदर्भित करता है]

शरीर पर स्थायी टैटू के लिए प्रमाणपत्र (प्रत्येक टैटू के लिए एक प्रमाणपत्र)
जनजातीय समुदायों के उम्मीदवारों का सम्मान

1. यह प्रमाणित किया जाता है कि _____ (उम्मीदवार का नाम) जिसकी जन्म तिथि है _____ का बेटा/बेटी (जैसा लागू हो पिता/माता/अभिभावक का नाम) और _____ (राज्य का नाम) राज्य में _____ (जिले का नाम) समुदाय से संबंधित है।

2. यह प्रमाणित किया जाता है कि स्थायी शरीर टैटू शरीर के निम्नलिखित भागों पर अंकित है _____ (उम्मीदवार का नाम) _____ जनजाति के मौजूदा रीति-रिवाजों और परंपराओं के अनुसार है/हैं और आज तक प्रचलित है:-

(ए)

(बी)

3. प्रत्येक टैटू का पोस्ट कार्ड आकार का फोटो जैसा कि ऊपर परिशिष्ट बी के पैराग्राफ 2 में दिया गया है सत्य और सही होने के लिए प्रमाणित किया गया है और भविष्य में संदर्भ/रिकॉर्ड के लिए इसके साथ संलग्न है:-

टैटू की तस्वीर	**टैटू का विवरण**
(पोस्ट कार्ड का आकार यहां चिपकाया जाना चाहिए, जिस पर उम्मीदवार और इस प्रमाणपत्र को जारी करने वाले अधिकारी द्वारा संबंधित नामों के साथ विधिवत हस्ताक्षर किए जाएं। कृपया स्टेपल पिन/क्लिप का उपयोग न करें।	टैटू का आकार (सेमी में) भाषा (यदि लागू हो) टैटू का महत्व (यदि लागू हो)

नोट- विवरण और विवरण के साथ प्रत्येक टैटू की अलग तस्वीर अलग से प्रस्तुत की जाएगी और प्रत्येक पृष्ठ को प्राधिकरण द्वारा विधिवत सत्यापित किया जाएगा।

जगह:

प्रत्यय
गोल
टिकट

(जिला/तहसील के एसडीएम के डीसी/डीएम के नाम, पदनाम और मोहर के साथ हस्ताक्षर)या
(नाम, पदनाम, यदि कोई हो, के साथ हस्ताक्षर और उस जनजाति के वरिष्ठ सदस्य के अध्यक्ष/सचिव का पता, जिससे उम्मीदवार संबंधित है, उनकी मोहर के साथ)।

तारीख: